THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 102 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.12 2080 शुक्रवार, 30 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

आपको राहुल चाहिए या मोदी : अमित शाह

27 मिनट में 8 बार नीतीश का नाम लिया, कहा-वे कांग्रेस की चौखट पर बैठे हैं

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लखीसराय में कहा कि कांग्रेस 20 साल से राहुल बाबा की लॉन्चिंग कर रही है। इस बार भी पटना से कांग्रेस ने राहुल की विफल लॉन्चिंग की है। आपको 20 बार से फेल राहुल बाबा चाहिए या नरेंद्र मोदी। नीतीश कुमार सीएम बने रहना चाहते हैं, उन्हें पीएम नहीं बनना है। जिन्होंने विश्वासघात किया है। भ्रष्टाचारियों के साथ बैठे हैं, उन्हें सबसे पहले दंड देने का काम मुंगेर लोकसभा और लखीसराय से करनी है।

अमित शाह ने अपनी 27 मिनट के भाषण में 8 बार नीतीश कुमार का नाम लिया। उन्होंने कहा कि पलटूराम नीतीश बाबू कहते हैं कि 9 साल में क्या किया? नीतीश बाबू जिनके कारण आप मुख्यमंत्री बने, जिनके साथ इतना साल बैठे कुछ तो लिहाज करो। नीतीश बाबू आप सुनना चाहते हो तो पूरा हिसाब देने आया हूं। लालू को भी निशाने पर लिया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पटना में आयोजित विपक्षी एकता की बैठक में शामिल एक-एक पार्टियों का नाम लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 20 से ज्यादा पार्टियां इकट्ठा हुई। ये 20 पार्टियां कौन हैं? ये 20 लाख करोड़ का घपला, घोटाला-भ्रष्टाचार किया है।

20 लाख करोड़ घोटाला करने वाले कांग्रेस, लालू यादव के साथ मिले हैं। नीतीश बाबू आपकी राजनीति पैदाइश ही भ्रष्टाचार का विरोध करके हुई। इंदिरा के आपातकाल के विरोध से ही शुरू हुई। किस मुंह से आप इनके साथ मिल कर मुंगेर और बिहार कि जनता के बीच आइएगा।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी विश्व में जहां जाते हैं मोदी मोदी के नारे लगते हैं। अभी-अभी अमेरिका गए थे कोई इनका अपॉइंटमेंट कोई हस्ताक्षर तो कोई पैर छूकर आशीर्वाद मांग रहा है। वो मोदी जी का सम्मान नहीं है, ये मुंगेर वालों आपका, बिहार और 130 करोड़ भारतीय जनता का सम्मान है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा, बिहार के पलटूराम कह रहे हैं कि देश का प्रधानमंत्री बनना है। बिहार में सिर्फ भाजपा की राज होगा। चाहे 2024 हो या 2025 का चुनाव हो। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होने वाला है। इसके लिए अमित शाह को बधाई दीजिए। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की बैठक में छक्के-पंजे की लड़ाई चल रही है।

अशोक धाम के प्रधान पुजारी नीरज कुमार पांडे ने बताया कि अमित शाह ने इंद्रदमणेश्वर की 15 मिनट तक पूजा की। इसका उद्देश्य विश्व की शांति और देश में सनातन धर्म की स्थापना करना है। अमित शाह सेना के स्पेशल विमान से दोपहर करीब डेढ़ बजे पटना पहुंचे।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में होगी मंत्रिपरिषद की बैठक, बदलाव की अटकलें तेज

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी की अध्यक्षता में तीन जुलाई को मंत्रिपरिषद की बैठक होगी, बैठक प्रगति मैदान में नवनिर्मित कन्वेंशन सेंटर में हो सकती है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। वहीं अब सरकार सहित संगठन में फेरबदल की अटकलें तेज हो गईं हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक संसद के मानसून सत्र से कुछ दिनों पहले हो रही है। मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है।

वहीं इससे एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ यहां बैठक की थी। जिसके बाद से ही मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल की अटकलें तेज हो गई थीं।

इसमें पार्टी साल के अंत में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी संगठन में बदलाव की संभावना को लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में अमित शाह, नड्डा और भाजपा महासचिव (संगठन) बी एल संतोष ने संगठन और राजनीतिक मुद्दों पर कई दौर की चर्चा की है।

गौरतलब है,इस वर्ष के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम में चुनाव होने हैं, जिसको लेकर भाजपा अभी से सक्रिय हो गई है। अमित शाह, जे पी नड्डा और बी एल संतोष की पीएम मोदी के साथ हुई बैठक से इसके संकेत मिल रहे हैं।

जोखिम को देखते हुए रोका गया राहुल गांधी का काफिला

इंफाल, 29 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का मणिपुर दौरा विवादों में घिर गया है। गुरुवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर जब राहुल मणिपुर पहुंचे, तो बिष्णुपुर में उनका काफिला रोक दिया गया। वे चुराचांदपुर जा रहे थे। स्थानीय पुलिस ने बताया कि रास्ते में जोखिम है। उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई जगहों पर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि बाद में उन्हें हेलीकॉप्टर से चुराचांदपुर जाने की इजाजत दे दी गई। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के दफ्तर को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि सड़क मार्ग से चुराचांदपुर जाना ठीक नहीं है। मणिपुर के पुलिस स्टेशनों और सुरक्षा बलों के कैंपों से लूटे गए लगभग 4000 हथियार, अभी वापस जमा नहीं हुए हैं। ऐसे में राहुल गांधी की सुरक्षा को जोखिम हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी को सुरक्षा कारणों से ही चुराचांदपुर नहीं जाने दिया गया। इसका सबसे बड़ा कारण लूटे गए हथियारों की पूर्ण वापसी नहीं होना है। मणिपुर में तीन मई को शुरू हुई हिंसा के बाद वहां पर 5000 से ज्यादा हथियार लूटे गए हैं। अगर वापसी की बात करें, तो अभी तक 1600 हथियार ही वापस लौटाए गए हैं। उपद्रवियों द्वारा न समुदायों पर, बल्कि सुरक्षा बलों पर भी हमला किया गया है। ऐसे में सड़क मार्ग से जाना, राहुल के लिए जोखिम भरा था। दूसरा कारण, मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय द्वारा एक दूसरे पर ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि स्थानीय पुलिस कमांडो ने उपद्रवियों की मदद की है। इस तरह के माहौल में राहुल की सुरक्षा के साथ कोई जोखिम नहीं लिया जा सकता था। हालांकि राहुल गांधी के दौरे के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीम लगाई गई है। मौजूदा हालात में विभिन्न उपद्रवी समूह, केंद्र या राज्य सरकार के साथ अभी तक किसी भी तरह की ठोस वार्ता में शामिल नहीं हैं।

तीसरा कारण, मणिपुर के विभिन्न इलाकों में लंबे समय से रोड ब्लॉक किए गए हैं। खासतौर पर महिलाओं के समूहों ने सुरक्षा बलों का रास्ता रोका है। इसके अलावा कई इलाके ऐसे भी हैं, जहां उपद्रवियों ने खुद ही रोड पर नाके लगा रखे हैं। इस वजह से राहुल गांधी के लिए सड़क मार्ग से जाना खतरे से भरा रह सकता था। चौथी वजह, प्रदर्शनकारियों की आड़ में उपद्रवियों द्वारा किसी वारदात को अंजाम दिया जा सकता था। पांचवां कारण, आईईडी ब्लास्ट। चूंकि अभी तक मणिपुर में छोटे बड़े कई रास्ते नहीं खुल सके हैं।

राहुल गांधी का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना- संबित पात्रा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर बीजेपी नेता संबित पात्रा ने कहा कि मणिपुर की स्थिति विरासत के मुद्दे के कारण है, जिसमें कांग्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं उन मुद्दों का हवाला नहीं देना चाहता क्योंकि उनसे जुड़ी संवेदनशीलता है। ऑल मणिपुर स्टूडेंट्स यूनियन ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी के दौरे का बहिष्कार करने की मांग की और उन विरासती मुद्दों को गिनाया। उन्होंने कहा कि कई नागरिक समाज संगठनों ने भी आह्वान किया था कि राहुल गांधी को मणिपुर आकर चिंगारी नहीं भड़कानी चाहिए। राहुल गांधी का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना है। मैंने हमेशा कहा है, राहुल गांधी और जिम्मेदारी कभी साथ-साथ नहीं चलते।

राज्यपाल ने तमिलनाडु सरकार में मंत्री वी सेंथिल बालाजी को किया बर्खास्त

चेन्नई, 29 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने जेल में बंद वी. सेंथिल बालाजी को तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद् से बर्खास्त कर दिया। मंत्री वी सेंथिल बालाजी नौकरियों के बदले पैसे लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के कई मामलों में गंभीर आपराधिक कार्यवाही का सामना कर रहे हैं।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने जेल में बंद वी. सेंथिल बालाजी को तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया। मंत्री वी सेंथिल बालाजी नौकरियों के बदले पैसे लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के कई मामलों में गंभीर आपराधिक कार्यवाही का सामना कर रहे हैं। वहीं बुधवार को चेन्नई सत्र न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एस अल्ली ने मंत्री सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ाने का आदेश दिया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले नकदी मामले में बालाजी को 14 जून को गिरफ्तार किया था। छाती में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें चेन्नई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में 15 जून को मद्रास उच्च न्यायालय ने सेंथिल बालाजी को निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई लेकिन उसने उच्च न्यायालय के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया था।

स्टालिन ने यूसीसी को लेकर पीएम मोदी की आलोचना की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने उन पर कानून और व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह से बाधित करने और 'धार्मिक हिंसा' पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

सिस्टम को खोखला कर रहा है करप्शन

रिश्वत देने वालों पर भी चलाया जाना चाहिए केस, कर्नाटक हाईकोर्ट की टिप्पणी

बेंगलुरु, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मैसूर चंदन साबुन घोटाले में रिश्वत देने वालों की तरफ से दायर दो याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि अब समय आ गया है कि रिश्वत लेने वालों की तरह रिश्वत देने वाले को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। तभी भ्रष्टाचार खत्म हो सकता है।

जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने 26 जून के अपने फैसले में एमएस कर्नाटक अरोमास कंपनी के मालिकों कैलाश एस राज, विनय एस राज और चेतन मारलेचा और अल्बर्ट निकोलस व गंगाधर की याचिकाओं को खारिज कर दिया। मुख्य लेखा नियंत्रक प्रशांत कुमार एमवी के कार्यालय में इन सभी के पास 45-45 लाख रुपये मिले थे। प्रशांत भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन विधायक और मैसूर चंदन साबुन के निर्माता कर्नाटक साबुन एवं डिटर्जेंट लिमिटेड के अध्यक्ष मदल विरुपक्षप्पा के बेटे हैं।

विरुपक्षप्पा के खिलाफ शिकायत के बाद लोकायुक्त पुलिस ने उनके बेटे प्रशांत के दफ्तर पर छापा मारा। अल्बर्ट निकोलस और गंगाधर को प्रशांत के कार्यालय में नकदी ले जाते हुए पाया गया। इस मामले में दर्ज एक शिकायत में इन दोनों के साथ-साथ कर्नाटक अरोमास कंपनी के तीन मालिकों को आरोपी बनाया गया है। यह वह मामला है जिसे उन पांचों ने दो अलग-अलग याचिकाओं में चुनौती दी थी। माना जा रहा है कि जब्त की गई रकम रिश्वत थी जो विरुपक्षप्पा को उनके बेटे प्रशांत के जरिए दी गई थी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान मामला रद करने की उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि जब कानून आपको भ्रष्ट लोगों से नहीं, बल्कि भ्रष्ट लोगों को आपसे बचाता है तो जान जाइए कि देश बर्बाद हो गया है। अदालत ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि दोनों नकदी क्यों ले जा रहे थे। अदालत ने कहा कि सवाल ये है कि आरोपी नंबर एक लोक सेवक है, उसके निजी कार्यालय में आरोपी क्यों बैठे थे।

आखिर वो बैग में 45-45 लाख रुपये की नकदी लेकर आरोपी नंबर एक का इंतजार क्यों कर रहे थे। कोर्ट ने माना कि यह जांच का विषय है।

शिमला नहीं अब बेंगलुरु में होगी विपक्ष की मीटिंग

13 और 14 जुलाई को बनेगी आगे की रणनीति

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी को घेरने के विपक्ष रणनीति बनाने में जुटा है। बिहार की राजधानी पटना में हुई विपक्षी दलों की पहली मीटिंग के बाद ऐलान किया गया था कि अगली मीटिंग शिमला में होगी लेकिन अब जानकारी दी गई है कि यह बैठक बेंगलुरु में होगी। एनसीपी चीफ शरद पवार ने गुरुवार को जानकारी दी कि विपक्षी दलों की मीटिंग 13 और 14 जुलाई को बेंगलुरु में होगी।

पुणे में मीडिया से बातचीत करते हुए शरद पवार ने कहा कि पटना में विपक्ष की मीटिंग के बाद पीएम नरेंद्र मोदी बेचैन हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम को यूसीसी लागू करने की बात से पहले लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना चाहिए।

यूसीसी पर हो रही सियासी बयानबाजी के बीच शरद पवार ने कहा कि विभिन्न समुदायों के सुझावों और मांगों का आकलन करने के बाद एनसीपी अपना रुख स्पष्ट करेगी लेकिन उससे पहले लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण दिया जाना चाहिए। लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिला आरक्षण लंबे समय से लंबित मांग है।

फडणवीस पर भी साधा निशाना

जब उनसे महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के इस दावे पर सवाल किया गया कि 2019 में अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी विधायकों के एक समूह के साथ महाराष्ट्र में सरकार बनाने की बीजेपी के प्लान के बारे में शरद पवार को जानकारी थी तो उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस को ऐसी टिप्पणियां करने के बजाय राज्य में महिला सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

आप नेता आतिशी को वित्त और राजस्व मंत्री बनाया गया

मार्च 2023 में आतिशी ने मंत्री पद की शपथ ली थी तब उन्हें 6 विभाग दिए गए थे।

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की मंत्रिमंडल में फेरबदल हुआ है। आप नेता आतिशी को वित्त और राजस्व मंत्री बनाया गया है। अब आतिशी के पास 8 विभाग हो गए हैं। आतिशी और सौरभ भारद्वाज को इसी साल मार्च में कैबिनेट में शामिल किया गया था। तब आतिशी को छह विभाग दिए गए थे, जिसमें शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, महिला और बाल विकास, ऊर्जा, आर्ट कल्चर व भाषा और टूरिज्म जैसे विभाग हैं। जबकि सौरभ भारद्वाज को हेल्थ, अर्बन डेवलपमेंट, जल, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण, विजिलेंस, सर्विसेस और इंडस्ट्री जैसे 7 विभाग दिए गए थे।

एलजी पर फाइल रोकने का आरोप

इससे पहले गुरुवार को ही दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर कैबिनेट में फेरबदल से जुड़ी फाइल रोकने का आरोप लगाया था। आप सरकार ने कहा- हमने कैबिनेट में फेरबदल से जुड़ी फाइल उपराज्यपाल के पास साइन कराने के लिए भेजी थी, जो उन्होंने पिछले 4 दिनों से रोक रखी है। पिछले एलजी अनिल बैजल ऐसी फाइलों को आधे घंटे के भीतर मंजूरी दे देते थे। हालांकि, एलजी ऑफिस की ओर से इन आरोपों से इनकार किया था। ऑफिस की ओर से बताया गया कि फाइल पर बुधवार को साइन किए गए और दिल्ली सरकार को वापस भेज दी गई।

अब भारत से ही होंगे कैलाश मानसरोवर के दर्शन

50 किमी दूर उत्तराखंड के ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से देख सकेंगे

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। अब कैलाश पर्वत के दर्शन के लिए अब चीन जाने की जरूरत नहीं होगी। श्रद्धालु उत्तराखंड के लिपुलेख की पहाड़ियों से कैलाश मानसरोवर के दर्शन कर पाएंगे।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में करीब 18 हजार फीट की ऊंचाई से कैलाश पर्वत के दर्शन हो पाएंगे। इस नए रूट को लेकर विशेषज्ञों की एक टीम ओल्ड लिपुलेख पहुंची थी। उन्होंने वहां रोड मैप, लोगों के ठहरने की व्यवस्था, दर्शन के पॉइंट तक जाने का रूट सहित अन्य चीजों को लेकर रिसर्च की। जल्द ही वे अपनी रिपोर्ट पर्यटन मंत्रालय को सौंपेंगे। इसके बाद इस रूट पर काम शुरू हो जाएगा। नाभीढ़ांग के ठीक ऊपर 2 किलोमीटर ऊंची पहाड़ी से तिब्बत में मौजूद कैलाश पर्वत आसानी से दिखाई देता है। साल 2019 में आखिरी बार लोगों ने दर्शन के लिए यात्रा की थी। उसके बाद से किसी ना किसी कारण से कैलाश मानसरोवर यात्रा स्थगित हो रही थी।

स्थानीय लोगों ने ढूंढा कैलाश पर्वत का रास्ता

यह दावा किया जा रहा है कि अब तक यह रूट किसी को पता नहीं था, लेकिन जब कुछ स्थानीय लोग ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ी के ऊपर पहुंचे तो वहां

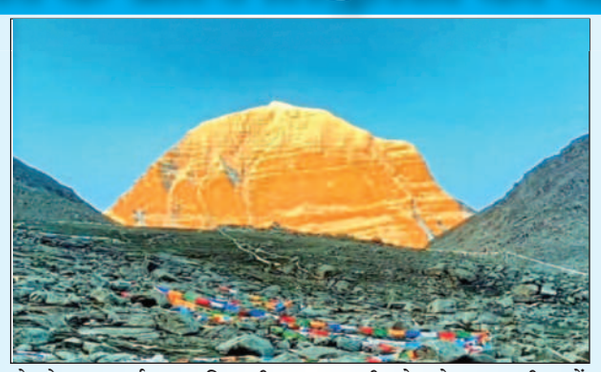

से कैलाश पर्वत काफी करीब और दिव्य दिखाई दिया। उन्होंने अफसरों को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलने पर पहुंची अधिकारियों की टीम को भी कैलाश पर्वत के दिव्य दर्शन बहुत आसानी से हो गए। टीम में शामिल सदस्य और धारचूला के एसडीएम दिवेश शासनी ने बताया कि ओल्ड लिपुलेख से पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन बड़ी आसानी से हो रहे हैं। इसे लेकर अब वे अपनी रिपोर्ट पर्यटन मंत्रालय को देंगे, जिसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं, पर्यटन विभाग का कहना है कि ओल्ड लिपुलेख पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर की चढ़ाई चढ़नी पड़ती है, जो आसान तो नही है। लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए भी रास्ता बनाया जा सकता है। स्नो स्कूटर की मदद से श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए पहाड़ी की चोटी तक पहुंचाया जा सकता है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के इस नए रूट से यात्रा 4-5 दिन में पूरी की जा सकती है।

जानकारों के मुताबिक, पिथौरागढ़ में यह नया रूट बनने के बाद कैलाश-मानसरोवर यात्रा दिल्ली से चार से पांच दिनों में पूरी की जा सकती है। श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग से धारचूला और बूढ़ी के रास्ते नाभीढांग तक पहुंचना होगा। इसके बाद दो किलोमीटर की चढ़ाई को पैदल तय करना होगा।

स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि ज्योलिंगकांग से 25 किलोमीटर ऊपर लिंपियाधूरा चोटी से भी कैलाश पर्वत के दर्शन हो सकते हैं, ऐसे में ओम पर्वत, आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के करीब से कैलाश पर्वत के दर्शन होने से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन गतिविधियों में तेजी आ सकती है।

>14

एमपी-राजस्थान समेत 23 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तराखंड के चमोली में लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे ब्लॉक; दिल्ली-मुंबई में सड़कों पर पानी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग के मुताबिक, देश भर में मानसून सामान्य से धीमी रफ्तार से चल रहा है। अभी देश में 16% कम बारिश हुई है।

उत्तर-पश्चिमी राज्यों में सामान्य से 42% ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। देश के पूर्वी, मध्य, उत्तर-पश्चिम व पश्चिमी राज्यों में 3 दिन मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है।

अगले 24 घंटे में मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत 23 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में भारी बारिश की वजह से छिनका के पास लैंडस्लाइड होने से बद्रीनाथ की तरफ जाने वाला हाईवे ब्लॉक हो गया। यहां टूरिस्ट फंसे हुए हैं।

असम में बाढ़ के हालात में कुछ सुधार है। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, राज्य के 6 जिलों में 83 हजार लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है।

महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे और सतारा में बीते 24 घंटे में जोरदार बारिश से रेलवे ट्रैक, बाजारों और सड़कों पर 3 फीट तक पानी भर गया। ठाणे में पेड़ जड़ से उखड़ गए।

अगले 24 घंटे कैसे रहेंगे

इन राज्यों में तेज बारिश होगी: हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम-पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी-पूर्वी उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पूर्वी पश्चिम मध्यप्रदेश, सौराष्ठ और कच्छ, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र , तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान-निकोबार।

इन राज्यों में हल्की बारिश होगीः तेज बारिश वाले सभी राज्यों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी होगी। इनके अलावा तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, साउथ कर्नाटक में गरज, बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होगी।

इन राज्यों में मौसम साफ रहेगाः ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ, मराठवाड़ा, आंध्रप्रदेश, उत्तरी कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर और पंजाब।

अमरनाथ यात्रा में तंबाकू बैन

लैंड स्लाइड के चलते ढाई किमी का सफर हेलमेट पहनकर करना होगा; 1 जुलाई से होगी यात्रा

श्रीनगर, 29 जून (एजेंसियां)। 1 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा इस बार पूरी तरह तंबाकू मुक्त होगी। जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य विभाग ने 28 जून को एक आदेश जारी किया है, जिसमें नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम के तहत अमरनाथ यात्रा को तंबाकू मुक्त बनाने कहा गया है। आदेश के तहत यात्रा में पड़ने वाले सभी पड़ावों पर तंबाकू प्रोडक्ट्स की बिक्री पूरी तरह बैन रहेगी। गांदरबल और अनंतनाग जिले की डिस्ट्रिक्ट सेल इस काम में प्रशासन की मदद करेगी।

अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने भी नियम बनाए हैं, जिनके तहत हाई रिस्क वाले ढाई किमी के रास्ते में यात्रियों को हेलमेट पहनना होगा। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 30 जून को जम्मू भगवती नगर बेस कैम्प से घाटी के लिए रवाना होगा।

श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं को मुफ्त हेलमेट देगा

पिछले साल पवित्र गुफा के पास बादल फटने से बाढ़ आ गई थी, इसे देखते हुए इस बार सावधानी बरती जा रही है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सीईओ मनदीप कुमार भंडारी के मुताबिक, लैंडस्लाइड और पत्थर गिरने की घटनाओं को देखते हुए इस बार हाई रिस्क जोन वाले ढाई किमी के रास्ते में यात्रियों को हेलमेट अनिवार्य किया गया है। इतना ही नहीं जो लोग खच्चर से जाएंगे उनके लिए भी हेलमेट जरूरी होगा। हेलमेट श्राइन बोर्ड की तरफ से मुफ्त मुहैया कराए जाएंगे। साथ ही पहाड़ी इलाकों में 30 से ज्यादा ट्रेंड माउंटेन रेस्क्यू टीमों को तैनात किया है।

अब तक 3 लाख लोगों ने करवाया रजिस्ट्रेशन

अमरनाथ यात्रा के लिए इस साल 28 जून तक करीब 3.04 लाख लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 10% ज्यादा है। इस साल कठुआ से लेकर पवित्र गुफा तक एक साथ 70 हजार यात्रियों के ठहरने का इंतजाम किया गया है। इस बार भी पवित्र गुफा के पास रात में किसी यात्री को ठहरने नहीं दिया जाएगा। अमरनाथ यात्रा से पहले डीआरडीओ और जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में 100-100 बिस्तरों के दो अस्पताल बनाए हैं। दोनों अस्पताल सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं।

हॉस्पिटल पर डेढ़ करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने वेस्ट दिल्ली के एक अस्पताल पर 1.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इस अस्पताल ने एक महिला को इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन(आईवीएफ) प्रोसेस के दौरान उसके पति के स्पर्म की जगह किसी अनजान पुरुष का स्पर्म इंजेक्ट कर किया था।

15 साल पुराने मामले में कोर्ट ने हॉस्पिटल को एनसीडीआरसी के कंज्यूमर रिलीफ फंड में 20 लाख रुपए जमा करने का भी आदेश दिया है। साथ ही अस्पताल के डॉक्टरों समेत तीन लोगों को शिकायतकर्ताओं को 10-10 लाख रुपए देने का आदेश दिया है। ये रकम चुकाने का 6 हफ्ते का समय दिया गया है।

2008-2009 में एक महिला ने आईवीएफ प्रक्रिया के जरिए गर्भधारण किया। बाद में महिला ने अपना डीएनए प्रोफाइल टेस्ट करवाया। रिपोर्ट से पता चला कि जुड़वां बच्चों में से एक का ब्लड ग्रुप AB+ था, जबकि माता-पिता का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव और ओ नेगेटिव था। रिपोर्ट से साबित हुआ कि आईवीएफ ट्रीटमेंट में स्पर्म इंजेक्शन लगाने के दौरान लापरवाही बरती गई थी। इसके बाद महिला के पति ने अपने परिवार को हुई मानसिक और आनुवंशिक तकलीफ का हवाला देते हुए अस्पताल से 2 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की थी। महिला के पति ने इस लापरवाही के बारे में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) में शिकायत दर्ज कराई थी। कोर्ट ने माता-पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए भाटिया ग्लोबल हॉस्पिटल एंड एंडोसर्जरी इंस्टीट्यूट और उसके अध्यक्ष और निदेशक को सामूहिक रूप से पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

एमपी के स्कूलों में पढ़ाई जाएगी वीर सावरकर की जीवनी

भोपाल, 29 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में वीर सावरकर की जीवनी पढ़ाई जाएगी। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने इसे स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही है। कांग्रेस ने इस कदम को फ्रीडम फाइटर्स का अपमान बताया है।

मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा, वीर सावरकर हमारे उन महान क्रांतिकारियों में से एक हैं जिनको एक जन्म में दो - दो आजीवन कारावास की सजा हुई। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में वे पहले लेखक हुए, जिन्होंने 1857 के आंदोलन को स्वतंत्रता संग्राम कहा। नहीं तो लोग गदम ही कहते थे।

मंत्री ने कहा, भारत की आजादी में उनका अभूतपूर्व योगदान है, इसलिए उनको हर जगह सम्मान मिलना चाहिए। दुर्भाग्य से इस देश में कांग्रेस की सरकारों ने भारत के महान क्रांतिकारियों को इतिहास के पन्नों में जगह नहीं दी। विदेशी आक्रांताओं को महान लिखा और देशभक्तों को महान नहीं बताया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत केंद्रित शिक्षा पर काम कर रही है। देश के लिए काम करने वाले देश के हीरो बनेंगे। हम बच्चों को उनके बारे में पढ़ाने का काम करेंगे।

स्कूलों में बच्चों को गीता का सार भी पढ़ाएंगे

इंदर सिंह परमार ने कहा कि हम सही महापुरुषों की जीवनी को सिलेबस में जोड़ेंगे, इसलिए मुख्यमंत्री ने गीता के संदेश, परशुराम, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसे तमाम क्रांतिकारियों को पाठ्यक्रम में शामिल करेंगे। 2018 में जब कुछ समय के लिए कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब वीर सावरकर की किताब एक स्कूल में बांट दी गई थी। कमलनाथ ने उस स्कूल के प्राचार्य को निलंबित कर दिया था। कांग्रेस के लोग हमारे देश के क्रांतिकारियों को बच्चों तक नहीं पहुंचाना चाहते।

कांग्रेस बोली- सावरकर को किस हैसियत से शामिल कर रहे कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा, स्कूल के सिलेबस में सावरकर को किस हैसियत से शामिल करना चाहते हैं, यह बड़ा सवालिया निशान है। यह बहुत अफसोस जनक है। हमने जो पढ़ा है, उसमें सावरकर की कहीं कोई पृष्ठभूमि स्वतंत्रता संग्राम में नजर नहीं आती। उनके कई पत्र पढ़े, अनेक बार सोशल मीडिया में पत्र आ चुके हैं, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांग ली। ऐसे व्यक्ति का इतिहास पाठ्यक्रम में जोड़ना शर्मनाक है। वह फ्रीडम फाइटर्स तो थे ही नहीं। वे जिस पृष्ठभूमि से आते हैं उनके (बीजेपी-आरएसएस) मार्गदर्शक हैं, संस्थापक हैं, इसलिए उनकी मजबूरी है।

हम देश के चाहने वाले लोग हैं।

हम ऐसे गलत कामों को प्राथमिकता नहीं देंगे। यह मजाक है, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का मजाक उड़ाया जा रहा है।

सोनीपत में भाई-बहन की मौत

रात को नूडल्स खाने से बिगड़ी थी दोनों बच्चों की तबीयत; मां व एक बच्चे की हालत खराब

सोनीपत, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में चौंका देने वाली घटना सामने आयी है। रात को तबीयत खराब होने पर परिवार के 3 बच्चों को अस्पताल लाया गया, जिनमें से 2 की मौत हो गई। परिवार का कहना है कि बच्चों ने रात को पहले परांठे और फिर नूडल्स खाए थे। इसके बाद ही वे बीमार हो गए। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में लग गई है। बताया गया है कि सोनीपत से सटे कालूपुर गांव के पास मायापुरी कॉलोनी (वेस्ट रामनगर) में एक व्यक्ति भूपेंद्र अपने परिवार के साथ रहता है। बीती रात इस परिवार पर भारी पड़ी है। भूपेंद्र के 3 बच्चे और उसकी पत्नी पूजा की रात को तबीयत खराब हो गई। बाद में अस्पताल में बहन भाई हेमा (7) व तरूण (5) की मौत हो गई। इनके बड़े भाई प्रवेश (8) को भी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। फिलहाल उसकी हालत ठीक है।

परिवार का दावा

रात को इन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया था। डॉक्टरों ने गंभीर हालत में पीजीआई रेफर किया था। परिजन उनको एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां उनकी मौत हो गई। एक बच्चे की हालत अभी गंभीर है। परिजनों का कहना है कि रात को घर में परांठे बनाए थे। इसके बाद सोने से पहले नूडल्स भी खाया था। इसके बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ी है। नूडल्स पड़ोस की एक दुकान से खरीदा था।

सूचना के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है। बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल में रखा गया है। सिटी थाना एसएचओ देवेंद्र शर्मा का कहना है कि परिजन बच्चों के नूडल्स खाने की बात कह रहे हैं।

पाक-चीन के साथ खराब रिश्तों पर बोले जयशंकर

सीमा पर संघर्ष का संबंध पर असर, दिन में व्यापार और रात में आतंकवाद बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाक के साथ रिश्तों पर खुलकर बात की। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ बॉर्डर पर हालात अभी भी सामान्य नहीं है। सीमा पर संघर्ष का आपसी संबंधों पर असर पड़ा है। पाकिस्तान को लेकर जयशंकर ने कहा, सीमा पार आतंकवाद के कारण उनके रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते।

भारत ऐसी स्थिति को बर्दाश्त नहीं करेगा जहां रात में आतंकवाद होता है और दिन में व्यापार होता है।

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ रिश्ते को लेकर एस जयशंकर ने कहा, हम आतंकवाद को सामान्य नहीं होने दे सकते, हम उसे पाकिस्तान के साथ चर्चा का आधार नहीं बनने दे सकते।

जयशंकर ने आगे कहा, पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से आतंकवाद की नीति के रहते हुए सामान्य संबंध होना संभव नहीं है। मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान के बीच कुछ मुद्दे हैं और अब समय आ गया है कि उन मुद्दों की गंभीरता को पहचाना जाए।

पाकिस्तान के अलावा भारत के दूसरे पड़ोसी देश चीन के साथ संबंधों को लेकर जयशंकर ने कहा, भारत-चीन बॉर्डर पर स्थिति आज भी सामान्य नहीं है। एलएसी पर पिछले तीन सालों से दोनों देशों के सैनिकों के बीच गतिरोध चल रहा है।

हालांकि जयशंकर ने चीन को एक बड़ा और अहम पड़ोसी बताया। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि चीन आज बहुत ही महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था और बड़ी शक्ति है। लेकिन कोई भी रिश्ता म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग पर बेस्ड होता है और दोनों देशों को एक-दूसरे के हितों और संवेदनाओं का सम्मान होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारे बीच जो समझौते हुए थे, उनका पालन होना चाहिए और हमारे बीच जो सहमति बनी थी, उससे अलग जाना रिश्तों में खटास ला सकता है। बॉर्डर पर स्थिति कैसी है उसका असर आपसी संबंधों पर पड़ता है।

भारत पर दबाव के बावजूद रूस से अच्छे रिश्ते बने हुए

एक तरफ जहां चीन-पाकिस्तान से भारत के रिश्तों में खटास रही है। वहीं रूस के साथ अच्छे रिश्तों पर जयशंकर ने कहा, भारत और रूस के संबंध स्थिर रहे हैं। इस बीच रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में काफी हलचल हुई। भारत पर भी दबाव बना लेकिन हमारे देश ने रिश्तों का मूल्यांकन कर उसके महत्व को समझा।

जयशंकर ने आगे कहा, रूस के साथ हमारे संबंधों के आर्थिक हिस्से में सुधार हुआ है। हमें रूस के साथ अपने संबंधों को सिर्फ रक्षा निर्भरता तक सीमित नहीं करना चाहिए।

कनाडा में हाल में बढ़ती खालिस्तानी गतिविधियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एस जयशंकर ने कहा कि ओटावा वोट-बैंक की राजनीति कर रहा है और इससे दोनों देशों के बीच संबंधों पर भी असर पड़ा है। जयशंकर ने कहा, कनाडा खालिस्तानी मुद्दे से कैसे निपट रहा है यह हमारे लिए एक पुराना मुद्दा है क्योंकि वे वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित हैं। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कनाडा से ऐसी गतिविधियाँ होती हैं जिससे हमारी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और हमारी सुरक्षा को नुकसान हो रहा है तो हमें जवाब देना होगा।

आप के बाद यूसीसी को उद्धव का सशर्त समर्थन

एनसीपी न्यूट्रल, फारूक अब्दुल्ला बोले- सरकार इसके नतीजों पर विचार कर ले

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशभर में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने के बयान का आम आदमी पार्टी (आप) और ऊद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना ने समर्थन किया है। हालांकि, ऊद्धव ने सरकार के स्पष्टीकरण की शर्त रखी है।

राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने ना ही यूसीसी का समर्थन किया और ना सपोर्ट किया यानी वो न्यूट्रल है। नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार को यूसीसी लागू करने के नतीजों पर बार-बार विचार कर लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 जून को भोपाल में भाजपा के 10 लाख बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए देशभर में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) जल्द लागू करने की वकालत की। पीएम ने कहा- यूनिफॉर्म सिविल कोड पर लोगों को भड़काया जा रहा है। एक घर दो कानूनों से नहीं चल सकता। बीजेपी यह भ्रम दूर करेगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 27 जून की रात यूसीसी पर इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। 3 घंटे तक चली मीटिंग में बोर्ड ने यूसीसी के प्रस्तावित कानून का विरोध करने का फैसला किया।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना ख़ालिद रशीद फरंगी महली ने कहा- हमने एक ड्राफ्ट तैयार किया है, जिसमें शरीयत कानूनों का जिक्र है। इसे जल्द ही लॉ कमीशन को भेजा जाएगा।

लॉ कमीशन के चेयरमैन जस्टिस ऋतुराज अवस्थी ने बुधवार को कहा- यूसीसी के लिए हमने कंसल्टेशन प्रोसेस भी शुरू कर दी है। जनता की राय मांगी है। कमीशन को यूनिफॉर्म सिविल कोड का नोटिफिकेशन जारी करने से लेकर अब तक 8.5 लाख रिस्पॉन्स भी मिल चुके हैं।

शिवसेना(उद्धव गुट): अध्यक्ष उद्धव ने एमपीएलबी के मेंबर्स से बुधवार को कहा कि हम यूसीसी का समर्थन करते हैं, लेकिन हम सरकार से स्पष्टीकरण भी चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सरकार बताए की इसका विभिन्न समुदायों पर क्या असर पड़ सकता है। साथ ही यूसीसी पर अब चर्चा शुरू करने के पीछे मोदी सरकार का मकसद पाकसाफ नहीं है।

आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा- हम यूसीसी का समर्थन करते हैं क्योंकि आर्टिकल 44 भी कहता है कि देश में यूसीसी होना चाहिए। हालांकि, इसके लिए सभी धर्म के लोगों, राजनीतिक पार्टियों और संगठनों से सलाह-मशविरा कर आम सहमति बनाई जानी चाहिए।

यूसीसी के विरोध में पार्टियों के बयान

एनसीपीः पार्टी ने यूसीसी के मुद्दे पर वर्किंग कमेटी की मीटिंग में चर्चा की। इसके बाद नेशनल सेक्रेटरी नसीम सिद्दिकी ने कहा- हम ना तो यूसीसी का समर्थन करते हैं और ना ही उसका विरोध। जनता और इससे जुड़े वर्गों के बीच इस पर चर्चा की जरूरत है।

नेशनल कॉन्फ्रेंसः फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार यूसीसी पर ज्यादा जोर ना डाले। इसे लागू करने के परिणामों पर बार-बार विचार कर ले। देश विभिन्नताओं से भरा है और अलग धर्मों-जातियों के लोग यहां रहते हैं। मुस्लिमों का अपना अलग शरीयत कानून है। सरकार सोच ले, तूफान आ सकता है।

एआईएमआईएमः चीफ असदुद्दीन आवैसी ने यूसीसी पर बहस छेड़ने को साजिश बताया था। कहा था कि भाजपा मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेसः सांसद शशि थरूर ने कहा, 'जहां तक यूनिफॉर्म सिविल कोड का सवाल है। प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था कि यूसीसी होना चाहिए, लेकिन हमें सभी को साथ लेकर चलना होगा। आप किसी भी देश में किसी एक तबके को नहीं भूल सकते।'सपाः सांसद एसटी हसन ने कहा - हम हदीस की हिदायतें नहीं छोड़ सकते।

डीएमकेः एम के स्टालिन ने कहा- मोदी सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काकर और देश में भ्रम पैदा करके 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने की सोच रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ का राहुल गांधी पर तंज

यमुनानगर, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में भाजपा की गौरवशाली भारत रैली में रक्षा मंत्री ठाकुर राजनाथ सिंह पहुंचे। यहां रक्षा मंत्री ने अपना संबोधन भारत माता के जयघोष से शुरू किया। उन्होंने कहा, 'लंबे अर्से बाद यहां मैं आया हूं। मैं यह मानता हूं कि भारत की परंपरा है कि सम्मान दोनों तरफ से होना चाहिए।' इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक नेता हैं, वह जहां भी जाते हैं वहां कहते हैं मैं यहां नफरत की दुकान में मोहब्बत की दुकान लगाने आया हूं। उन्होंने हरियाणा के लोगों से पूछा क्या यहां नफरत की दुकान है। लोगों के मना करने पर राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां उनकी मोहब्बत की दुकान नहीं लगने वाली है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब हमें लगा कि हमारा बहुमत दोनों सदनों में है हमने चुटकी बजाकर कश्मीर में धारा 370 को हटा दिया। आज कश्मीर को भी वही दर्जा प्राप्त है जो दूसरे राज्यों को प्राप्त है। आज हमारी सरकार ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को बचाने का काम किया है। श्री राम मंदिर इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। पहले की सरकारें घोटाले की सरकारें थीं।

उन्होंने स्वर्गीय सांसद रतन लाल कटारिया को याद करते हुए कहा कि छोटी बैठक हो या बड़ी बैठक हो उसमें वह अपना विचार जरूर रखते थे। जब भी वह बोलते थे तो सभी बैठे लोग ठहाका लगाने को मजबूर हो जाते थे। उन्होंने कहा कि इस इलाके को यमुना का आशीर्वाद प्राप्त है। 'जब भी मैं इस क्षेत्र में आता हूं तो मुझे बेहद खुशी होती है। इसकी एक वजह यह भी है कि यह किसानों की धरती है और मैं भी एक किसान हूं। भारत को पहला ओलिंपिक मेडल दिलाने वाली महिला कर्णभ मल्लेश्वरी यमुनानगर से ही रही हैं। देश की हरियाणा खेलों की राजधानी है।

इससे पहले रक्षा मंत्री का स्वागत राज्य के होम मिनिस्टर अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, विधायक घनश्याम दास, पूर्व मंत्री करण देव कंबोज, पूर्व विधायक बलवंत साढौरा, मेयर मदन चोहान, बंतो कटारिया ने किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत इच्छा शक्ति के कारण ही हमारी सरकार ने धारा-370 को हटाया। धारा-370 देश पर एक कलंक था, विपक्ष धारा-370 बहाल करने की बात करता है।

अजनाला हिंसा: अमृतपाल के साथियों के खिलाफ चालान पेश

साथी की गिरफ्तारी पर किया हमला, एसपी समेत 6 पुलिसकर्मी हुए थे घायल

अमृतसर, 29 जून (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में अजनाला पुलिस स्टेशन पर वारिस पंजाब दे मुखी अमृतपाल सिंह व साथियों की तरफ से की गई हिंसा मामले में पुलिस ने चालान पेश कर दिया है। यह चालान अजनाला कोर्ट में अमृतपाल सिंह के 20 साथियों के खिलाफ किया गया है। इस मामले में पुलिस ने 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर रखी है। मिली जानकारी के अनुसार कोर्ट में पेश चालान गुरपाल सिंह व अन्य के नाम से किया गया। डिब्रूगढ़ जेल में होने के कारण वारिस पंजाब दे के मुखी अमृतपाल सिंह के खिलाफ अभी चालान पेश नहीं किया गया। जल्द ही उसके खिलाफ कोर्ट में सप्लिमेंट्री चालान पेश किया जाएगा। इस चालान में पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धाराएं 307, 353, 186, 120B और आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज करने के लिए कहा गया है। पुलिस की तरफ से एसएसआई रत्न सिंह की शिकायत को आधार बना कर पेश किए गए

चालान में मुख्य गवाह के तौर पर एसपी जुगराज सिंह को भी रखा गया है। जिनके सिर पर 10 से अधिक टांके लगे थे। 23 फरवरी को खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े हजारों लोगों ने अमृतसर के अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। इनके हाथों में बंदूकें और तलवारें थीं। ये लोग संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के करीबी लवप्रीत सिंह तूफान की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। इनके हमले के बाद दबाव में आई पंजाब पुलिस ने आरोपी को रिहा करने का ऐलान कर दिया था। पुलिस ने उग्र भीड़ को रोकने के लिए बैरिकेड लगाए थे, लेकिन ये उन्हें तोड़कर अंदर घुस गए। इसमें 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

अजनाला हिंसा क्यों हुई?

अमृतसर के अजनाला पुलिस थाने में अमृतपाल, उसके साथी तूफान सिंह समेत कुल 30 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज है। बता दें कि अमृतपाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वाले एक युवक को किडनैप करने के बाद उसे बुरी तरह पीटा था।दरअसल, 15 फरवरी की रात अजनाला में पहुंचे चमकौर साहिब के बरिंदर सिंह को कुछ लोगों ने अगवा कर लिया था। जंडियाला गुरु के पास मोटर पर (जहां अमृतपाल भी मौजूद था) बरिंदर सिंह के साथ मारपीट की गई थी।

जिसकी शिकायत पर अमृतपाल व उसके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसी केस में पुलिस ने तूफान सिंह को गिरफ्तार किया था। इससे अमृतपाल भड़क गया और उसने अजनाला थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तारी देने की घोषणा की थी। SP हरपाल सिंह रंधावा ने बताया था कि हमलावर तलवार और बंदूकें साथ लाए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 30 जून, 2023 3

सुविचार: जिंदगी में सच के साथ हमेशा चलते रहिए, तो वक्त आपके साथ अपने आप चलने लगेगा!

डेयरी की सीईओ सेजल ने फिर किया आत्महत्या प्रयास

बीआरएस विधायक पर परेशान करने का आरोप * एमएलए ने सारे आरोपों को बताया निराधार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ओरिजन डेयरी की सीईओ सेजल ने फिर एक बार आत्महत्या प्रयास किया है। जुबली हिल्स इलाके के पेद्दम्मा तल्ली मंदिर के पास बेहोश पाई गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंकर सेजल को उपचार के लिए अस्पताल में भरती कराया है। उनके बैंग में नीद की गोलियां मिली है। ऐसा माना जा रहा है कि उसने नींद की गोलियों का ओवरडोज़ लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोपहर करीब डेढ़ बजे किसी ने उसे पेद्दम्मा गुड़ी में छोड़ दिया। लेकिन सेजल ने एक बार फिर आत्महत्या क्यों की इसके बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। यह सर्वविदित है कि सेजल ने आरोप लगाया था कि विधायक दुर्गम चिन्नय्या ने सरकारी जमीन को अपनी जमीन बताकर बेच दिया और उनका यौन उत्पीड़न किया। ओरिजिन डेयरी एमडी सेजल पंद्रह दिनों से अधिक समय से नई दिल्ली में रही थी। उन्होंने नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दिया था। विधायक दुर्गम चिन्नय्या के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज की गई थी। उन्होंने पूर्व में एक बार नई दिल्ली में आत्महत्या करने की कोशिश की थी। हालांकि उसे तुरंत स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सेजल ने विधायक चिन्नैया के खिलाफ सीबीआई में शिकायत भी दर्ज कराई। हाल ही में वह एक बार फिर तेलंगाना भवन में भूख हड़ताल पर बैठ गईं थी। ये सब अभी पंद्रह दिन भी नहीं हुआ। एक बार फिर हैदराबाद में आत्महत्या करने के प्रयासे सनसनी फैल गई है।

वास्तव में क्या हुआ था..?

हैदराबाद में रहने वाले आदिनारायण ने पिछले साल अगस्त में बेल्लमपल्ली में ओरिजिन डेयरी शुरू की थी। विधायक चिन्नैया ने कन्नाल के उपनगरीय इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 363 के बगल में बल्क मिल्क कूलिंग यूनिट के निर्माण के लिए भूमि पूजा की। यह बात फैलाई गई कि उन्होंने यूनिट के लिए दो एकड़ निर्धारित ज़मीन दी थी. जनवरी में, कई डेयरी किसानों ने निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में शिकायत की कि आदिनारायण और सेजल ने उन्हें बैरल यूनिट देने के लिए प्रत्येक से 3.50 लाख रुपये लेकर धोखा दिया था। पुलिस ने आदिनारायण और सेजल को गिरफ्तार कर आदिलाबाद जेल भेज दिया। जमानत पर रिहा हुए लोगों ने विधायक चिन्नैया पर आरोप लगाते हुए एक व्हाट्सएप चैट सूची जारी की। उन्होंने उन पर आरोप लगाया कि पैसे मांगने पर उन्होंने पैसे नहीं दिये। इसलिए उन्होंने उनके खिलाफ अवैध मामले दर्ज करा दिये। सेजल ने सोमवार को एक ऑडियो रिकॉर्ड भी जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें परेशान किया गया। इसके बाद से सेजल न्याय पाने के लिए कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में मानवाधिकार एसोसिएशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। हालाँकि, बीआरएस विधायक दुर्गम चिन्नय्या ने दावा किया था कि वे सब्सिडी पर भैंस इकाइयाँ देने के नाम पर लोगों से धनराशि एकत्र किए थे। बेल्लमपल्ली क्षेत्र के कई किसानों से 3.50 लाख रुपए लेकर बिना यूनिट दिए धोखा दिया गया। प्रभावित किसानों ने विधायक से सम्पर्क किया। उन्होंने डेयरी प्रबंधकों के बारे में पुलिस को सही कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पुलिस ने अपना काम किया। विधायक का कहना है कि उन पर लगाए जा रहे सारे आरोप निराधार है। उनका उनसे कोई रिश्ता नहीं है।

तेलंगाना आंदोलन के दौरान साईचंद की भूमिका अहम रही : केसीआर

सीएम ने लोक गायक व तेलंगाना वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष साईचंद को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोक गायक, पृथक तेलंगाना कार्यकर्ता और तेलंगाना राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष वी. साईचंदर उर्फ साईचंद का गुरुवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्हें गच्चीबावली के केयर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 39 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा है। उनके निधन पर मुख्यमंत्री केसीआर, स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव, शिक्षा मंत्री पी. सविता इन्द्रा रेड्डी आदि ने शोक जताया है। साईचंद परिवार के सदस्यों के साथ नागरकुर्नूल जिले के करुकोंडा गांव में अपने फार्महाउस गए और बुधवार को वहीं दिन बिताया। देर रात, उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें नागरकुर्नूल शहर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उनकी हालत बिगड़ने पर उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें हैदराबाद के केयर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बीते 20 सितंबर 1984 को वानापर्ती जिले के अमरचिंता गांव में जन्मे साईचंद ने जीवन में कम उम्र से ही एक कलाकार और गायक के रूप में नाम कमाया। पृथक तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान उन्होंने अपने गीतों से लोगों को प्रेरित किया। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, उन्होंने अपनी सांस्कृतिक गतिविधियाँ जारी रखी हैं और राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे विकास कार्यक्रमों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा की है। साईचंद ने 24 दिसंबर, 2021 को तेलंगाना राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने शहर के गुर्रमगुडा स्थित गायक के आवास का दौरा किया और साईचंद के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। साईचंद को अंतिम श्रद्धांजलि देते समय केसीआर की आंखे नम हो गई। परिजनों को सांत्वना देते हुए वह भावुक हो गये। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने परिवार को हर तरह की मदद का आश्वासन दिया। केसीआर ने दूसरे चरण के तेलंगाना संघर्ष में सांस्कृतिक आंदोलन के दौरान साईचंद के योगदान को उनके गीतों के माध्यम से याद किया। उच्च स्तर पर पहुंचने के चरण में असामयिक मृत्यु को अत्यंत दुखद बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सांस्कृतिक आंदोलन के दौरान साईचंद की भूमिका अमर रहेगी

मंत्री हरीश राव, महमूद अली, निरंजन रेड्डी, सबिता इंद्रा रेड्डी, सांसद जोगिनापल्ली संतोष कुमार, तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष पोच्चरम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुकेंदर, भाजपा तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय, टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी, विधायक मनचिरेड्डी किशन रेड्डी, बाल्का सुमन, रसमयी बालकिशन, सुंके रविशंकर, एमएलसी गोरेती वेंकन्ना, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, शंबीपुर राजू, मधुसूदनचारी आदि ने दिवंगत बीआरएस नेता को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव भी साईचंद के आवास पर गए और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उधर, साईचंद के घर के पूरे इलाके में मातम छा गया। बड़ी संख्या में लोगों ने साईचंद के आवास पर जाकर उन्हें अंतिम सम्मान दिया।

सूअर चर्बी से तेल बनाने वाला गिरफ्तार

टेस्ट बढ़ाने के लिए फास्ट फूड में मिलाते है कई दुकानदार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य पदार्थों में मिलावट दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। खासकर बड़े शहरों में कई लोग खाने-पीने की चीजों में मिलावट कर मासूम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। हालाँकि, हैदराबाद में वे चॉकलेट, लॉलीपॉप, आइसक्रीम में मिलावट करके करोड़ों कमाते हैं, जिन्हें अक्सर छोटे बच्चे खाते हैं। मिर्च, हल्दी, अदरक... ये सारी चीजें मिलावटी हैं। हालांकि पुलिस ने पहले भी कई बार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, लेकिन पैसे की उम्मीद में कुछ लोग खाने में मिलावट करना जारी रखते हैं। हाल ही में मिलावटी तेल बनाने वाले एक शख्स का पर्दाफाश हुआ था। सुअर की चर्बी से तेल बना रहे एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार हैदराबाद के नेरेडमेट इलाके के अर्केपुरम में रमेश शिवा नाम का शख्स रहता है। रमेश घर पर हंगामा करने के बजाय सुअर की चर्बी से खाना पकाने का तेल बना रहा है। सबसे पहले वह सूअर का मांस बेचने वालों से चर्बी प्राप्त करता था। इसके बाद जब इसे गर्म किया जाता है और इसमें कई तरह के रसायन डाले जाते हैं तो यह खाना पकाने के तेल जैसा दिखता है। रमेश बड़े पैमाने पर तेल बना रहा है। वह इसे बगल के तेल की दुकानों के संचालकों को कम कीमत पर बेचता है। हालांकि, सूचना मिलने पर पुलिस ने रमेश के घर सच्चाई की जानकारी लेने पहुंची पुलिस के होश उड़ गए। पुलिस ने रमेश को चर्बी से तेल बनाते हुए पाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि उससे तेल खरीदने वाले पुराने खाद्य दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्वविद्यालय के अनुबंध शिक्षकों ने सेवाओं को नियमित करने की मांग की

शिक्षक जेएसी के डॉ. श्रीधर कुमार ने प्रोफेसर लिंबाद्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सभी विश्वविद्यालयों के अनुबंध शिक्षक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर आर लिंबद्री से मुलाकात की है, और उनसे राज्य के 12 विश्वविद्यालयों में अनुबंध शिक्षकों की सेवाओं को नियमित करने की दिशा में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। जेएसी नेता डॉ. श्रीधर कुमार लोध और जरुपाला चंदूलाल ने गुरुवार को हनमकोंडा की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, जेएसी नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्होंने पहले 2015 में हैदराबाद सचिवालय में आयोजित एक बैठक में नियमितीकरण की मांग करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की थी। हालाँकि, अपनी योग्यता के बावजूद, इन उच्च कुशल शिक्षकों ने कई वर्षों तक नौकरी की असुरक्षा और सीमित लाभों को सहन करते हुए, अनुबंध के आधार पर सेवा जारी रखी है। इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित करते हुए कि विश्वविद्यालय अनुबंध शिक्षकों को नियमित करने के मानदंड वही हैं जो सरकारी डिग्री कॉलेज व्याख्याताओं पर लागू होते हैं, जिन्हें पहले ही नियमित किया जा चुका है, जेएसी नेताओं ने सरकार से 2015 में किए गए वादे को पूरा करने और नियमितीकरण प्रक्रिया शुरू करने का आह्वान किया। प्रोफेसर लिंबाद्री से अपनी अपील में, जेएसी नेताओं ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपना नियमितीकरण अनुरोध मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विश्वविद्यालय अनुबंध शिक्षकों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित सेवाओं को नियमित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू करने का आग्रह किया।

पुलिस ने इटेला राजेंद्र की सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इटेला जमुना ने गंभीर आरोप लगाया है कि उनके पति और हुज़ूराबाद के भाजपा विधायक ईटेला राजेंदर को उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा मारने की साजिश रची जा रही है। इस पृष्ठभूमि में, तेलंगाना सरकार ने ईटेला की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। डीसीपी संदीप राव आज इटेला राजेंदर के आवास पहुंचे और उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर आधे घंटे तक चर्चा की। डीसीपी इटेला की सुरक्षा की स्थिति पर डीजीपी अंजनी कुमार को रिपोर्ट सौंपेंगे। एमए एवं यूडी मंत्री केटीआर के आदेश के बाद पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को इटेला के घर के आसपास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डीजीपी से राजेंद्र की सुरक्षा के मुद्दे की समीक्षा करने को कहा। इसके बाद, डीजीपी ने राजेंद्र की सुरक्षा बढ़ाने पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इटेला के साथ पुलिस अधिकारियों की बैठक भी उनके दावों के आधार पर ईटेला को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने के केंद्र सरकार के कथित फैसले के मद्देनजर हुई है।

काचीगुडा से काकीनाडा टाउन तक विशेष ट्रेन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर काचीगुडा से काकीनाडा टाउन तक एकतरफा विशेष ट्रेन चलाएगा। ट्रेन नंबर 07215 काचीगुडा-काकीनाडा टाउन शनिवार को रात 8.30 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को सुबह 7.30 बजे पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेन मल्काजगिरी, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, पिदुगुराल्ला, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, राजमुंदरी और सामलकोट स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं।

बीबीनगर में बस पलटने से कई यात्री घायल

यदाद्री-भोंगीर, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के जिले के बीबीनगर मंडल में गुडूर टोल प्लाजा के पास एक निजी बस के पलट जाने से कई यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मॉर्निंग स्टार ट्रेवल्स की एक बस, जो बेंगलुरु से हैदराबाद होते हुए वारंगल जा रही थी, दूसरे वाहन से आगे निकलने की कोशिश में पलट गई। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बस के शीशे तोड़कर यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घटना के वक्त बस में करीब 20 यात्री सफर कर रहे थे। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

40 करोड़ रुपये के आईटी रिफंड घोटाले का भंडाफोड़

रेलवे व पुलिस विभाग के कई कर्मचारी जांच के दायरे में

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग ने 40 करोड़ रुपये के टैक्स रिफंड घोटाले का खुलासा किया है। आठ कर सलाहकार, रेलवे और पुलिस विभाग के कई कर्मचारी, हैदराबाद और विजयवाड़ा में कई प्रौद्योगिकी कंपनियां अब आईटी जांच विंग, हैदराबाद की जांच के दायरे में हैं। बुधवार को आईटी जांच विंग के अधिकारियों ने निज़ामपेट, एलबी नगर और वनस्थलीपुरम में विभिन्न स्थानों पर एक सर्वेक्षण किया। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसमें शामिल सरकारी अधिकारियों और तकनीकी पेशेवरों पर मुकदमा चलाने के लिए नोटिस दिए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि संबंधित पुलिस स्टेशन में एक आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि धोखाधड़ी केवल शुरुआत थी और संदेह है कि घोटाला बड़े पैमाने पर हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल अधिक संख्या में सलाहकारों और कर्मचारियों की पहचान करने के लिए जांच अगले कुछ दिनों में जारी रहेगी। कथित घोटालेबाजों की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए, आईटी विभाग के सूत्रों ने कहा कि सलाहकार फर्जी दस्तावेज बनाते हैं या धारा 80 सीसी और 80 डीडी के तहत उचित दस्तावेज के बिना रिटर्न दाखिल करते हैं, भले ही कर्मचारी पात्र नहीं थे। प्रत्येक सलाहकार ने लगभग 500 से 1,000 ऐसे आईटी दाखिल किए थे। एक वरिष्ठ आईटी अधिकारी ने कहा कि सलाहकारों ने या तो सीधे या अपने एजेंटों के माध्यम से, रिफंड राशि पर 10 प्रतिशत कमीशन के लिए अपना रिटर्न दाखिल करने की पेशकश करने वाले कर्मचारियों से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारी इस बात से अनजान थे कि यह एक धोखाधड़ी वाली योजना थी और उन्होंने कमीशन के लिए अपने खातों में रिफंड प्राप्त करने के लिए स्वेच्छा से अपनी साख प्रदान की। यह पहला मामला नहीं है जब इस तरह की धोखाधड़ी वाली गतिविधि सामने आई है। 2017 में, आईटी विभाग ने पाया कि 200 सॉफ्टवेयर कर्मचारियों ने अपने परिवार के सदस्यों के बीच विकलांगता और पुरानी बीमारियों का बहाना बनाकर गलत तरीके से रिफंड का दावा किया था। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने जांच की और इसमें शामिल सलाहकारों और कर्मचारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। दायर किए गए आरोपों में दो कर सलाहकारों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) शामिल हैं।

परीक्षा केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले शैक्षणिक संस्थानों के लिए शनिवार को छुट्टी की घोषणा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने उन सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है, जिन्हें शनिवार को होने वाली समूह-IV सेवा भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र के रूप में पहचाना गया है। परीक्षा के आयोजन के लिए कुल 2,846 केंद्रों की पहचान की गई है, जिसमें लगभग 9.5 लाख उम्मीदवारों को उपस्थित होना है। सरकार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टरों ने अलग-अलग आदेश जारी कर शनिवार को शिक्षण संस्थानों में अवकाश की घोषणा की है. अवकाश के स्थान पर 8 जुलाई, द्वितीय शनिवार, इन शिक्षण संस्थानों के लिए कार्य दिवस होगा। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने विभिन्न विभागों में 8,039 रिक्तियों के लिए समूह- IV भर्ती अधिसूचना जारी की थी। भर्ती परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी, जिसमें 1 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक सामान्य अध्ययन का पेपर और दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक सचिवीय योग्यता का पेपर होगा।

पोडु भूमि पट्टों के वितरण के लिए मंच तैयार जिलाधीश ने लिया तैयारी का जायजा

कोत्तागुडेम, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम सभाओं, वन अधिकार समितियों और जिला स्तरीय समितियों (डीएलसी) के माध्यम से दावों के व्यापक सर्वेक्षण और मूल्यांकन के बाद, शुक्रवार को जिले में पोडु भूमि पट्टों के वितरण के लिए मंच तैयार किया गया है।

कोत्तागुडेम जिले में 50,595 दावे हैं, जो राज्य में सबसे अधिक है, जिसे डीएलसी द्वारा अनुमोदित किया गया है, जिसमें पांच विधानसभा क्षेत्रों के 21 मंडलों में 313 ग्राम पंचायतों की 717 बस्तियों में फैली 1,51,195 एकड़ पोडु भूमि शामिल है। येल्लांडु मंडल में सबसे अधिक 6,824 दावे हैं, जो 17,673 एकड़ क्षेत्र को कवर करने के लिए स्वीकृत हैं, इसके बाद तेकुलपल्ली में 5,523 दावे हैं, जो 18,915.37 एकड़ भूमि को कवर करते हैं। चुंचुपल्ली मंडल में दावों की संख्या सबसे कम, 55 है, जिसमें 79.05 एकड़ पोडु भूमि शामिल है।

अल्लापल्ली, डुम्मुगुडेम, गुंडाला और मुलाकलपल्ली मंडलों में, पोडु कृषकों को 10,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र के पट्टे दिए जाएंगे। जिन लोगों को पट्टे दिए जाएंगे उन्हें वन अधिकार मान्यता अधिनियम 2006 के तहत उपयोगकर्ता अधिकार मिलेंगे।

खम्मम जिले में, चार विधानसभा क्षेत्रों में 77 ग्राम पंचायतों की 106 बस्तियों में 13,139.03 एकड़ भूमि को कवर करने वाले डीएलसी द्वारा 6,589 दावे अनुमोदित हैं। सिंगरेनी मंडल में सबसे अधिक दावे हैं, 2101 दावे 5070.27 एकड़ भूमि को कवर करते हैं।

वित्त मंत्री टी. हरीश राव, परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार के साथ सुबह कोत्तागुडेम में और बाद में दोपहर के समय खम्मम जिले में पोडु भूमि पट्टों के वितरण का शुभारंभ करेंगे।

जिला कलेक्टर अनुदीप डुरीशेट्टी ने गुरुवार को पट्टा वितरण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की. शुक्रवार को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 500-2500 लाभार्थियों को पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पट्टा वितरण के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। जैसा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने उन लोगों के लिए रायथु बंधु का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जो वनकलम सीज़न में पोडु भूमि पट्टे प्राप्त करने जा रहे हैं, अधिकारी इस उद्देश्य के लिए व्यवस्था कर रहे हैं।

IRCTC

इंडियन रेल कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लि.
(भारत सरकार का उपक्रम-मिनी रत्ना श्रेणी-I)
दक्षिण मध्य अंचल
9-1-129/1/102, पहली मंजिल, आक्सफोर्ड प्लाझा, एसडी रोड, सिकंदराबाद-500003
CIN:L74899DL1999GOI101707

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सीजीएम/एससीजेड द्वारा निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित है: -

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम मर्या. (दक्षिण मध्य रेलवे, पूर्वी तट रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) के साउथ सेंट्रल जोन के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित फूड प्लाझा, फास्ट फूड इकाईयों, रिफ्रेशमेंट रूम्स, जन आहारों, रिटायरिंग रूम्स में संचालन, रखरखाव तथा खानपान सेवाओं के प्रावधान के प्रति सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) की भर्ती हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां -

क्रम सं.	इकाई का प्रकार -	निविदाओं की प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय	ई-निविदा खोलने की तिथि व समय
1	फूड प्लाझा	02.08.2023 के 16.00 बजे	02.08.2023 के 16.30 बजे
2	फास्ट फूड इकाईयां	02.08.2023 के 15.00 बजे	02.08.2023 के बजे
3	रिफ्रेशमेंट रूम्स	02.08.2023 के 15.00 बजे	02.08.2023 के बजे
4	जन हार	02.08.2023 के 16.00 बजे	02.08.2023 के 16.30 बजे
5	रिट्रिंग रूम्स	02.08.2023 के 15.00 बजे	02.08.2023 के बजे

निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग व सहभागिता वेबसाइट www.tenderwizard.com/IRCTC. व्दारा कर सकते हैं।

उपरोक्त विज्ञापन के प्रति यदि कोई शुद्धिपत्र/ जोड जारी होता है तो उसे केवल **वेबसाइट्स**: www.irctc.com--तथा -www.tenderwizard.com/IRCTC पर ही प्रकाशित किया जायेगा।.इसके प्रति किसी भी प्रकार का न्यूज पेपर प्रेस विज्ञापन जारी नहीं होगा।

यूपी में बारिश, 3 दिन प्रदेशभर में अलर्ट

कानपुर में गंगा बैराज के 8 गेट खोले गए, 27 जिलों में भारी बरसात की चेतावनी

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। यूपी में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। जून में पहली बार मौसम विभाग ने अगले 3 दिन के लिए पूरे प्रदेश में बरसात का अलर्ट जारी किया है। बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक यूपी में रुक-रुककर बारिश जारी है। प्रयागराज में भी 11:30 बजे के आसपास बारिश शुरू हुई। लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद और नोएडा में भी सुबह अच्छी बारिश हुई। उधर, कानपुर में गंगा बैराज के 8 गेट बुधवार देर शाम खोल दिए गए।

मौसम विभाग ने आगरा, मथुरा, गोरखपुर, प्रयागराज समेत 27 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बाकी जिलों में मध्यम और हल्की बारिश का अनुमान है। आज से यानी 29 जून से 1 जुलाई तक के लिए विभाग ने ये अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में मंगलवार शाम से बुधवार शाम तक सबसे ज्यादा गोरखपुर में 98 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

27 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, मथुरा, आगरा, हाथरस, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र, बलिया, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, गोरखपुर, देवरिया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और पीलीभीत में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। यहां तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग ने प्रशासन को भी अलर्ट रहने के लिए कहा है।

कानपुर की सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय बताते हैं, ₹कानपुर समेत आज पूरे यूपी में अच्छी बारिश की उम्मीद है। ये सिलसिला 1 जुलाई तक चलता रहेगा। कहीं कम तो कहीं ज्यादा बारिश होगी। बीच-बीच में धूप भी निकलेगी। अब होने वाली बारिश खेती के लिए वरदान है।₹

हरिद्वार से छोड़ा पानी आज कानपुर पहुंचेगा, 3 फीट तक बढ़ सकता है जलस्तर

पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश के चलते नरौरा और हरिद्वार से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। सिंचाई विभाग के मुताबिक, नरौरा से छोड़ा गया पानी 3 दिन तक कानपुर पहुंच जाता है। ऐसे में यह पानी गुरुवार को कानपुर पहुंच जाएगा। इसके आते ही गंगा के जलस्तर में करीब 3 फीट तक की वृद्धि होगी।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कानपुर गंगा बैराज के 8 गेट बुधवार को खोल दिए गए हैं। गेटों की ओपनिंग भी बढ़ाई गई है। यानी ऊंचाई तक खोले गए हैं। अभी गेट नंबर 1 से 4 और 27 से 30 खोले गए हैं। अपस्ट्रीम में 113 मीटर का जलस्तर मेंटेन किया जा रहा था। मंगलवार को कानपुर से 4,126 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जबकि बुधवार सुबह 4,486 क्यूसेक पानी और छोड़ा गया। प्रशासन ने गंगा में बोटिंग बंद कर दी है।

कानपुर में बगहा ईदगाह में भरा पानी, नमाज कैंसिल

भारी बारिश के चलते कानपुर में कई ईदगाहों में पानी भर गया। शहरकाजी डॉ. मोहम्मद युनूस रजा ओवैसी के मुताबिक, बारिश के चलते बगाही ईदगाह में नमाज कैंसिल कर दी गई है। मस्जिदों में ही नमाज पढ़ी जाएगी। मस्जिदों में 2 बार ईद उल जुहा की नमाज पढ़ी जाएगी।

पूर्वी यूपी में अब तक औसत से आधी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, 1 से 27 जून के बीच पूर्वी यूपी में 83.8 मिमी बारिश हो जानी चाहिए थी। लेकिन अभी तक एवरेज 34.4 मिमी बारिश हो सकी। वहीं, पश्चिम यूपी में 60.5 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक 29% ज्यादा 78.2 मिमी. बारिश हो चुकी है।

बिहार के 10 लोकसभा सीट पर बीजेपी का फोकस

विपक्षी दल की बैठक के बाद शाह की आज पहली रैली, मुंगेर पर विशेष नजर

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 10 महीने में 5वीं बार बिहार आ रहे हैं। लखीसराय में वे आज एक रैली को संबोधित करेंगे। पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की बैठक के बाद अमित शाह की यह पहली रैली होगी। जाहिर सी बात है, रैली के दौरान मुख्य रूप से नीतीश कुमार और लालू यादव उनके निशाने पर रहेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने 10 लोकसभा क्षेत्रों को बिहार में चिन्हित किया है। इनमें- वाल्मिकीनगर, गोपालगंज, वैशाली, झंझारपुर, सुपौल, किशनगंज, पूर्णिया, मुंगेर, नवादा और गया पर भाजपा की विशेष नजर है। बता दें लखीसराय, मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में आता है और यहां से सांसद ललन सिंह हैं। ललन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। जबकि भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा लखीसराय से विधायक हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, आगामी लोकसभा चुनाव में मुंगेर लोकसभा सीट से विजय सिन्हा या

बीजेपी से राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा को टिकट मिल सकता है। हालांकि, बीजेपी पर इस पर मंथन होना बाकी है, लेकिन दोनों के समर्थकों में अभी से उत्साह भरा हुआ है। अमित शाह के बिहार आगमन पर आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा जब से सत्ता से बाहर हुई है, तब से अमित शाह ने बिहार को गोद ले लिया है। उनके सपने में भी बिहार दिखाई दे रहा है।

आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि अमित शाह सिर्फ नफरत फैलाने आ रहे हैं। हिंदू-मुस्लिम करने आ रहे हैं। बिहार के लिए जो वादा किया वो सब निभाया नहीं। इसलिए उन्हें खाली हाथ वापस जाना पड़ेगा। लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा को खाता खोलना मुश्किल हो जाएगा।

इधर, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि बीजेपी के नेता उन राज्यों में घूम रही है, जहां चुनाव है। अमित शाह के पास सारी जांच एजेंसी है और सारी एजेंसिज की रिपोर्ट है। रिपोर्ट उन्हें बता रही है कि आने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में बीजपी की बुरी तरह हार होने वाली है। उन्होंने कहा कि 2019 लोकसभा चुनाव के बाद जिन-जिन राज्यों में चुनाव हुए वहां भाजपा हारी है। रिपोर्ट भी यही बता रही है भाजपा अब सभी जगह हार रही है। इसलिए अमित शाह हो या प्रधानमंत्री हो इन्हीं बिहार जैसे राज्यों में भटकते रहेंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एक राज्य पूरी तरह से जल रहा है और अमित शाह को रैली करने से फुर्सत नहीं है। वे अन्य राज्यों का दौरा करने में लगे हैं। मोदी सरकार पूरे साल चुनाव में ही व्यस्त रहती है। बाकी देश का माल बेचकर मस्त हैं।

शिक्षक भर्ती नियमावली में अबतक हो चुके हैं 7 बदलाव

छात्र नेता बोले- शिक्षा मंत्री को बिहार की प्रतिभा पर शक तो निकालें इंटरनेशनल बहाली

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। बिहार में 1 लाख 70 हजार सीटों पर शिक्षकों के लिए वैकेंसी आई है। 30 मई को वैकेंसी को लेकर के नोटिफिकेशन जारी हुआ था और करीब 1 महीने के भीतर ही इस बहाली प्रक्रिया में 7 बार संशोधन किए जा चुके हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि इतने बदलाव के बाद अभ्यर्थी कन्फ्यूज हो रहे हैं। बहाली के नियमावली आने से पहले ही परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या को लेकर आपत्ति थी। ऐसे में जब 30 मई को जब शिक्षक बहाली को लेकर विज्ञापन जारी किया गया तब बीपीएससी ने बताया कि पेपर वन में 150 की जगह 120 प्रश्न ही पूछे जायेंगे। शिक्षक अभ्यर्थी इसको लेकर कह रहे हैं कि बदलाव इस प्रकार से किए जा रहे हैं कि लग रहा है कि जब तक यह बहाली की प्रक्रिया पूरी होगी तो संविधान संशोधन से भी अधिक संशोधन इस नियमावली में कर दिया जाएगा।

अब तक क्या-क्या हुआ बदलाव

1. 6 जून- बीपीएससी ने अधिसूचना जारी कर यह तय कर दिया कि दिव्यांग अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र सरकारी मेडिकल

कॉलेज से ही लाना होगा और वही मान्य होगा।

2. 9 जून - तकनीकी शिक्षा की डिग्री तथा प्राच्य भाषा विशेष से संबंधित डिग्री सामान्य विषय विद्यालय अध्यापक (कक्षा एक से पांच) पद पर नियुक्ति के लिए मान्य नहीं को विलोपित किया गया। कक्षा 11 और 12 के बायोलाजी विषय में नियुक्ति के लिए स्नातक के विषयों में संशोधन किया गया।

3. 19 जून- सामान्य वर्ग की महिला, दिव्यांग और एससी एसटी के लिए सीटेट में प्राप्त अंकों में छूट की सीमा बढ़ी। पूर्व में सीटेट में 90 अंक प्राप्त किया होना जरूरी था, लेकिन इसे घटाकर 82 किया गया

4. 21 जून- सीटेट जुलाई की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को भी परीक्षा में फॉर्म भरने की अनुमति दी गई और इसको लेकर अधिसूचना जारी की गई।

5. 22 जून- अधिसूचना जारी करते हुए परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया. 19, 20, 26 और 27 अगस्त को होने वाली परीक्षा की तिथि को बदलकर 24, 25, 26 और 27 अगस्त को दो पालियों में करने का निर्णय लिया गया।

6. 24 जून- बीएड और डीएलएड परीक्षा के अपीयरिंग अभ्यर्थियों को भी शिक्षक बहाली प्रक्रिया में अनुमति दिए जाने को लेकर अधिसूचना जारी की गई

7. 27 जून- बिहार सरकार ने शिक्षक बहाली के लिए आवेदन में डोमिसाइल पॉलिसी खत्म करते हुए देश के सभी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन की अनुमति दे दी।

लगातार हो रहे बदलाव पर छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि सरकार बिना समझे और बिना तैयारी के यह वैकेंसी लेकर आई है। नए बदलाव में देश के सभी राज्यों के अभ्यर्थियों को आवेदन की अनुमति दे दी गई है। यह बिहार के अभ्यर्थियों को बेरोजगार रखने की साजिश है। दूसरे प्रदेश में हमारे अभ्यर्थियों को मौका नहीं मिलता है। शिक्षा मंत्री इस पर बयान देते हैं कि बिहार में साइंस, मैथ के योग्य अभ्यर्थियों की कमी है। यह बहुत ही शर्मनाक बयान है।

दिलीप कुमार ने आगे कहा कि अगर शिक्षा मंत्री को लगता है कि योग शिक्षक की बहाली के लिए वैकेंसी को नेशनल करना होगा तो वह आगे कहेंगे कि वैकेंसी को इंटरनेशनल ही कर दिया जाना चाहिए ताकि ब्रिटेन और अमेरिका के लोग भी यहां आकर शिक्षक बन सकेंगे। शिक्षा मंत्री अगर बिहार में निकलेंगे तो उन्हें योग्य अभ्यर्थी नजर आ जाएंगे क्योंकि देश और दुनिया में हर जगह शिक्षा के क्षेत्र में बिहारियों का डंका बज रहा है।

तेजस्वी के एमएलए ने अधिकारियों के खिलाफ खोला मोर्चा

रोहतास डीएम-एसपी को बताया भ्रष्टाचारी, कहा- सरकार के पीठ पीछे बीजेपी-आरएसएस का एजेंडा चला रहे

सासाराम, 11 जून (एजेंसियां)। राजद के विधायक ने अपने ही सरकार के अधिकारियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रोहतास के डीएम-एसपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दोनों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने एवं भाजपा-आरएसएस के एजेंडे पर काम करने का आरोप लगाया है।

रोहतास के ही डेहरी से विधायक फते बहादुर सिंह ने बुधवार को कहा कि डीएम और एसपी सरकार के पीठ पीछे सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। सरकार ईमानदारी से काम कर रही है, लेकिन रोहतास के डीएम-एसपी आरएसएस के एजेंडे और बीजेपी के इशारे पर पर काम कर रहे हैं। पूरे जिले में भ्रष्टाचार फैला रखा है। गलत लोगों को अरेस्ट किया जाता है और अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

उन्होंने यह बात डेहरी में सोमवार की शाम एक होटल पर हुए हंगामे के मामले में कही। इस मामले में पुलिस ने बाद में

स्थानीय रिटायर्ड इंजीनियर को रात भर थाने में बिठाया था। रिटायर्ड इंजीनियर वर्तमान में EOU के एसपी सुशील कुमार के बड़े भाई हैं। घटना पर सुशील कुमार ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर रोहतास पुलिस के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली थी।

विधायक ने सोशल मीडिया पर किया था पोस्ट

विधायक ने मंगलवार की देर शाम सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रोहतास डीएम-एसपी को जिले में भ्रष्टाचार का जड़ बताया था। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी देते हुए आज बताया कि मेरे इलाके डेहरी के नील कोठी में एक होटल में अवैध धंधा चल रहा था।

पुलिस को सूचित किया गया, लेकिन होटल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने विरोध किया तो उन्हें ही थाने में बैठा दिया। वीरेंद्र चंचल जो खुद एक एसपी के भाई हैं और अस्वस्थ हैं, उन्हें रात भर थाने में बैठाए रखा गया। एसपी को एक बार फोन किया, मामले की जानकारी दी। उसके बाद 30 से अधिक बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

अब जानिए क्या है पूरा मामला

सोमवार शाम डेहरी नगर थाने से चंद कदम की दूरी पर चल रहे आवासीय होटल पर स्थानीय नागरिकों ने हंगामा किया था। आरोप था कि होटल में नाबालिग लड़के-लड़कियां आते-जाते हैं। यहां अवैध धंधा होता है।

मौके पर पहुंची पुलिस मोहल्ले के ही कुछ युवकों को वाहन में बैठाकर ले जाने लगी। लोगों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद हंगामे के डर से पुलिस वापस लौट गई। पुलिस ने नीलकोठी मुहल्ले के कुछ लोगों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने व होटल संचालक के साथ मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज कर ली।

इधर मोहल्ला के 50 से ज्यादा लोगों ने होटल की आड़ में गलत कार्य कराने का आरोप लगाते हुए डेहरी नगर थाने में लिखित शिकायत दी। आरोप है कि पुलिस ने थाने में शिकायत करने गए लोगों को रात भर बिठा लिया था। इसमें EOU के एसपी सुशील कुमार के बड़े भाई भी शामिल थे। उस रात भी विधायक एसपी को फोन कर रहे थे, लेकिन एसपी ने फोन नहीं उठाया।

क्योटी वाटरफॉल पिकनिक पर गए 4 व्यापारियों की मौत

बेकाबू कार 30 फीट गहरी खाई में गिरी

प्रयागराज, 11 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज के व्यापारियों की कार मध्य प्रदेश के रीवा में 30 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 4 व्यापारियों की मौत हो गई। जबकि 1 गंभीर घायल हैं। उन्हें रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। ये लोग प्रयागराज से 98 किमी. दूर रीवा के क्योटी वाटरफॉल में पिकनिक मनाने जा रहे थे। इसी दौरान बुधवार दोपहर गढ़ इलाके के देवास गांव के पास हादसा हो गया।

बुधवार सुबह साढ़े दस बजे प्रयागराज के 10 लोग 2 कार में सवार होकर क्योटी फाल के लिए निकले थे। ये सभी दोपहर करीब 1 बजे रीवा के गढ़ इलाके में देवास मोड़ पहुंचे। इसी बीच, तेज रफ्तार क्रेटा कार बेकाबू होकर पलट गई। कार सड़क किनारे सीधे 30 फीट गहरी खाई में जाकर गिरी। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। साथियों की मदद से सभी घायलों को सिरमौर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। रीवा के

एसपी विवेक सिंह ने बताया कि 1 घायल को प्रयागराज के लिए रेफर किया गया है। हादसे की खबर प्रयागराज पहुंचते ही, दोस्त और रिश्तेदार रीवा के लिए रवाना हुए। 4 व्यापारियों के घर में मातम छा गया।

हादसे में मरने वालों में प्रापर्टी डीलर पंकज जायसवाल, गिट्टी सप्लायर मनीष जायसवाल, सत्यजीत चटर्जी और सुपाड़ी कारोबारी शिवम केसरवानी शामिल हैं। पंकज कीडगंज में रहता था। मनीष मुट्ठीगंज की बरगद वाली गली, जबकि शिवम कोठापार्चा डी रोड पर रहता था। ये तीनों अपने 7 अन्य दोस्तों के साथ पिकनिक के लिए निकले थे। 5 क्रेटा कार, जबकि बाकी दूसरी कार में सवार थे।

इस हादसे में जान गंवाने वाले शिवम केसरवानी कोठापार्चा के केशव प्रसाद के इकलौते बेटे थे। उनका सुपारी का बड़ा कारोबार है। शिवम की 3 बहनों की शादी हो चुकी है। उसकी शादी परिवार कराना चाहता था। मगर हादसे में उसकी जान चली गई। जिस क्रेटा से हादसा हुआ, वो शिवम की ही थी।

कीडगंज के पंकज जायसवाल अपनी पत्नी पूजा, बेटी वैभवी के साथ रहते थे। वो प्रापर्टी डीलर थे। परिवार में उनके बड़े भाई नीरज और छोटे भाई अनुज हैं। सभी इस हादसे से हतप्रभ हैं। रात में ही उनके घर पर रिश्तेदार पहुंच गए थे।

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में रात करीब 9 बजे पंकज जायसवाल, मनीष जायसवाल और सत्यजीत चटर्जी के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद तीनों शवों को प्रयागराज के लिए भेज दिया गया। शिवम केसरवानी का शव फिलहाल सिरमौर सिविल अस्पताल में रखा है। जहां पोस्टमॉर्टम की तैयारी की जा रही है।

बेगूसराय में चलती मिनी बस में अचानक लगी आग

लोगों ने कूदकर बचाई जान, मौके पर मची अफरातफरी; ड्राइवर और खलासी फरार

बेगूसराय, 11 जून (एजेंसियां)। बेगूसराय में अचानक मिनी बस में आग लग गई। वहीं आग लगते ही मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। लोग इधर-उधर जान बचाकर भागने लगे। यह पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के कपस्या चौक स्थित एनएच 31 के समीप की है। बताया जा रहा है कि चलती मिनी बस में अचानक आग लग गई। आग लगते ही मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। वहीं बस में बैठे यात्रीयों ने जैसे तैसे उस बस से कूदकर अपनी जान बचाई। तस्वीरों में देख सकते हैं किस तरह से बीच सड़क पर अचानक मिनी बस में आग लगी हुई है। फिलहाल इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने किसी तरह अपने अस्तर से आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

वहीं इस घटना की सूचना दमकल दफ्तर को दी गई। मौके पर दमकल कर्मी की टीम आग बुझाने में जुटे हुए हैं। फिलहाल इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मिनी बस में आग कैसे लगी। फिलहाल नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच कर पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई है। वहां पर मौजूद नगर थाना के दरोगा अर्जुन कुमार ने बताया है कि सूचना मिली कि कपस्या चौक पर अचानक एक बस में आग लग गई। बताया जा रहा है कि बस स्टैंड से मिनी बस यात्री को लेकर जीरोमाइल जा रहे थे तभी अचानक बस में आग लग गई। आग लगते ही ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया और गाड़ी को उसी जगह रोक कर यात्री को उस बस से निकाला। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर दमकल कर्मी के द्वारा काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मुजफ्फरनगर में ऑनर किलिंग

ब्यूटी पार्लर से लौट रही बहन को बीच चौराहे मारी गोली; 2 साल पहले की थी लव मैरिज

मुजफ्फरनगर, 11 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में बकरीद के एक दिन पहले ऑनर किलिंग की वारदात सामने आई है। यहां बुधवार को भाइयों ने बीच चौराहे पर बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। युवती ने गांव के ही लड़के से दो साल पहले लव मैरिज कर ली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतका के देवर ने कहा कि भाभी के घर वालों ने पहले ही धमकी दी थी कि अगर वो शादी के बाद घर लौटीं तो उन्हें मार देंगे। 20 दिन पहले भी यही धमकी दी गई थी। इसके बाद उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीपुर अटेरना की है।

फरहाना ने 2 साल पहले गांव के ही शाहिद से लव मैरिज कर ली थी। इसके चलते परिजन उससे नाराज चल रहे थे। परिजनों ने दोनों को गांव में न आने की

धमकी दी थी। इसके बाद पति-पत्नी गांव छोड़कर चले गए थे। अभी 20 दिन पहले ही दोनों गांव लौटे थे। यहां गांव में फरहाना ने ब्यूटीशियन का काम करना शुरू कर दिया था। वो एक ब्यूटी पार्लर में काम करने लगी।

रास्ते में रोक कर मारी गोली

बुधवार शाम फरहाना ब्यूटी पार्लर से वापस घर लौट रही थी। आरोप है कि इसी दौरान उसके भाइयों ने उसे रोका। पहले उससे बातचीत की फिर गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना मिलने के बाद क्षेत्राधिकारी विनय गौतम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां मौजूद देवर सलीम ने पुलिस से कहा, "फरहाना के भाइयों सलमान, फरमान, नोमान और मेहरबान ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। इन सभी ने भाभी को गोली मारी।"

सीओ बुढ़ाना विनय गौतम ने कहा, "अलीपुर अठेरना की रहने वाली फरहाना ने यहीं के लड़के के साथ 2021 में लव मैरिज की थी। युवक भी इन्हीं की बिरादरी का है। बाद में इन्होंने कोर्ट मैरिज की। लड़की के परिजन इस शादी से नाराज थे। दोनों परिवारों को समझाया गया था।"

विनय गौतम ने बताया, "शादी के बाद से परिवार के लोग अंदर से रंजिश रखे हुए थे। बुधवार को भाइयों ने वारदात को अंजाम दिया। हत्या में 5-6 लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस मुकदमे के लिए तहरीर का इंतजार कर रही है। पुलिस की दो टीम बना दी गई है, जो आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।"

गाजीपुर में डबल मर्डर: ग्राम प्रधान के बेटे और रिश्तेदार की चाकू से गोदकर हत्या, घर से 200 मीटर की दूरी पर वारदात

गाजीपुर, 11 जून (एजेंसियां)। मोहम्मदाबाद कोतवाली के बढ़ईपुर गांव में बीती रात दो किशोरों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हत्या उस वक्त की गई जब वह अपने घर से लगभग 200 मीटर दूर शौच करने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान दोनों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया। घटना की जानकारी पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे जांच शुरू की।

जानकारी के मुताबिक, बढ़ईपुर ग्राम प्रधान रामराज बिंद का पुत्र विकास बिंद, रिश्तेदारी में आए हुए एक अन्य युवक सुनील बिंद के साथ गांव से ही कुछ दूर पर शौच करने के लिए गया हुआ था। तभी घात लगाए हमलावर ने पहले ग्राम प्रधान के पुत्र पर चाकू से हमला किया। उसके बाद दूसरे युवक की भी चाकू मारकर हत्या कर दी। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि घटना अर्धरात्रि की है। मोहम्मदाबाद कोतवाली के बढ़ईपुर ग्राम सभा में 2 लोगों की हत्या करने का मामला सामने आया। दोनों मृतकों की उम्र लगभग 15 से 16 साल के बीच है। इस मामले में ग्राम प्रधान के द्वारा तहरीर दी गई है। गांव के एक युवक को नामजद कर 2 अज्ञात के खिलाफ के दर्ज किया जा रहा है। पुलिस हत्या के मूल कारणों का पता लगाने में जुट गई है

तेजस्वी के स्वास्थ्य विभाग में चला पावर पॉलिटिक्स का गेम

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के स्वास्थ्य विभाग में पावर पॉलिटिक्स गेम का मामला सामने आया है। एक अधिकारी तबादले की लिस्ट जारी करते हैं तो दूसरे अधिकारी खामियां निकालते हुए उसे कैंसिल कर देते हैं। दोनों अधिकारियों के बीच खींचतान में 500 कर्मियों का तबादला अधर में अटक गया है। विभाग के ओएसडी यानी विशेष कार्य पदाधिकारी के आदेश को अपर मुख्य सचिव के ओएसडी ने निरस्त करते हुए तबादले की सूची को कैंसिल कर दिया है। जून में एनएम,एएनएम और फार्मासिस्ट का तबादला किया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने शाम को ट्रांसफर नोटिफिकेशन निकाला और अगले दिन सुबह ऑफिस खुलते ही इसे स्थगित कर दिया गया। तबादला स्वास्थ्य निदेशक प्रमुख राकेश चन्द्र सहाय वर्मा ने की और विभागीय अपर मुख्य सचिव के ओएसडी सतीश रंजन सिन्हा ने इसे रद्द कर दिया। तबादला रद्द करने के पीछे यह दलील दी गई कि ट्रांसफर नियम के मुताबिक नहीं किया गया।

आगरा में हुई अनोखी शादी: वर-वधू ने लिए भारत माता की फोटो के फेरे, सात की जगह लिए गए आठ वचन

आगरा, 11 जून (एजेंसियां)। आगरा में अनोखी शादी हुई। शादी में वर-वधू ने अग्नि के स्थान पर भारत माता को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। शादी में सात की जगह आठ वचन लिए गए। आठवां वचन देश और धर्म की रक्षा का लिया गया। शादी लोगों के बीच में चर्चा का विषय है। आगरा के आवास विकास कालोनी निवासी डॉ. नरेंद्र सिंह अलीगढ़ में जिला आयुर्वेदिक और यूनानी अधिकारी के पद पर तैनात है। उनकी बेटी डॉक्टर खुशबू की शादी आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित डी ग्राउंड मरकस में फर्रुखाबाद के अमृतपुर तहसील में तैनात एसडीएम रविंद्र सिंह से हुई। रविंद्र भी आगरा के शास्त्रीपुरम निवासी है। दोनों की शादी में फेरे की रस्म सबके लिए आकर्षण का केंद्र रही। शादी में अग्नि की जगह भारत माता की तस्वीर के चारों तरफ फेरे लिए गए। इसके अलावा उन्होंने सात की जगह आठ वचन लिए। ये था आठवां वचन शादी के लिए जो कार्ड छपवाए गए थे, उसमें भी सात की जगह आठ वचन लेने की बात लिखी गई है। आठवां वचन भी लिखा गया है। आठवें वचन में हे सर्व शक्तिमान परमेश्वर हिंदू राष्ट्र घटक के रूप में हम तुमको सादर प्रणाम करते हैं। इस कार्य के लिए हम कटिबद्ध हैं। हमें इस कार्य को पूरा करने को आशीर्वाद दें। हमें ऐसी अजेय शक्ति दीजिए कि हमें सारे विश्व में कोई जीत न सके। हमारी विनयशीलता के आगे सारा विश्व नतमस्तक हो।

सेना के खिलाफ 'फेक ट्वीट' कर फंसीं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 29 जून (एजेंसियां। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के खिलाफ एक सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता ने नवाबाद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में मुफ्ती पर सेना के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया गया है।

जम्मू के सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता बोध राज शर्मा ने पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है। महबूबा मुफ्ती पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय सेना के बारे में गलत जानकारी के साथ ट्वीट किया। बोधराज शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि पीडीपी चीफ ने अपने ट्विटर पेज पर एक मैसेज शेयर किया था, जो काफी भड़काऊ था। उन्होंने पुलिस ने मुफ्ती के खिलाफ संबंधित धाराओं में FIR दर्ज करने का अनुरोध किया है।

महबूबा मुफ्ती के ट्वीट के खिलाफ शिकायत

दरअसल जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भारतीय सेना पर गंभीर आरोप लगाते हुए ट्वीट किया कि सेना की टुकड़ियां पुलवामा में एक मस्जिद में घुस गईं और वहां मुसलमानों को 'जय श्री राम' बोलने के लिए मजबूर किया।

महबूबा मुफ्ती ने शनिवार (24 जून) ट्वीट में लिखा था, "सेना की 50 आरआर के जवानों की तरफ से पुलवामा की एक मस्जिद में घुसकर मुसलमानों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर करने की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। यह तब हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यहां मौजूद हैं। ये सब यात्रा से पहले किया गया है जोकि केवल उकसावे की कार्रवाई है।"

मुफ्ती ने चिनार कोर की कमान संभालने वाले लेफ्टिनेंट

जनरल राजीव घई को टैग करते हुए कहा था कि इसकी तुरंत जांच होनी चाहिए। बाद में मीडिया रिपोर्ट को शेयर करते हुए महबूबा मुफ्ती ने जांच शुरू करने को लेकर सेना का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, "जड्डरा की घटना में त्वरित कार्रवाई करने के लिए चिनार कोर को धन्यवाद। केवल वास्तविक जवाबदेही ही नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच विश्वास बहाल करेगी। कश्मीर एकमात्र राज्य है जहां अमरनाथ यात्रा जैसी तीर्थयात्रा ईद के साथ होती है। यही कश्मीरियत की भावना है।"

उनके इसी बयान को लेकर जम्मू पुलिस में शिकायत दर्ज की गयी है। वहीं, इस मामले में एसएचओ नवाबाद सुरेंद्र रैना का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दे दी गई। उनके आदेशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिंहदेव के बाद अब पायलट को पद देने की तैयारी

राहुल से चर्चा के बाद होगा फैसला

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां। छत्तीसगढ़ में टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाने के बाद अब कांग्रेस हाईकमान राजस्थान को लेकर फैसला करने की तैयारी में है। सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चुनावों से पहले खींचतान मिटाने के फॉर्मूले पर काम लगभग पूरा हो चुका है। अब सचिन पायलट को पद देकर मुख्य धारा में लाने की तैयारी चल रही है। पायलट के सियासी पुनर्वास पर कई दौर की चर्चा हो चुकी है। इसके लिए तीन विकल्पों पर विचार चल रहा है। राहुल गांधी के मणिपुर दौरे से लौटने के बाद हाईकमान कदम आगे बढ़ाएगा।

फिर शेयरिंग फॉर्मूला तैयार

कांग्रेस हाईकमान विधानसभा चुनावों का कैंपेन शुरू होने से पहले गहलोत-पायलट का झगड़ा सुलझाना चाहता है। इसके लिए फिर शेयरिंग फॉर्मूला तैयार किया गया है। अब इसे लागू करने की एक्सरसाइज शुरू हो चुकी है। पार्टी हाईकमान को यह फीडबैक मिलता रहा है कि पायलट खेमे को साथ लिए बिना सरकार के खिलाफ नाराजगी कम नहीं होगी। ऐसे में अब दोनों खेमों को साधकर चुनाव मैदान में जाने का प्लान तैयार किया जा रहा है।

चुनाव में जाने के लिए हाईकमान ने पायलट-गहलोत के लिए कौन सा फॉर्मूला तैयार किया, यदि पायलट कहीं एडजस्ट होंगे तो उनके द्वारा उठाई गई मांगों का क्या होगा, टिकट वितरण में सचिन पायलट का क्या रोल होगा?

सचिन पायलट के सियासी पुनर्वास के लिए तीन तरह के विकल्प तैयार किए गए हैं। इन्हीं विकल्पों में से एक पर आम सहमति बनाकर गहलोत और पायलट को साथ लाया जाएगा।

1. पहला विकल्प पायलट को राष्ट्रीय महासचिव और कांग्रेस की सुप्रीम बॉडी कांग्रेस वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाने के साथ विधानसभा चुनाव की कैंपेन कमेटी का अध्यक्ष बनाने का है। इस फार्मूले पर पहले भी चर्चा हुई थी। इससे विरोधी खेमे को भी ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

2. दूसरा विकल्प पायलट को फिर से प्रदेशाध्यक्ष और उनके खेमे के विधायक को डिप्टी सीएम बनाने का है, लेकिन गहलोत खेमा इसका विरोध कर रहा है। इसके लिए कैबिनेट में फेरबदल करना होगा। प्रदेशाध्यक्ष के पद पर अशोक गहलोत खुद के खेमे के नेता की जगह पायलट का विरोध करते रहे हैं।

2020 में पायलट को प्रदेशाध्यक्ष और डिप्टी सीएम पदों से बर्खास्त किया गया था। चुनावी साल में जाट वर्ग के नेता को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाने से एक बड़े वोट बैंक की नाराजगी का खतरा भी है। इसलिए गहलोत खेमा इसी खतरे का तर्क देकर पायलट को प्रदेशाध्यक्ष बनाने का विरोध कर रहा है। गहलोत खेमे को मनाने और जाट वोट बैंक को बैलेंस करने के लिए मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को डिप्टी सीएम बनाने का विकल्प भी खुला रखा है।

3. इन दो विकल्पों के अलावा एक तीसरे विकल्प पर भी काम किया जा रहा है। राहुल गांधी के मणिपुर दौरे से लौटने के बाद इसे फाइनल किया जाएगा। संभवतः सीएम गहलोत और पायलट को आमने-सामने बैठाकर इस पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि तीसरा विकल्प पायलट को कांग्रेस का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ने के विकल्प पर चर्चा की जा सकती है। हालांकि अभी कुछ तय नहीं है।

पायलट और सिंहदेव के मुद्दे अलग

राजनीतिक जानकारों का तर्क है कि छत्तीसगढ़ में टीएस सिंहदेव के मामले की सचिन पायलट से तुलना नहीं की जा सकती। टीएस सिंहदेव अंदरूनी तौर पर असंतुष्ट जरूर थे, लेकिन उन्होंने सियासी लिमिट क्रॉस नहीं की।

फरियाद लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे शख्स पर पुलिसकर्मी ने की थप्पड़ों की बारिश

बांदा, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक पुलिसकर्मी, एक शख्स को थप्पड़ जड़ते हुए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो जिलाधिकारी के कार्यलय का है, जहां शख्स अपनी फरियाद लेकर पहुंचा था। इसी दौरान पुलिसकर्मी ने शख्स को थप्पड़ जड़ा, वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोग भड़क गये।

मिली जानकारी के मुताबिक, अपनी शिकायत लेकर शख्स सिटी मजिस्ट्रेट के पास पहुंचा था लेकिन शख्स की उनके साथ बहस हो गई। जिसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने शख्स को तुरंत वहां से बाहर निकालने का आदेश दे दिया। शख्स को वहां से निकला गया लेकिन तभी शख्स के पास एक गनर पहुंचा, जिसने थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। किसी ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब बांदा पुलिस की फजीहत का कारण

बन रहा है।

वायरल वीडियो देख भड़के लोग, कार्रवाई की मांग

रोहित त्रिपाठी नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा, "उत्तर प्रदेश के बांदा में डीएम कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मी ने फरियादी को थप्पड़ जड़ दिए। सोचिए डीएम कार्यालय के बाहर भी फरियादी की पिटाई हो सकती है ये कितना आश्चर्यजनक है।" प्रदीप सिंह नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा कि फरियादी को मारने का हक पुलिस वाले को किसने दिया ? शासन ने किया प्रशासन ने ? पद पाने के बाद मानवता मर जाती है।

प्रकरण में जिलाधिकारी कार्यालय आए एक व्यक्ति द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट से अभद्रता करने का प्रयास किया गया जिसे गनर द्वारा बाहर निकाला गया । पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा क्षेत्राधिकारी नगर को जांच हेतु निर्देशित किया गया है, जांचोपरांत आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ।

एक अन्य ने लिखा, "अगर सीधे शब्दों में कहूं तो ऐसे पुलिस कर्मी को सस्पेंड कर देना चाहिए क्योंकि इन जैसे पुलिस वालों की वजह से अच्छे और ईमानदार पुलिस वालो की भी छवि खराब होती है।" संजीव नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा, "क्या फरियादी की प्रार्थना करने का तरीका भी अपराध की श्रेणी में लगा जो उसे पीटना पड़ा?" प्रशांत कुमार नाम के यूजर ने लिखा कि गरीबों पर सब जुल्म करते हैं, क्योंकि उनकी आवाज कोई नहीं सुनता है।

पुलिस ने दी ये सफाई

वायरल वीडियो के संबंध में बांदा पुलिस ने कहा है कि प्रकरण में जिलाधिकारी कार्यालय आए एक व्यक्ति द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट से अभद्रता करने का प्रयास किया गया, जिसे गनर द्वारा बाहर निकाला गया। पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा क्षेत्राधिकारी नगर को जांच हेतु निर्देशित किया गया है, जांचोपरांत आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

वो मदद को चीखती रही और दोस्त छोड़कर भागा, नाबालिग के साथ पार्क में सामूहिक दुष्कर्म

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां। दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके से फिर एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक लड़के ने अपनी दोस्त को पार्क में मिलने बुलाया था। आरोप है कि जब दोनों पार्क में थे तभी वहां तीन आरोपी आए और उन्होंने लड़की का सामूहिक दुष्कर्म किया। लड़की की उम्र करीब 16 साल बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है।

दरअसल, लड़की अपने दोस्त से मिलने पार्क में गई थी। तभी वहां तीनों आरोपी आ गए। उन्हें देखकर लड़की का दोस्त वहां से भाग गया। आरोपियों ने नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। यह घटना दो दिन पहले की है। फिलहाल पुलिस ने गैंगरेप के तीन आरोपियों को पकड़ लिया है और एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है। वहीं एक आरोपी नाबालिग है।

पीड़िता 27 जून को दोस्त से मिलने पार्क में गई थी

एक खबर के अनुसार, 27 जून की रात को पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क में थी। इसी समय वहां तीन लड़के पहुंचे। उन तीनों पर पीड़िता के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप है। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर उसके उस दोस्त के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है जिससे मिलने पीड़िका पार्क में गई थी। उस पर आरोप है कि वह तीन लड़कों को देखकर लड़की को अकेला छोड़कर भाग गया था। फिलहाल वह फरार चल रहा है, पुलिस को उसकी तलाश है। फिलहाल दिल्ली पुलिस ने गैंगरेप और पॉक्सो की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

इस मामले में दिल्ली पुलिस का कहना है कि उन्हें 27 जून को सूचना मिली थी कि पार्क में लड़की का यौन उत्पीड़न हुआ है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी बॉबी को शाहबाद डेयरी के इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें दो नाबालिग हैं। वहीं एक आरोपी फरार है। आरोपियों के खिलाफ 376D/323/34 IPC एवं 6 POCSO Act के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कलकत्ता एचसी में रिटायर्ड मुलाजिमों के नाम पर एक गैंग दायर कर रहा केस, जस्टिस को पता चला तो भड़कीं

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस अमृता सिन्हा बेहद गुस्से में थीं। वजह ये थी कि उन्हें पता चला कि हाईकोर्ट में एक गैंग काम कर रहा है। ये लोग उन रिटायर्ड मुलाजिमों की तरफ से केस दायर कर रहे हैं जिनका एरियर सरकारी खजाने में अटका है। ये लोग मुलाजिमों से बैंक चेक भी साइन करवा रहे थे। हालांकि जस्टिस पहले उस एडवोकेट के खिलाफ कार्रवाई करने के मूड़ में थीं जो मुलाजिम का केस लेकर उनके पास आया था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदला और वकील को वार्निंग देकर छोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया कि वो मामले की पड़ताल करें।

जस्टिस अमृता सिन्हा ने अपने आदेश में कहा कि एडवोकेट ऑन रिकार्ड को चेतावनी दी जा रही है कि भविष्य में ऐसी हरकत फिर से न हो। वकील को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो केस वो कोर्ट में लेकर आ रहा है वो दायर करने लायक है। जस्टिस ने महिला वकील को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार तो कोर्ट उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले रही है। लेकिन भविष्य में फिर से ऐसा हुआ तो एडवोकेट दिक्कत में आ जाएंगी।

केस फाइल लेकर कोर्ट में पहुंचीं एडवोकेट, उनको पता ही नहीं था कि याचिकाकर्ता कौन है

दरअसल, जो केस एडवोकेट ने कोर्ट में दायर किया था उसके बारे में उन्हें ही ज्यादा कुछ नहीं पता था। एक तरफ याचिकाकर्ता कह रहा था कि उससे केस दायर करवाने के लिए बैंक से जुड़े कुछ दस्तावेजों पर दस्तखत कराए गए थे। इससे पहले 21 जून को जारी आदेश में हाईकोर्ट ने कहा था कि वकील को ये पता ही नहीं था कि

रिटायर्ड मुलाजिम से केस दायर करने की एवज में पैसे मांगे जा रहे हैं। कोर्ट ने अपने तब के आदेश में ये भी लिखा था कि वकील को ये पता ही नहीं था कि याचिकाकर्ता कौन है। उनका कहना था कि केस से जुड़े दस्तावेज उनको कोर्ट क्लर्क के एजेंट से मिले।

हाईकोर्ट ने कहा- रिटायर्ड मुलाजिमों का डाटा लीक होने का अंदेशा, पुलिस जांच करे

आज की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता खुद कोर्ट में मौजूद था। उसका कहना था कि वो केस में आगे कोई कार्यवाही नहीं करना चाहता। कोर्ट ने कहा कि एक ही मामले में कई सारी याचिकाएं दाखिल की गई हैं। मुलाजिम का एरियर नहीं मिला था। जो रिट दायर की गई थीं उनमें एरियर पर ब्याज की मांग की गई थी। कोर्ट ने हुगली के पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया कि वो इस मामले की जांच करें कि कोई गैंग कैसे रिटायर्ड मुलाजिमों के एरियर को लेकर ताबड़तोड़ रिट दायर कर रहा है। कोर्ट ने ये भी कहा कि सेवानिवृत मुलाजिमों का डाटा गैंग को लीक हुआ है। इसकी भी जांच हो।

1 करोड़ लगी थी कीमत फिर भी चरवाहे ने नहीं बेचा भेड़ का बच्चा, डाइट जानकर आपके भी उड़ जाएंगे होश

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां। देशभर में गुरुवार (29 जून, 2023) को बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। बकरीद पर कुर्बानी के लिए कुछ दिन पहले से ही बकरों और भेड़ों की खरीद शुरू हो जाती है। इस दौरान काफी ज्यादा कीमत पर बकरे और भेड़ बेचे जाते हैं। इस बीच राजस्थान के एक चरवाहे ने अपना भेड़ बेचने से इनकार कर दिया, जबकि उसे इसके बदले में 1 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। उसने ऐसा क्यों किया इसकी वजह भी काफी दिलचस्प है।यह मामला राजस्थान के चुरू जिले का है, जहां एक चरवाहे राजू सिंह ने 1 करोड़ रुपये के पेशकश मिलने के बावजूद अपने भेड़ को बेचने से इनकार कर दिया। दरअसल, जिस भेड़ की कीमत 1 करोड़ रुपये लगाई गई है, उसके पेट पर '786' लिखा है, इस अंक को इस्लाम में काफी पवित्र माना जाता है। पिछले साल इस मेमने का जन्म हुआ था। उसके पेट पर लिखे 786 अंक के महत्व के बारे में राजू नहीं जानते थे, लेकिन बाद में उनके गांव में रहने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उन्हें इसका मतलब बताया और कहा कि इस्लाम में यह एक पवित्र अंक है और इसे ईश्वर के आशीर्वाद के तौर पर देखा जाता है।

राजू सिंह को अब तक इस भेड़ के लिए 70 लाख से 1 करोड़ रुपये तक की पेशकश की जा चुकी है। हालांकि, उन्होंने फैसला किया है कि वह इसको नहीं बेचेंगे। राजू सिंह ने कहा कि इस मेमने का जन्म पिछले साल हुआ था और जब उन्हें पता चला कि उसके पेट पर लिखा '786' एक पवित्र अंक है तब से वह उसको झुंड के अन्य भेड़ों से अलग रखते हैं। इसे खाने में अनार, पपीता, बाजरा और हरी सब्जियों जैसे विशेष और पौष्टिक आहार दिए जाते हैं। वह मेमने को अपने साथ घर पर ही रखते हैं और इसकी उच्च कीमत के कारण इसकी सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुसलमानों के त्योहार ईद-उल-अजहा को लेकर काफी धूम है। इस दिन मुस्लिम सुबह ईद की नमाज पढ़ते हैं और फिर किसी जानवर की कुर्बानी देते हैं। इस मौके पर लखनऊ के इमाम मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली ने लोगों से मस्जिद और ईदगाह पर ही नमाज पढ़ने की अपील की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी ना की जाए, बल्कि किसी प्राइवेट प्रॉपर्टी या बड़े मदरसे में कुर्बानी करें। उन्होंने यह भी कहा है कि सिर्फ उन जानवरों की ही कुर्बानी करें, जिन पर कोई कानून बंदिश नहीं है।

मुंबई के हिल स्टेशन से मिली सिर कटी लाश, बंदरों की वजह से सॉल्व हुआ केस

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां। माथेरन मर्डर केस की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, बंदरों की वजह से यह केस सॉल्व हो सका है। कहीं ना कहीं बंदरों के जरिए इस सनीसनीखेज हत्या का खुलासा हो सका है। हम इस पूरे घटनाक्रम के बारे में आपको बता रहे हैं।

दरअसल, 12 दिसंबर 2021 के दिन मुंबई के नजदीक एक हिल स्टेशन माथेरान के एक कॉटेज के बाथरूम में एक सिर कटी महिला की लाश मिली थी। महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। इसकी सूचना कॉटेज के मालिक केतन रामणे ने पुलिस को दी।

घटना की सूचना पाने के बाद सहायक पुलिस निरीक्षक संजय बांगड़ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था और सिर गायब था। यहां तक कि महिला की कलाई पर बने टैटू को भी किसी नुकीली चीज से छील दिया गया था ताकि उसकी पहचान न हो सके। हत्यारे ने ऐसा कोई सामान नहीं छोड़ा था जिससे पुलिस को उसकी पहचान करने में मदद मिल सके। इतना ही नहीं सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था।

जब गेस्ट रजिस्टर की जांच की गई तो अमजद खान और रूबीना बेगम का नाम मिला। दंपति ने शनिवार को चेक इन किया था, लेकिन किसी तरह का पेपर जमा नहीं किया था। इससे पुलिस को शक हुआ कि दंपति ने फर्जी नाम कॉटेज लिया था। इसके बाद दस पुलिस टीमों को कॉटेज के पास 250 फीट की घाटी में महिला के सिर और कपड़ों को खोजने का काम सौंपा गया।

बंदर यात्रियों से सामान छीन कर इधर-उधर फेंक देते हैं और यही मददगार साबित हुआ

बांगड़ ने अपनी टीम को ऐसे सामानों को भी तलाश करने का आदेश दिया जो हाल ही में हटाए गए हैं। दरअसल, माथेरान में बंदर अक्सर पर्यटकों से बैग और सामान छीन लेते हैं और उन्हें पूरे हिल स्टेशन में फैलाकर फेंक देते हैं। पुलिस ने बंदरों द्वारा फैलाई गए सामानों को इक्ट्ठा करना शुरू किया। जल्द ही, बांगड़ के सामने सामानों का ढेर लग गया। बांगड़ ने उन सामानों की तलाशी लेने में घंटों बिता दिए। इसके बाद उन्हें एक महिला का बैग मिला। जब उन्होंने उसकी तलाशी ली तो उसमें कॉस्मेटिक का सामान मिला। तभी बांगड़ का ध्यान उस पर बैग पर गया। बैग पर गोरेगांव मेडिकल स्टोर का नाम छपा हुआ था। इसके बाद बांगड़ ने 10 टीमों में से एक को इस मेडिकल स्टोर और आसपास के पुलिस स्टेशनों का पता लगाने के लिए कहा गया।

मेडिकल स्टोर की पहचान होने के बाद माथेरान पुलिस ने आसपास के पुलिस स्टेशनों में पता लगाया कि क्या पिछले दो दिनों में किसी लापता व्यक्ति की शिकायत दर्ज की गई थी। पता चला कि एक परिवार ने बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में एक युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बीच पुलिस ने घाटी से कुछ कपड़े बरामद किए। उन्होंने सीसीटीवी में देखा कि एक जोड़ा दस्तूरी नाका से पैदल चलकर हिल स्टेशन माथेरान की तरफ जा रहा है। चूंकि जोड़े ने मास्क पहन रखा था, इसलिए उनके चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे।

नर्स बनने के लिए ट्रेनिंग ले रही थी महिला

गोरेगांव परिवार ने महिला की पहचान 26 साल की पूनम पाल के रूप में की। जो नर्स बनने की ट्रेनिंग ले रही थी और दो दिन से घर नहीं आई थी। उसके परिवार ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी मई 2021 में 30 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर रामसिलोचन पाल से हुई थी। दोनों परिवार के कहने पर दूर-दूर रह रहे थे।

इसके बाद पुलिस ने बेलापुर स्थित एक कंपनी में काम करने वाले पनवेल के खंडा कॉलोनी के रहने वाले रामसिलोचन से पूछताछ की। उसने पुलिस के सभी सवालों का जवाब दिया। पुलिस उसे छोड़ने वाली थी तभी उन्होंने देखा कि उसक खत (साइड की दाढ़ी) उस व्यक्ति से मैच हो रहे थे जो सीसीटीवी फुटेज में महिला के साथ नजर आ रहा था। इसके बाद पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की। जिसके बाद रामसिलोचन ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

पुलिस ने बताया कि रामसिलोचन को शक था कि पूनम वफादार नहीं है क्योंकि वह अक्सर किसी से फोन पर बात करती रहती थी। वह उसके साथ माथेरान गया और ऐसा कॉटेज चुना जहां सीसीटीवी कैमरा नहीं था। पुलिस ने आगे कहा कि 11 दिसंबर, 2021 को रामसिलोचन ने पूनम की हत्या कर उसका सिर काट दिया और पास की घाटी में फेंक दिया। सबूत मिटाने के लिए उसने महिला के सामान को अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया गया था। हालांकि वह पकड़ा गया।

उद्घाटन के 40 दिन बाद ही क्षतिग्रस्त हो गया गुजरात का वरियाव ब्रिज, आप का तंज- पहली बारिश भी नहीं झेल सका 118 करोड़ रुपये से बना पुल

अहमदाबाद, 29 जून (एजेंसियां। गुजरात की तापी नदी पर हाल ही में बने वरियाव ब्रिज में दरारें आ गई हैं। 40 दिन पहले ही मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पुल का उद्घाटन किया था। अब इसे लेकर आम आजमी पार्टी ने राज्य सरकार को घेरना शुरू कर दिया है और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस पुल को 118 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया था। उनका कहना है कि पहली बारिश भी पुल सह नहीं सका और क्षतिग्रस्त हो गया। सूरत समेत कई हिस्सों में कई दिनों से काफी बारिश हो रही है। महीने की शुरुआत में बिपरजॉय चक्रवात की वजह से यहां काफी बारिश और तेज हवाओं का दौर चला। अब राज्य में मानसून की बारिश शुरू हो गई है।

भाजपा सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

गुजरात में आप के अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने राज्य की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ महीने में गुजरात में पांच से छह पुलों के क्षतिग्रस्त होने के ऐसे ही मामले सामने चुके हैं। आप ने जांच की भी मांग की है। पिछले साल हुए मोरबी पुल हादसे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे कृत्यों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि गुजरात को चारों तरफ से भ्रष्टाचार घेर रहा है और इसकी जांच के लिए सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय को कहा जाए। मोरबी पुल त्रासदी में 135 से अधिक लोग मारे गए लेकिन सीबीआई जांच का आदेश नहीं दिया गया।"

आप ने की रिटायर्ड जज से जांच कराने की मांग

वहीं, आप पार्षद धर्मेश भंडेरी ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज से इसकी जांच कराने की मांग की है। भंडेरी सूरत नगर निगम (SMC) में विपक्ष के नेता भी हैं। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों और एजेंसियों ने पुल का निर्माण किया है, उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाना चाहिए और रिटायर्ड जज के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल से इसकी जांच कराई जानी चाहिए।

द इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए भंडेरी ने कहा कि पुल को 118.42 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया था और मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण है और पहली बारिश में ही पुल में दरारें आ गई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहर में भाजपा नेताओं के करीबी ठेकेदारों और बिल्डरों को ऐसे ठेके दिए जाते हैं।

यह पुल सूरत के वरियाव और वेद गांवों को जोड़ता है। इसका उद्घाटन 17 मई को मुख्यमंत्री ने किया था। यह शहर का 120वां पुल है, जिसका इस्तेमाल इच्छापुर, हजीरा, छापराभाटा और वरियाव के आठ लाख से अधिक नागरिक करते हैं। डेढ़ किमी लंबा यह पुल चार लेन का है। बुधवार को कुछ राहगीरों ने पुल पर दरारें देखी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की गईं।

बाद में भंडेरी पूर्व पार्षद दिनेश काछड़िया व अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। कटारगाम क्षेत्र के अधिकारियों के साथ एसएमसी के ब्रिज सेल कर्मचारी भी घटनास्थल पर थे। एसएमसी के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वरियाव के संपर्क क्षेत्र में पानी जमा होने से ये दरारें हो सकती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार,30 जून- 2023

प्रेम विवाह की सजा

आजकल प्यार पर ऐसा पहरा है कि प्यार करना ही गुनाह हो गया है। प्यार कर अपनी पसंद के युवक से लव मैरिज करने वाली गुजरात के सूरत जिले की एक युवती की उसके भाई ने ही हत्या कर दी। खबरों के अनुसार भाई ने अपनी बहन की हत्या इसलिए कर दी कि उसकी बहन की शादी से समाज में उसकी हैसियत को बट्टा लग रहा था। इस हत्या ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अर्थव्यवस्था से लेकर तमाम मोर्चों पर विकास के चाहे तजो दावे किए जाते रहे हैं लेकिन सामाजिक स्तर पर कायम पूर्वाग्रहों और दुराग्रहों को दूर करने अभी भी हम बहुत पीछे खडे हैं। सूरत जिले के लिंबायत इलाके में एक युवती और उसके पड़ोस के युवक एक दूसरे को पसंद करते थे। लड़की के परिवार वालों को यह रिश्ता कतई मंजूर नहीं था। इसलिए लडकी ने उनकी इच्छा के विरुद्ध आपसी सहमति से अदालत में विवाह कर लिया। लड़के के परिवार के बीच इस संबंध को लेकर गजब का उत्साह था। लडके के घर वालों ने सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार विवाह समारोह का आयोजन किया था। लेकिन लड़की के रिश्ते के एक भाई ने समारोह के बीच जाकर दुल्हन बनी अपनी बहन पर ही चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हत्या के आरोपी और लड़की के परिवार वालों को दूल्हें का जाति से बाहर का होना मंजूर नहीं था। देखा जाए तो सामाजिक-आर्थिक हैसियत से बाहर किसी लड़की का अपनी पसंद के लड़के से प्रेम विवाह करना आज भी समाज व परिवार को मंजूर नहीं होता। परिवार और समाज की ओर से की जा रही आपत्ति ऐसा सवाल है, जो हर स्तर पर विकास और आधुनिकता के बीच बेहद अफसोसनाक शक्ल में उभर आता है। सरकार भी आए दिन सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की घोषणा करती है, समाज सुधार के प्रयासों को लेकर नित नए दावे किए जाते रहते हैं। इसके बावजूद हकीकत यही है कि जाति और वर्ग के बीच सदियों से कायम एक त्रासद खाईं को पाटने में आज भी हम नाकामयाब हैं। आखिर क्या वजह है कि किसी व्यक्ति के भीतर स्त्रियों और अन्य परंपराओं को लेकर रूढ़ धारणाएं इस कदर गहरे बैठी होती हैं कि इसमें वह बदलाव स्वीकार ही नहीं कर पाता है ! शिक्षा-दीक्षा से लेकर रहन-सहन तक के मामले में ज्यादातर लोग उच्च गुणवत्ता की पढ़ाई-लिखाई और वक्त के साथ बदलते चलन के मुताबिक आधुनिक वेश-भूषा और जीवनशैली अपनाने की अपनी ओर से कोशिश करते हैं। लेकिन स्त्रियों, जाति और धर्म को लेकर कायम पितृसत्तात्मक जड़ता से बाहन नहीं निकल पाते। इस मुद्दे पर ही कुछ लोग इतने उतावले हो जाते हैं कि हिंसा और हत्या तक करने से नहीं हिचकते। किसी भी समाज के सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी यही है कि वह किसी वयस्क युवा की पसंद या उनके अधिकारों का सम्मान करे। लेकिन ऐसा लगता है कि संवैधानिक या कानूनी तौर पर की गई व्यवस्थाओं के बावजूद समाज का एक बड़ा तबका आज भी मनोवैज्ञानिक रूप से न केवल विकृत रूढ़ियों से जकड़ा हुआ है, बल्कि इनके प्रभाव में वह आपराधिक हरकत भी करने से नहीं चूकता। आज तक यह समझ में नहीं आया कि महज अपनी पसंद से विवाह करने पर किसी युवती की हत्या करके लोग अपना सम्मान किस तरह से बचाते हैं। ऐसा करने से होता यही है कि झूठे सम्मान के नाम पर आवेश में आकर हत्या करने वाले लोग अपना बाकी जीवन ऐसे अपराध की सजा काटते हुए कालकोठरी में बिताते हैं। सामाजिक विभाजन और मान्यताओं के सिरे से उपजी कुंठाएं कई बार विकृत होकर व्यक्ति को अमानवीय बना डालती हैं। इस तरह के दकियानूसी सोच के लोग न कभी समाज को आधुनिक होने देते हैं, न ही अपना हित सुनिश्चित कर पाते हैं। उल्टे दोनों ही जाहिलेपन के दलदल में फंस कर रह जाते हैं। इस तरह की सोच से उबरने के लिए सरकार सामाजिक विकास के लिए पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों को दूर करने को लेकर नीतिगत पहल करे तो कुछ बात बने। अन्यथा झूठे सम्मान के नाम पर हत्याओं से समाज के आधुनिक और मानवीय मूल्यों पर सवाल तो लगातार उठते ही रहेंगे।

विकास की मजबूत धुरी महिला सशक्तीकरण

संजीव ठाकुर

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है, और सुबह चमकदार और उजाले से भरपूर होती है। भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है। इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है।

महाराष्ट्र की राजनीति में हर दल अपना मौका ढूंढ रहा है

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र पर पूरे देश की नजर है क्योंकि यह देश का दूसरा ऐसा राज्य है जो नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री की कुर्सी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है। यहां लोकसभा की 48 सीटें हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह घोषणा कर चुके हैं कि 2024 के चुनाव में महाराष्ट्र की ये 48 सीटें जीतकर मोदी को उपहार में दी जाएँगी । इधर दूसरे दलों ने भी महाराष्ट्र में पांव फैलाना शुरू कर दिए है ।तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव महाराष्ट्र के अपने दौरे में शक्तिप्रदर्शन करते नज़र आए। करीब 600 वाहनों के साथ सोलापुर पहुंचे केसीआर ने पंढरपुर शहर में भगवान विट्ठल की मंदिर में पूजा की और बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को भी सम्बोधित किया। पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से केसीआर की नज़र महाराष्ट्र की तरफ है, उससे महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियां केसीआर की पार्टी को भाजपा की बी टीम का नाम दे रही हैं। कुछ लोगों का मानना है कि शरद पवार की पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अपनी पार्टी बीआरएस के उम्मीदवारों को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उतारेंगे। इससे विपक्ष के वोट बंटेंगे और इसका फायदा सीधे तौर पर भाजपा को मिल सकता है।करीब 600 वाहनों के साथ सोमवार को सोलापुर पहुंचे तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार के दिन पंढरपुर शहर में भगवान विट्ठल की मंदिर में पूजा की और शक्ति प्रदर्शन करते हुए एक सभा को सम्बोधित किया। इस सभा में एनसीपी के पूर्व विधायक भरत भालके के बेटे भागीरथ भालके उनकी पार्टी में शामिल हुए। इससे पहले भी बीआरएस ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर, औरंगाबाद, नांदेड़ और लातूर से कई नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया था। केसीआर इन इलाकों के किसानों को अपने पास लाने की कोशिश कर रहे हैं और राज्य के कई जगहों पर 'अबकी बार किसान सरकार' के नारों के बैनर भी लगाए गए हैं। मोदी के लिए भाजपा को महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश पर भी पूरा भरोसा है जो लोकसभा की संख्या बल के हिसाब से देश का सबसे बड़ा राज्य है जहां लोकसभा की 80 सीटें हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसे इन सीटों पर विजय पहले से ही तय माना जा रहा है लेकिन महाराष्ट्र जीतना भाजपा के लिए आसान नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा को तीन मोर्चे पर राजनीतिक युद्ध जीतना है। भाजपा यहां लोकसभा के अलावा विधानसभा और मुंबई महापालिका के चुनावों के लिए एक साथ तैयारी कर रही है। इसमें से किसी एक मोर्चे पर कमजोर पड़ने से बाकी मोर्चों पर भी उसका सीधा असर दिखेगा। इधर विपक्ष भी भाजपा से दो-दो हाथ करने के लिए हर पैंतरे को मजबूत करने में जुटा हुआ है। इसलिए अभी से महाराष्ट्र के हर दल के अंदर की राजनीति जिस तरह से बाहर आती दिख रही है उससे लगता है कि कोई भी दल बहुत मजबूत नहीं है। इस समय राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में भाजपा शामिल है। शिंदे के सहारे भाजपा ने शिवसेना में फूट डाली और शिंदे के साथ शिवसेना के 40 और 10 अन्य निर्दलीय विधायक आए। शिंदे अपने गुट की शिवसेना के मुखिया हैं। शिंदे के इस प्रयास से भाजपा को लग रहा है कि अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना कमजोर पड़ गई है। ऐसा माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा कांग्रेस और एनसीपी में भी तोड़फोड़ की राजनीति का इस्तेमाल करके इन दोनों दलों को भी कमजोर करेगी ताकि अगले किसी भी चुनाव में भाजपा के विजय रथ को कोई रोक न सके। फिलहाल इस बारे में सटीक भविष्यवाणी तो की नहीं जा सकती क्योंकि, दूसरे दलों की तरह भाजपा की भी अंदरूनी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। भाजपा और शिंदे गुट की शिवसेना का गठबंधन है। यह सच है कि भाजपा के 105 विधायक हैं और शिंदे के पास 50 विधायकों का समर्थन है। बावजूद इसके शिंदे मुख्यमंत्री हैं और भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। इस असंतुलन को फडणवीस सहित राज्य के अन्य भाजपा नेता स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और समर्थक बार-बार चिल्ला रहे हैं कि फडणवीस ही मुख्यमंत्री होना चाहिए। यह दर्द फडणवीस भी बयां करते रहते हैं लेकिन भाजपा के केंद्रीय नेताओं की इच्छा पर शिंदे मुख्यमंत्री बने हुए हैं। अगर शिंदे को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जाता है तो अगले चुनाव में भाजपा को यह बदलाव भारी पड़ सकता है मगर राज्य के भाजपाई नेता अपनी भी चाल चल रहे हैं। अंदरूनी गुटबाजी का भी असर बाहर आ रहा है। हरेक दल ने अपनी चुनावी स्थिति को भांपने के लिए अंदरूनी सर्वे भी करा लिए हैं । किसी भी दल को अपनी मजबूत स्थिति नहीं दिख रही है। इससे हरेक दल के मुखिया की परेशानी बढ़ी हुई है। इसे दूर करने के लिए संगठन में उलटफेर किए जा रहे हैं तो जातीय समीकरण को भी मजबूत किया जा रहा है। बिहार और उत्तर प्रदेश की तरह ही महाराष्ट्र में भी जातीय समीकरण मायने रखता है। यहां मराठा, ब्राह्मण, ओबीसी और दलित के जातीय समीकरण पर राजनीति तय होती है। मोदी ने युवा ब्राह्मण नेता फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाकर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी थी लेकिन आज के दौर में समीकरण बदल गए हैं और फिर से पुराने दौर के मराठा समीकरण को अपनाया जा रहा है। उसी के तहत भाजपा ने मराठा नेता शिंदे को मुख्यमंत्री बनाकर राजनीतिक समीकरण बदलने की कोशिश की है। केंद्र के इशारे पर ही उन मराठा नेताओं को राज्य की राजनीति में फिर से सक्रिय किया गया है जिनको फडणवीस के कार्यकाल में दरकिनार कर दिया गया था। ये मराठा नेता अब अपना दायरा बढ़ा रहे हैं जिससे फडणवीस की बेचैनी बढ़ रही है। भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) गठबंधन में गुटबाजी भी दिख रही है। सर्वे और विज्ञापन के जरिए शिंदे और फडणवीस खुद को एक दूसरे से ज्यादा लोकप्रिय बता रहे हैं। इन दोनों बड़े नेताओं के बीच अपने अस्तित्व की लड़ाई इसी तरह रही तो इसका खामियाजा चुनावों में भुगतना पड़ सकता है। वैसे, शिंदे पर वोट बैंक बढ़ाने का भी दबाव बढ़ रहा है। जातीय समीकरण की राजनीति सिर्फ भाजपा में ही नहीं है। कांग्रेस में भी बदलाव की हवा चल पड़ी है। अपने चुनावी आंकलन के हिसाब से कांग्रेस ने मुंबई अध्यक्ष पद पर एक दलित महिला नेता वर्षा गायकवाड को जिम्मेदारी सौंप दी है। माना जाता है कि यह रणनीति लोकसभा, विधानसभा और मुंबई महापालिका के चुनावों को ध्यान में रखकर अपनाई गई। बदलाव की चर्चा तो प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को लेकर भी है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को शिंदे गुट झटका दे रहा है लेकिन उद्धव अपने कट्टर शिवसैनिकों के सहारे हर झटके को सहते हुए शिंदे गुट के साथ भाजपा पर भारी पड़ने की कोशिश कर रहे हैं। एनसीपी में भी काफी तूफान मचा हुआ है। पार्टी की वर्षगांठ वाले कार्यक्रम में विरोधी पक्ष नेता अजित पवार ने संगठन के लिए काम करने की इच्छा जाहिर की। उनकी नजर प्रदेश अध्यक्ष पद पर है जिस पर अभी जयंत पाटील हैं। यह पद अजित के अलावा ओबीसी नेता छजन भुजबल भी चाहते हैं। वैसे, अजित के भाजपा में जाने की आशंका बनी हुई है। इसलिए अजित को प्रदेश अध्यक्ष पद सौंपने में पार्टी को बड़ा खतरा भी दिख रहा है। ऐसे में अजित को लेकर एनसीपी प्रमुख शरद पवार का फैसला मायने रखेगा कि वह उन्हें किस तरह के संगठन का काम सौंपते हैं जिससे भविष्य में पार्टी को नुकसान न हो। इस समय शरद पवार देशभर के विपक्ष को भी एकजुट करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं ताकि 2024 के चुनाव में भाजपा को हराया जा सके और अगर यह संभव हो गया तो शरद पवार का प्रधानमंत्री बनने का भी सपना साकार हो सकता हैं।

मोहब्बत की दुकान से तुष्टीकरण का आगाज ?

मनोज कुमार अग्रवाल

कर्नाटक में कथित मोहब्बत की दुकान खोलने वाली कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता पर काबिज हुई तो इनके असली रंग सामने आ गए हैं ।जिस धर्मांतरण और लवजेहाद से कर्नाटक कराह रहा था उस पर नियंत्रण के लिए पिछली भाजपा नीत सरकार द्वारा बनाए गए धर्मांतरण रोधी कानून को पहली कैबिनेट बैठक में ही रद्द कर जो तुष्टीकरण का संदेश दिया है उस से मुहब्बत के पीछे छिपा नफरत बढ़ाने वाला अजेंडा जाहिर हो गया है। बता दें कि कर्नाटक के शिक्षा मंत्री ने दावा किया है कि कर्नाटक मंत्रीमंडल ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए राज्य में कक्षा छह से दस तक की कन्नड़ और सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम में संशोधन को मंजूरी दे दी और इसके तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और हिंदुत्व विचारक वीर दामोदर सावरकर सहित अन्य लोगों पर केंद्रित अध्यायों को हटा दिया गया है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने सभी विद्यालयों और कॉलेजों में प्रतिदिन संविधान की प्रस्तावना के पाठ को अनिवार्य बनाने का फैसला किया। कैबिनेट की बैठक में यह भी फैसला किया गया कि समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले, इंदिरा गांधी को लिखे गए नेहरू के पत्रों और डॉ। बीआर आंबेडकर पर कविता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पिछली सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनों को हटाया जाएगा। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि वह स्कूली पाठ्यपुस्तकों में भाजपा सरकार द्वारा किए गए बदलावों को हटा देगी। कांग्रेस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को भी खत्म करने का वादा किया था। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लाए गए धर्मांतरण रोधी कानून को निरस्त करने का भी फैसला किया। भाजपा और राष्ट्रवादी संगठनों ने सरकार के इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और एम। मल्लिकार्जुन खड़गे नीत कांग्रेस को नवी मुस्लिम लीग' करार दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री बीआर पाटिल ने ट्विटर पर सवाल किया, राहुल गांधी, क्या यह ₹मोहब्बत की दुकान है?' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का हिंदू विरोधी एजेंडा' सामने आ गया है। कर्नाटक की सरकार ने डा। हेडगेवार और वीर सावरकर तथा धर्मांतरण संबंधी कानून को निरस्त करने का जो निर्णय लिया है वह केवल और केवल मुस्लिम मतदाता को खुश करने के लिए लिया है। तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए कांग्रेस ने पहले भी अल्पमत और बहुमत समाज में एक अविश्वास की भावना को बढ़ा ही दिया है। आप को बता दें कि कर्नाटक कैबिनेट ने धर्मांतरण रोधी कानून को रद्द करने का फैसला किया है। इस कानून को राज्य की पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार ने लागू किया था। इस कानून को रद्द करने के लिए सरकार विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्ताव लेकर आएगी। कर्नाटक विधानसभा सत्र तीन जुलाई से शुरू हो रहा है। कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि कैबिनेट में धर्मांतरण विरोधी कानून पर चर्चा हुई। हमने 2022 में बीजेपी सरकार द्वारा लाए गए इस बिल को रद्द करने का फैसला किया है।

कर्नाटक धर्मांतरण विरोधी कानून 2022 को कांग्रेस के विरोध के बावजूद बीजेपी सरकार ने लागू किया था। इस कानून के तहत एक धर्म से दूसरे धर्म में जबरन, किसी के प्रभाव में या बहकाकर धर्म परिवर्तन कराना गैरकानूनी बताया गया है। इसके तहत तीन से पांच साल की कैद और 25000 रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

इस कानून के तहत धर्म परिवर्तन कराने वाले शख्स पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है। सामूहिक तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए तीन से दस साल तक की कैद और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। यह भी कहा गया कि कोई भी शादी जो धर्म परिवर्तन के इरादे से ही की गई है, उसे फैमिली कोर्ट द्वारा अवैध मान जाएगा। इसे गैरजमानती अपराध बताया गया है

कर्नाटक कैबिनेट की बैठक में सर्वसम्मति से कक्षा छह से दस तक की कक्षाओं में कन्नड़ और सामाजिक विज्ञान की टेक्स्टबुकों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। मौजूदा एकेडमिक सत्र में आरएसएस संस्थापक हेडगेवार और हिंदूवादी नेता सावरकर के अध्यायों को हटाया जाएगा।

इसके साथ ही समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले, इंदिरा गांधी को लिखे नेहरू के पत्रों और बीआर आंबेडकर पर लिखी गई कविताओं से जुड़े अध्यायों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

जाहिर है कि सिद्धारमैया सरकार एक बार फिर कर्नाटक में कथित मौहबबत के नाम पर राष्ट्रीय हितों की व लवजेहाद को सुनियोजित तरीके से चला रहे समाज कंटको की कारस्तानी की अनदेखी कर एक विशेष समुदाय के तुष्टिकरण की कोशिश कर रही है। यह तरीका निश्चित तौर पर आगामी समय में भारी साबित होगा यदि कांग्रेस इसी तरह मोहब्बत की दुकान से नफरत व तुष्टिकरण का सामान बनाने की कोशिश करेगी तो देश भर में उसे फिर मुंह की खानी पडेगी।

जिस देश में 80 प्रतिशत से अधिक हिन्दू धर्म को मानने वाले हो तो उस देश में तुष्टिकरण की नीति अपनाकर राजनीति करना और चुनावों में विजय प्राप्त करना अपने आप में एक बड़ी बात है। विभाजित हिन्दू समाज का लाभ केवल राजनीतिक दल ही नहीं बल्कि हिन्दू विरोधी भी उठाते हैं। इसी कारण आये दिन हिन्दू समाज व धर्म को लेकर नित्य नया विवाद सामने आता है।

समय की मांग हिन्दुओं में एकता व राजनीतिक जागरुकता की आवश्यकता है। अगर हिन्दू नहीं जागता तो आने वाला समय हिन्दू समाज के लिए कठिन हो सकता है। आज कांग्रेस समेत कई अन्य दल सत्ता की खातिर देश और बहुसंख्यक समाज के अस्तित्व को भी गिरवी रखने के लिए आगे आ सकते हैं इन से सावधान रहने की जरूरत है।

यह तरीका निश्चित तौर पर आगामी समय में भारी साबित होगा यदि कांग्रेस इसी तरह मोहब्बत की दुकान से नफरत व तुष्टिकरण का सामान बनाने की कोशिश करेगी तो देश भर में उसे फिर मुंह की खानी पडेगी।

सरकार से क्या सवाल पूछा जाए ?

रजनीश कपूर

एक स्वस्थ लोकतंत्र में मीडिया की अहम भूमिका होती है। समय-समय पर पत्रकार सत्तारूढ़ दल और सरकार से राष्ट्रहित के सवाल पूछते रहते हैं। वहीं सरकार भी समय-समय पर अपनी उपलब्धियों के विषय में प्रेस वार्ता भी करती रहती है। जब कभी ऐसी प्रेस वार्ता होती है तो सहज व असहज दोनों तरह के सवाल पूछे जाते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से, देश और विदेश में, सवाल पूछने वाले पत्रकारों के साथ जो कुछ भी हुआ उससे तो यही प्रश्न उठता है कि क्या सरकार से सवाल पूछे जाएँ या न पूछे जाएँ? और पूछे जाएँ तो क्या पूछे जाएँ? ताज़ा मामला देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से अमरीका के एक पत्रकार द्वारा पूछा गए सवाल का है जिसके लिये वो मोदी समर्थकों की निंदा का पात्र बनी। अमरीका के प्रसिद्ध अख़बार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की पत्रकार सबरीना सिद्दीकी ने प्रधान मंत्री मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान उनसे भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर सवाल पूछा था। इस सवाल को लेकर मोदी समर्थकों ने उनका ऑनलाइन उत्पीड़न शुरू कर दिया। इस मामले ने इतना तूल पकड़ा की व्हाइट हाउस को भी उस महिला पत्रकार के समर्थन में बयान जारी करना पड़ा और ट्रोल आर्मी की भर्त्सना करनी पड़ी। यहाँ सवाल उठता है कि क्या किसी पत्रकार को किसी भी देश के प्रधान मंत्री या अन्य राजनेता से सवाल पूछने का हक़ है या नहीं? क्या किसी पत्रकार को अपना काम करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए सरकार से अनुमति लेनी होगी? क्या किसी पत्रकार को सवाल पूछे जाने के बाद नेता या दल के समर्थकों द्वारा ट्रोल होने के डर से, उस नेता से सवाल पूछने से पहले कई बार सोचना होगा? सबरीना सिद्दीक़ी के अल्पसंख्यक वाले सवाल पर मोदी समर्थकों द्वारा उसके पाकिस्तानी माता-पिता को लेकर सोशल मीडिया में बवाल मचा हुआ है। जबकि यह अलग बात है कि सबरीना का जन्म 1986 में अमरीका में ही हुआ। वह 24 साल की उम्र से ही ब्लूमबर्ग न्यूज, गार्जियन, सीएनएन व अन्य कई जाने-माने मीडिया समूह के साथ काम कर चुकी हैं। वाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोशल मीडिया में सबरीना के उत्पीड़न को लेकर कहा कि, "हम (सबरीना सिद्दीकी) के उत्पीड़न की रिपोर्ट्स से अवगत हैं। ये स्वीकार्य नहीं है।" उन्होंने आगे कहा कि, "वाइट हाउस कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में पत्रकारों के साथ होने वाले उत्पीड़न की निंदा करता है।पत्रकारों का उत्पीड़न करना लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है।" जहां एक ओर अमरीका की सरकार है जो पत्रकारों के समर्थन में उतरती है वहीं एक ओर सत्ता के नशे में चूर भारत के कुछ नेता हैं जो एक स्थानीय पत्रकार को सवाल पूछने पर नौकरी से निकलवा देते हैं। क्या यह स्वस्थ लोकतंत्र के लक्षण हैं? आपको याद होगा कि कुछ हफ़्तों पहले अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के समय केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से जब एक स्थानीय पत्रकार ने एक साधारण सा सवाल किया तो मंत्री जी को इतना बुरा लगा कि उस पत्रकार को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। यहाँ पर सवाल उठता है कि यदि स्मृति ईरानी को पूछे जाने वाला सवाल असहज था तो वो उस सवाल को टाल सकती थीं। या फिर 'सॉरी नो कमेंट्स' कह सकती थीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया बल्कि खुलेआम उस पत्रकार को धमका दिया और उस मीडिया समूह के मलिक से बात करने तक की बात कह डाली। देश भर के मीडिया सर्किल में इसकी काफ़ी निंदा कि गई। आज के युग में मीडिया हमारे दैनिक जीवन का एक मुख्य हिस्सा है। जहाँ एक ओर मीडिया के लिए लोकतंत्र एक प्राथमिक आवश्यकता है, वहीं यह भी सच है कि मीडिया के बिना लोकतंत्र ठीक उसी तरह है जैसे बिना पहिये की गाड़ी। इसलिए दोनों का एक दूसरे से एक अटूट संबंध है। परंतु पिछले कुछ सालों से भारतीय मीडिया की प्रताड़ना को लेकर दुनिया भर में सवाल उठने लगे हैं। लोकतंत्र में जनता में जागरूकता लाने की ज़िम्मेदारी मीडिया पर ही है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूती देने का काम भी मीडिया ही करती है। ऐसा करने से ही विकास की प्रक्रिया को रफ़्तार प्रदान करता है। लोकतंत्र में मीडिया की तीन प्रमुख ज़िम्मेदारियों हैं। पहला, सत्ताधारी दलों पर लगाम रखना, जवाबदेही को बढ़ावा देना, शासन में पारदर्शिता की माँग करना और सार्वजनिक जाँच में सहयोग की अपेक्षा रखना। दूसरा, राजनैतिक बहस के लिए नागरिक मंच उपलब्ध कराना, सूचित चुनावी विकल्प और कार्यों को सुविधाजनक बनाना। तीसरा, नीति निर्माताओं के लिए विषय उपलब्ध कराने हेतु सामाजिक समस्याओं के लिए सरकार की जवाबदेही को बढ़ाना। परंतु पिछले कुछ सालों से मीडिया को जिस तरह पंगु बनाने की कोशिश की जा रही है क्या वो सही है? क्या लोकतंत्र में मीडिया को अपना काम निडर होकर नहीं करना चाहिए? क्या सत्तारूढ़ दल या सरकार से सवाल करना गुनाह है? क्या अमरीकी पत्रकार सबरीना द्वारा प्रधान मंत्री से सवाल करना ग़लत था?

चारपाई की महिमा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भातीय घरों में चारपाई को ड्राइंगरूम, सोने का कमरा, गुसलख़ाना, क़िला, ख़ानक़ाह, ख़ेमा, दवाख़ाना, संदूक़, किताब-घर, शिफ़ाख़ाना, सबकी हैसियत कभी-कभी बेवक्त वर्ना वक़्त पर पता चलती है। कोई मेहमान आया। चारपाई निकाली गई। उसपर एक नई दरी बिछा दी गई जिसके तह के निशान ऐसे मालूम होंगे जैसे किसी छोटी सी आराज़ी को मेंडों और नालियों से बहुत से मालिकों में बांट दिया गया है और मेहमान साहब अचकन, टोपी, बैग बुग़ची के बैठ गए और थोड़ी देर के लिए ये मालूम करना दुशवार हो गया कि मेहमान बेवक़ूफ़ है या मेज़बान बदनसीब! चारपाई पर ही उनका मुंह हाथ धुलवाया और खाना खिलाया जाएगा और उसी चारपाई पर ये सो रहेंगे। सो जाने के बाद उनपर से मच्छर मक्खी इस तरह उड़ाई जाएगी जैसे कोई फेरी वाला अपने ख़्वांचा पर से झाडूनुमा मोरछल से मक्खियाँ उड़ा रहा हो। चारपाई पर सूखने के लिए अनाज फैलाया जाएगा। जिसपर तमाम दिन चिड़ियाँ हमले करती, दाने चुगती और गालियां सुनती रहेंगी। कोई तक़रीब हुई तो बड़े पैमाने पर चारपाई पर आलू छीले जाएंगे। मुलाज़िमत में पेंशन के क़रीब होते हैं तो जो कुछ रुख़्सत-ए-जमा हुई रहती है उसको लेकर मुलाज़िमत से सुबूकदोश हो जाते हैं। इस तरह चारपाई पेंशन के क़रीब पहुंची है तो उसको किसी काल कोठरी में दाख़िल कर देते हैं और उसपर साल भर का प्याज़ का ज़ख़ीरा जमा कर दिया जाता था। एक दफ़ा देहात के एक मेज़बान ने प्याज़ हटाकर उस ख़ाकसार को ऐसी ही एक पेंशन याफ़्ता चारपाई पर उसी काल कोठरी में बिछा दिया था और प्याज़ को चारपाई के नीचे इकट्ठा कर दिया गया था। उस रात को मुझपर आसमान के उतने ही तबक़ रौशन हो गए थे जितनी सारी प्याज़ों में छिलके थे और यक़ीनन चौदह से ज़्यादा थे। फ़िराक़ और विसाल, बीमारी-व-तंदुरुस्ती, तस्नीफ़-व-तालीफ़, सिर्क़ और शायरी सबसे चारपाई ही पर निपटते हैं। बच्चे बूढ़े और मरीज़ उसको बतौर पाख़ाना-ए-गुसुलख़ाना काम में लाते हैं। कभी अदवान कुशादा करदी गई। कभी बुना हुआ हिस्सा काट दिया गया और काम बन गया। पुख़्ता फ़र्श पर घसीटिए तो मा'लूम हो कोई मिल्ट्री टैंक मुहिम पर जा रहा है या बिजली का तड़ाक़ा हो रहा है, खटमलों से निजात पाने के लिए जो तरकीबें की जाती हैं और जिस-जिस आसन में चारपाई नज़र आती है या जो सुलूक उसके साथ रवा रखा जाता है उनपर ग़ौर कर लीजिए तो ऐसा मा'लूम होता है जैसे हिंदोस्तानी बीवी का परिचय हिंदोस्तानियों ने चारपाई ही से लिया है!

बद्रीनाथ धाम से कुछ दूरी पर लीलाढुंगी मंदिर जहां भगवान विष्णु ने रची थी लीला

उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम के अलावा बेहद अलग अलग स्थान हैं, जिनसे जुड़े बेहद खास और रोचक किस्से, कहानियां, किवदंतियां हैं। जिनको जानने से धाम के बारे में और अधिक जानकारियां मिल जाती हैं। उन्हीं में से एक है बामणी गांव में स्थित लीलाढुंगी मंदिर। गढ़वाली बोली में ढुंगा पत्थर को कहते हैं यानी वह पत्थर जहां भगवान ने लीला की, वहीं कहलाया लीलाढुंगी। चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम से महज 300 मीटर की दूरी पर एक मंदिर स्थित है, जिसे लीलाढुंगी कहते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, संपूर्ण केदारखण्ड पर भगवान शिव का आधिपत्य था। एक बार जब भगवान नारायण (विष्णु) बद्री धाम में आएं, तो उन्हें बद्रीनाथ धाम बहुत भाया और उनका मन हुआ कि वह यहीं रह जाएं, लेकिन बद्री क्षेत्र में तो कोई स्थान ही खाली नहीं था, इसलिए उन्होंने एक योजना बनाई। वह बामणी गांव में एक शिला में जाकर (लीलाढुंगी) बाल रूप धारण कर भगवान शिव और माता पार्वती के द्वार के सामने रोने लगे। उस समय माता पार्वती और भगवान शिव बद्रीनाथ मंदिर में स्थित तप्त कुंड में स्नान के लिए जाने की तैयारी कर रहे थे। पार्वती ने उस रोते हुए नन्हें से बालक को देख उसे अपनी ममता की छांव दी। हालांकि भगवान शिव ने उन्हें मना भी किया लेकिन माता नहीं मानी और बालक को अंदर ले जाकर वहां पर सुलाकर शिवजी के साथ स्नान के लिए चली गईं। उनके जाने के बाद नारायण ने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और जब स्नान कर माता और भगवान शिव लौटे, तो अंदर से दरवाजा नहीं खुला तो वे अन्यत्र (केदारनाथ धाम) चले गए लेकिन अपने अंश रूप में वे यहां पर बने रहे। इस क्षेत्र के बारे में केदारखण्ड में भी वर्णित है, हालांकि यह एक मात्र दंतकथा हैं, जो सदियों से चली आ रही है।

क्या है लीलाढुंगी

पूर्व धर्माधिकारी भुवन उनियाल बताते हैं कि भगवान नारायण ने ऋषिगंगा के पास बामणी गांव में एक सुंदर सा पत्थर है जिसे लीलाढुंगी कहते हैं, वहां पर उन्होंने बच्चे का रूप धारण कर उस स्थान पर लीला की थी। जिसके बाद से उस स्थान का नाम लीलाढुंगी कहा जाने लगा। आज भी जब श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम में आते हैं, तो बामणी गांव में स्थित लीलाढुंगी के दर्शन करने भी जरूर जाते हैं।

कैसे पहुंचे?

बाय रोडः बद्रीनाथ धाम तक सड़क सुविधा उपलब्ध है और धाम से महज कुछ दूरी पैदल चलकर लीलाढुंगी तक पहुंचा जा सकता है।
बाय एयरः निकटतम गौचर हेलीपैड है। इसके आगे का रास्ता आपको सड़क मार्ग से ही तय करना पड़ेगा।
बाय ट्रेनः निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश/देहरादून हैं। यहां से आप सड़क मार्ग से होते हुए लीलाढुंगी तक पहुंच सकते हैं।

जुलाई में 4 बड़े ग्रहों का गोचर, मंगल, शुक्र बुध और सूर्य करेंगे राशि परिवर्तन

अंग्रेजी कैलेंडर के सातवें माह जुलाई का प्रारंभ होने वाला है। जुलाई 2023 में 4 बड़े ग्रहों शुक्र, सूर्य, मंगल और बुध का राशि परिवर्तन होने वाला है। ग्रहों के राजा सूर्य मिथुन राशि से कर्क में जाएंगे। बुध ग्रह का जुलाई में दो बार राशि परिवर्तन होगा। बुध पहले कर्क में विराजमान होगा और उसके बाद सिंह राशि में गोचर करेगा। इनके अलावा शुक्र और मंगल ग्रह का गोचर सिंह राशि में होगा। जुलाई में 4 बड़े ग्रहों के राशि परिवर्तन के कारण कुछ राशियों के जातकों की किस्मत खुलेगी। उनको करियर, सेहत, धन आदि के क्षेत्र में सकारात्मक फल प्राप्त होंगे। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ। कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं जुलाई में ग्रह गोचर का राशियों पर प्रभाव।

जुलाई 2023 के ग्रह गोचर और राशियों पर प्रभाव

1. मंगल गोचर जुलाई 2023

ग्रहों के सेनापति मंगल 1 जुलाई शनिवार को राशि परिवर्तन करेंगे। मंगल का सिंह राशि में गोचर 1 जुलाई को 02:37 एएम पर होगा। मंगल ग्रह सिंह राशि में 1 जुलाई से 18 अगस्त तक रहेंगे। 18 अगस्त को शाम 04 बजकर 12 मिनट पर मंगल सिंह से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। इस समय मंगल कर्क राशि में विराजमान हैं। मंगल के सिंह राशि में गोचर करने से 7 राशियों मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु और कुंभ के जातकों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। ये अपने बढ़े पराक्रम और साहस के बल पर अपनी किस्मत को बदल सकते हैं।

2. शुक्र गोचर जुलाई 2023

भौतिक सुख और सुविधाओं के कारक ग्रह शुक्र का राशि परिवर्तन 7 जुलाई को होने वाला है। सिंह राशि में शुक्र का गोचर 7 जुलाई को प्रातः 04 बजकर 28 मिनट पर होगा। शुक्र सिंह राशि में 7 जुलाई से 07 अगस्त को सुबह 10 बजकर 37 मिनट तक रहेगा। शुक्र अभी कर्क राशि में विराजमान है।

जुलाई में शुक्र के गोचर से 7 राशियों वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, मकर और कुंभ के जातकों को लाभ हो सकता है। इनके जीवन में सुख और सुविधाओं की वृद्धि हो सकती है। यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी हो सकती है। लव लाइफ में रोमांस बढ़ सकता है।

3. बुध गोचर जुलाई 2023

ग्रहों के राजकुमार कहे जाने वाले बुध ग्रह का राशि परिवर्तन जुलाई में दो बार होगा। पहला राशि परिवर्तन 8 जुलाई को और दूसरा राशि परिवर्तन 25 जुलाई को होगा। कर्क राशि में बुध का गोचर 8 जुलाई को 12:19 एएम पर होगा। उसके बाद 25 जुलाई को कर्क राशि से निकलकर बुध का प्रवेश सिंह राशि में होगा। 25 जुलाई को सुबह 04 बजकर 38 मिनट पर बुध सिंह राशि में गोचर करेगा। बुध के कर्क में गोचर करने से 4 राशियों वृष, कन्या, तुला और मीन के जातको को लाभ होगा। जब बुध का सिंह में गोचर होगा तो 3 राशियों मिथुन, तुला और धनु के जातकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

4. सूर्य गोचर जुलाई 2023

ग्रहों के राजा सूर्य 17 जुलाई को अपना राशि परिवर्तन करेंगे। वे अभी कर्क राशि में हैं। 17 जुलाई को सुबह 05 बजकर 19 मिनट पर सूर्य का गोचर सिंह राशि में होगा। ये 1 माह तक सिंह राशि में रहेंगे। फिर 17 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 44 मिनट पर सूर्य देव कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने से 3 राशियों मेष, वृष और तुला के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बाथरूम में रखी ये चीजें घर से रुपया पैसा और धन समृद्धि को दूर करती हैं

खराब पानी का नल

यदि आपके बाथरूम में ऐसा नल है जिससे पानी टपकता रहता है तो आपको उसे तुरंत हटा देना चाहिए। ऐसा नल घर में धन हानि का कारण बनता है और आपका पैसा व्यर्थ के कार्यों में जाता है।

ऐसी न हो बाल्टी

बाथरूम में साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखें और बाल्टी व मग भूल से भी गंदा नहीं रहना चाहिए। बाथरूम में बेहतर होगा कि हल्के नीले रंग की बाल्टी का प्रयोग करें। बाथरूम में खाली बाल्टी कभी भी नहीं रखनी चाहिए। ऐसी बाल्टी घर में दुर्भाग्य का कारण बन सकती है। वास्तु के अनुसार बाथरूम में हमेशा बाल्टी में पानी भरकर रखने की सलाह दी जाती है।

फोटो न लगाएं

आपके स्नान करने के स्थान यानी कि बाथरूम में भूलकर भी कोई तस्वीर या फिर फोटो लगानी चाहिए। ऐसा होने पर नेगेटिव एनर्जी उत्पन्न होता है और दोष बढ़ता है।

गैजेट का इस्तेमाल

अक्सर देखने में आता है कि कुछ लोग नहाने के टब में या फिर टॉयलट सीट पर बैठकर फोन चलाते हैं। ऐसा यदि आप भी करते हैं तो तत्काल बंद करें। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और मशीनों का संबंध शनि और राहु से होता है। बाथरूम में इनका प्रयोग करने से शनि और राहु का दोष लगता है।

चप्पल न हों ऐसी

कुछ लोग अपने घर में बाथरूम के लिए चप्पले अलग रखते हैं। ऐसा करने में कोई बुराई भी नहीं है। लेकिन ध्यान रखें कि यह चप्पल बाथरूम के अंदर न रखें और न ही ये टूटी हुई होनी चाहिए। ऐसी चप्पलें घर में नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती हैं।

टॉयलट सीट

आपके बाथरूम में टॉयलट सदैव साफ-सुथरी रहनी चाहिए। गंदी टॉयलट सीट जहां सेहत को नुकसान पहुंचाती है वहीं दोषपूर्ण भी मानी जाती है। ऐसा बाथरूम घर में दुखों का कारण बनता है।

टूटे हुए बाल

कुछ लोगों की आदत होती है कि नहाते वक्त बाल धोते हैं और टूटे हुए बालों को वहीं छोड़ देते हैं। ऐसा करना शास्त्रों में दोषपूर्ण माना गया है। भूलकर भी ऐसा न करें।

टूटा दर्पण

अगर आपके बाथरूम में लगा शीशा किसी कारण से टूट गया है तो उसे बदल दें और अगर यह गंदा है तो इसे तुरंत साफ कर दें। शीशे का गंदा या टूटा रहना भी एक दोष है। यदि आप बाथरूम में टूटे हुए शीशे का इस्तेमाल करते हैं तो ये आपके घर में आर्थिक हानि का कारण बन सकता है। पहली बात शीशा टूटा हुआ नहीं होना चाहिए और कभी भी टॉयलेट के सामने आपको शीशा नहीं लगाना चाहिए।

बाथरूम में अंधेरा

भले ही आपको ये बात सुनकर आश्चर्य हो लेकिन घर में बाथरूम ऐसी जगह पर होना चाहिए जहां पर्याप्त रोशनी आती हो।

यदि बाथरूम में हमेशा अंधेरा रहता है तो ये आपके जीवन में नकारात्मकता का कारण बन सकता है।

पौधे- दरअसल पौधों का संबंध शुद्धता और सात्विकता से माना गया है। इसलिए बाथरूम में इन्हें लगाना सहीं नहीं है। खास तौर पर अटेंच्ड लैट बाथ में तो भूलकर भी न लगाएं।

भीगे हुए कपड़े

महिलाओं की ख़ास आदत होती है बाथरूम में पानी में कपड़े भिगोकर रखने की। लेकिन यदि वास्तु की मानें तो कभी भी आपको घर के बाथरूम के अंदर कपड़े भिगोकर नहीं रखने चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में नेगेटिविटी आती है।

राशि के अनुसार चुने अपना करियर बेहतर होगा आने वाला कल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अपने करियर का चुनाव राशि के अनुसार करता है तो उसे उस क्षेत्र में सफलता के कई आयाम प्राप्त हो सकते हैं। प्रत्येक राशि के अनुसार व्यक्ति का स्वभाव और उसके करियर के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जो मनुष्य की आर्थिक, सामाजिक और मानसिक ग्रोथ के लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकती है। राशि के अनुसार करियर का चुनाव करने वाली सीरीज में आज हम जानेंगे अंतिम 4 राशियों के बारे में। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं

धनु राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की राशि धनु है वे काफी मजाकिया होते हैं, परंतु अपने लक्ष्य को लेकर बेहद सीरियस होते हैं। धनु राशि के जातक अपना करियर ट्रैवल गाइड, टीचर, स्कूबा ड्राइवर या किसी ऐसे प्रोफेशन में बना सकते हैं जो कला से जुड़ा है।

मकर राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की राशि मकर है वे स्व अनुशासित और दृढ़ निश्चय स्वभाव के माने जाते हैं। ऐसे लोग काफी भरोसेमंद और जिम्मेदार होते हैं। मकर राशि के जातक अपना करियर चार्टर्ड अकाउंटेंट, बैंकिंग सेक्टर, आयुर्वेदिक चिकित्सा या फिर राजनीतिज्ञ के रूप में बना सकते हैं।

वैदिक ज्योतिष में बताया गया है जिन जातकों की राशि कुंभ होती है वे काफी समझदार और लॉजिकल स्वभाव के होते हैं। कुंभ राशि के जातकों को साइंटिस्ट, टेक्निकल जॉब, एस्ट्रोनॉट्स, रिसर्च या फिर पब्लिक वेलफेयर ऑफिसर के रूप में अपना करियर चुनना चाहिए।

मीन राशि के जातक

जिन जातकों की राशि मीन है वे कलात्मक, सहज ज्ञान से भरपूर और जमीन से जुड़े स्वभाव के माने जाते हैं। परंतु इन्हें जो चीज पसंद होती है ये उससे कम में कभी भी कंप्रोमाइज नहीं करते। मीन राशि के जातक म्यूजिशियन, पेंटर, राइटर, साइटोलॉजिस्ट या फिर स्पिरिचुअल लीडर के रूप में अपना करियर चुन सकते हैं।

अर्जुन ने युद्ध किए बिना जीता था एक राज्य

महाभारत में युधिष्ठिर को चक्रवती सम्राट बनाने के लिए राजसूय यज्ञ किया गया था। इसके लिए सभी राजाओं पर जीत हासिल करनी थी। इस काम के लिए अर्जुन ने विजय यात्रा शुरू कर दी।

जहां-जहां अर्जुन जा रहे थे, वहां के राजाओं को पराजित करते हुए आगे बढ़ रहे थे। जो राजा अर्जुन की सेवा स्वीकार कर रहे थे, अर्जुन उन पर कर लगाकर आगे बढ़ रहे थे। इस यात्रा के दौरान अर्जुन कुरु नाम राज्य में पहुंचे। अर्जुन पहुंचे तो कुरु वहां राज्य के द्वारपाल और लोगों ने अर्जुन से कहा कि आप इस नगर को युद्ध करके जीत नहीं सकते, क्योंकि जो व्यक्ति इस नगर में युद्ध के लिए प्रवेश करता है, उसकी मृत्यु हो जाती है। ऐसा इस राज्य को वरदान मिला हुआ है।

अर्जुन ने कहा सोच-विचार करके कहा कि ठीक है, मैं यहां युद्ध नहीं करूंगा।

अर्जुन की बात सुनकर लोगों ने कहा कि युद्ध के अलावा अगर आपकी कोई इच्छा है तो वह पूरी हो सकती है।

अर्जुन ने कहा कि मैं हमारे भाई युधिष्ठिर को चक्रवर्ती सम्राट बनाना चाहता हूं। मुझे आपसे युद्ध नहीं करना है। आप बस मुझे कर के रूप में थोड़ा सा धन दे दीजिए। ये धन लेकर मैं लौट जाऊंगा।

लोगों ने अर्जुन की बात मानकर थोड़ा सा धन दे दिया। धन लेकर अर्जुन दूसरे राज्य की ओर बढ़ गए।

अर्जुन की सीख

इस किस्से में अर्जुन ने संदेश दिया है कि हर शत्रु को युद्ध करके पराजित नहीं किया जा सकता है, कुछ शत्रुओं के सामने बुद्धि और धैर्य का उपयोग करना चाहिए। बुद्धि का उपयोग करते हुए भी शत्रुओं की हराया जा सकता है। अगर हम शक्तिशाली हैं तो हमें अहंकार से भी बचना चाहिए। इस किस्से में अर्जुन ने अपनी शक्ति का घमंड नहीं किया और लोगों की बात समझकर युद्ध करने का विचार छोड़ दिया। हमें भी घमंड छोड़कर बुद्धि और धैर्य बनाए रखना चाहिए।

इन कामों को करने से सुखी रहता है जीवन, माँ लक्ष्मी की होती है कृपा

धार्मिक मान्यताओं के चलते इंसान वो सभी काम करना चाहता है जिनसे भगवान प्रसन्न हों और हमारी जिन्दगी खुशहाल, स्वस्थ और धनधान्य से भरपूर हो। इन्हीं में विश्वास रखते हुए इंसान कई ऐसे काम करता है जिससे उसके परिवार से दुख के बादल दूर रहें, शरीर स्वस्थ और मन प्रफुल्लित रहे। आज हम आपको ऐसे ही कुछ उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके करने से आप अपनी जिन्दगी की समस्याओं से निजात पाने में सफल हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर उन उपायों—

जायफल

हर हिन्दू परिवार में पूजा पाठ में जायफल का उपयोग किया जाता है। विशेष रूप से लक्ष्मी पूजा में जायफल को शामिल करना चाहिए। आप जब भी लक्ष्मी पूजा करें तो जायफल को अक्षत, पुष्प और कुमकुम के साथ पूजा में रखें। पूजा समाप्त होने के बाद इसे घर में बने पूजा स्थल पर ही रहने दें।

स्वस्थ रहने के लिए करें तुलसी पूजा

तुलसी को धार्मिक मान्यताओं में तुलसी माता कहा जाता है। वहीं, तुलसी भगवान विष्णु की प्रिय भी मानी जाती हैं। तुलसी को जल चढ़ाने पर या तुलसी की पूजा करने पर भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भगवान विष्णु के प्रसन्न होने पर मां लक्ष्मी को भी खुश करना आसान हो जाता है।

यदि आप मानसिक और शारीरिक समस्याओं से ग्रसित हैं और आपका स्वस्थ नहीं हो पा रहे हैं तो आपको घर के पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाकर सुबह-शाम उसकी पूजा करनी चाहिए। प्रातःकाल स्नान आदि करके तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाएँ। शाम के वक्त भी नियमित रूप ये तुलसी के पौधे के आगे दीपक जलाएँ। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में तुलसी का पौधा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और घर के सदस्य निरोग रहते हैं। इतना ही नहीं जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहाँ घर में स्थित वास्तु दोष का प्रभाव भी कम हो जाता है।

हनुमानजी की पूजा

धर्मशास्त्रों और धर्माचार्यों का कहना है कि हनुमानजी कलयुग के देवता हैं। इन लोगों का कहना है कि हनुमानजी की पूजा करने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूर्ण होती है।

लक्ष्मी पूजा

माता लक्ष्मी को धन की देवी के रूप में पूजा जाता है। आर्थिक तौर पर कमजोर स्थिति वालों को माँ लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इसके तहत शुक्रवार का व्रत करने के साथ ही सुबह-शाम माँ लक्ष्मी आरती करें। प्रयास करके आरती को जोरदार आवाज में बोले। आपके द्वारा बोले जाने वाले माँ लक्ष्मी की आरती के शब्द ब्रह्माण्ड में तैरेंगे। विद्वानों का कहना है कि जिस तरह से हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए जोर-जोर से हनुमान चालीसा पढ़ा जाता है उसी तरह से लक्ष्मी माँ को प्रसन्न करने के लिए जोर-जोर से उनकी आरती को बोलना चाहिए।

सच्चे मन से पूजा

मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से अपने आराध्य की पूजा करता है और अपने आराध्य का ध्यान करता है उसे कष्टों से मुक्ति मिलती है। सिर्फ धन के लोभ में नहीं बल्कि जीवन में खुशी, उल्लास, अपनापन और मानसिक संतुष्टि के लिए हमें नियमित रूप से अपने आराध्य की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

पैसा बचाने के लिए

अगर आप खूब पैसा कमा रहे हैं और इसके बाद भी आपके पास धन का अभाव है तो और आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो घर की तिजोरी या अलमारी जिसमें रुपये रखते हैं, उसे घर की उत्तर दिशा या पूर्व दिशा में इस हिसाब से रखें कि उसका दरवाजा उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ खुले। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आपके पास पैसे बचने शुरू हो जाते हैं।

घर में सुख शांति के लिए

अगर आपके घर में बार-बार विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिसके चलते आप मानसिक रूप से परेशान रहते हैं तो घर के पूर्व दिशा में मिट्टी के बर्तन, कलश या सुराही में पानी भर कर रख दें। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और घर में सुख शांति बरकरार रहती है।

कारोबार में वृद्धि के लिए

अगर आपका कारोबार सही ढंग से नहीं चल रहा है और आपको लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है तो रात को सोते समय अपने बिस्तर के पास ताँबे के बर्तन में जौ रखें और सुबह उठते ही गाय को गुड के साथ खिला दें। ऐसा कम से कम 30 दिन तक लगातार करें। इससे आपके कारोबार में धीरे-धीरे सुधार होना शुरू हो जाएगा।

इन बातों के अतिरिक्त इन चीजों का भी ध्यान रखना चाहिए—

1. घर को साफ सुथरा रखें।
2. सुबह- शाम घर में भगवान विष्णु की आरती करें।
3. गाय को एक रोटी और पक्षियों को प्रतिदिन दाना खिलाएं।
4. अपने परिवार को समय दें। ऐसा करने पर आपको लाभ प्राप्त होने लगेगा और परिवार में सुख बढ़ेगा।

वाइफ के साथ डिनर डेट पर निकले बॉबी देओल :

कटी- फटी जीन्स, बनियान में देख यूजर्स ने उड़ाया मजाक, बोले- स्टाइल कुछ जमा नहीं

बॉबी देओल हाल ही में अपनी वाइफ तान्या देओल के साथ डिनर डेट पर निकले थे। कल रात दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्टर को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

54 साल के बॉबी डिनर डेट पर कटी- फटी बैगी जीन्स, और बनियान पहनकर पहुंचे। उनकी जीन्स पीछे से भी काफी फटी हुई थी। इस लुक को उन्होंने व्हाइट शूज के साथ कम्पलीट किया। वहीं उनकी वाइफ तान्या कैजुअल लुक में काफी अच्छी लग रही थीं। इस दौरान दोनों ने पैपराजी को पोज भी दिए। लेकिन, बॉबी का लुक उनके फैंस को बिल्कुल रास नहीं आया।

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कपड़े ऐसे पहनो की रेस्टोरेंट वाला सीधे डिशवॉशिंग एरिया में ले जाए'। दूसरे ने लिखा, सर जीन्स का साइज बड़ा ले आए आप गलती से'। तो वही तीसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, 'चूहा कुतर गया सर के कपड़े'। बॉबी देओल जल्द ही रणबीर कपूर, अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म एनिमल में नजर आएंगे। फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा हैं। एनिमल 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन बॉबी के भाई सनी देओल की फिल्म गदर 2 भी रिलीज हो रही है। इसके अलावा बॉबी देओल तेलुगु फिल्म में भी नजर आएंगे।

अनुपम खेर ने रवि किशन की बेटी को दी बधाई

अग्निवीर बनने पर जाहिर की खुशी, बोले- इशिता लाखों बच्चियों के लिए मिसाल है

गोरखपुर के सांसद और एक्टर रवि किशन की बेटी इशिता जल्द इंडियन आर्मी जॉइन करेंगी। इशिता अग्निपथ योजना के तहत डिफेंस का हिस्सा बनने जा रही हैं। रवि किशन अपनी बेटी के फैसले से बहुत खुश हैं। इस बीच एक्टर अनुपम खेर ने रवि किशन की बेटी के लिए खास पोस्ट शेयर किया और इशिता को लाखों बेटियों के लिए इंस्पिरेशन बताया है। पोस्ट शेयर करते हुए अनुपम खेर ने लिखा- 'मेरे प्यारे दोस्त रवि किशन! आपकी बेटी इशिता के बारे में यह समाचार पढ़ा कि उन्होंने अग्निवीर स्कीम के तहत हमारी डिफेंस फोर्सेज जॉइन की है। मन प्रसन्न हुआ और गर्व महसूस हुआ है। इशिता को मेरा प्यार और आशीर्वाद देना। उससे कहना उसका

यह कदम लाखों बच्चियों के लिए प्रेरणा की मिसाल बनेगा। जय हिंद।'

रवि किशन ने बेटी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए खुशी जाहिर की और कहा- 'एक पिता होने के नाते यह मेरे लिए बेहद यह गर्व की बात है। इशिता शुक्ला ने अपना सपना पूरा किया और वह सेना में शामिल होने जा रही हैं। इशिता एक NCC कैडेट है, जिन्होंने इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर परेड में भी हिस्सा लिया था। उनकी NCC की ट्रेनिंग अब पूरी हो गई है।" इससे पहले 15 जून को भी रवि किशन ने 15 जून को ट्वीट करते हुए लिखा था, ''सुबह बिटिया बोली- अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती होना चाहती हूं। मैंने उससे कहा, बेटा गो अहेड।'

सांसद रवि किशन की बेटी इशिता अभी 21 साल की हैं। उनका जन्म 10 फरवरी, 2002 में जौनपुर जिले में हुआ था। इशिता ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के राजधानी कॉलेज से पढ़ाई की है। वह NCC कैडेट भी रह चुकी हैं। साल 2022 में उन्हें NCC के ADG अवॉर्ड ऑफ एक्सिलेंस से नवाजा गया था। यह अवॉर्ड उन्हें कर्नल राजवर्धन सिंह राठौर ने दिया था। इशिता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्हें घूमने-फिरने के अलावा इनडोर शूटिंग का भी शौक है। इशिता चार भाई-बहन हैं। इनमें सबसे बड़ी तनिष्का शुक्ला हैं। तनिष्का बिजनेस मैनेजर और इनवेस्टर हैं। जबकि, दूसरे नंबर पर रीवा शुक्ला हैं। रीवा बॉलीवुड अभिनेत्री हैं। जबकि, सबसे छोटा भाई सक्षम शुक्ला है। सक्षम अभी पढ़ाई कर रहे हैं।

सीरियल में को-स्टार को करना था किस इसके लिए तैयार नहीं थीं नीना गुप्ता

नीना गुप्ता अपने बोल्ड बयानों से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। वो गुरुवार से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 में नजर आईं। सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने एक पुराना किस्सा शेयर किया। नीना ने कहा कि एक बार वो किसी सीरियल की शूटिंग कर रही थीं। सीरियल में उन्हें अपने को-स्टार को किस करना था। नीना ने कहा कि इस सीन के लिए वे मेंटली और फिजिकली तैयार नहीं थीं। हालांकि नीना ने इसे एक चैलेंज के तौर प लिया। उन्होंने किसिंग सीन तो दे दिया लेकिन उसके बाद उन्हें अपना मुंह डेटॉल से साफ करना पड़ा।

नीना ने कहा अगर ये सीन कटा नहीं होता तो TV पर पहला किसिंग सीन होता। दशकों पुरानी बात है, मुझे सीरियल 'दिल्लगी' में अपने को-स्टार दिलीप धवन के साथ लिप लॉक करना था। मैं उन्हें पर्सनली जानती नहीं थी। मानसिक और शारीरिक रूप से मैं ये सीन करने के लिए तैयार भी

नहीं थी। मैं काफी ज्यादा नर्वस फील कर रही थी। एक रात पहले सो भी नहीं पाई थी।

नीना ने आगे कहा- मैंने आखिरकार खुद को समझाया। मैंने खुद से कहा कि मैं एक एक्टर हूं और मुझे ये करना ही पड़ेगा। एक एक्टर को हंसने से लेकर रोने तक, हर एक सीन करने होते हैं। इसलिए मैंने इसे एक चैलेंज की तरह लिया। मैंने किस सीन दिया, लेकिन तुरंत बाद डेटॉल से अच्छी तरह मुंह साफ किया। ये मेरे लिए काफी मुश्किल काम था कि मैं किसी ऐसे आदमी को किस करूं जिसे मैं प्यार तक नहीं करती हूं।

व्यूअर्स ने जताई थी आपत्ति, हटाना पड़ा सीन

हालांकि नीना का ये सीन बाद में एडिट कर दिया गया। नीना ने कहा- चैनल ने सीरियल में किसिंग सीन इसलिए डाला ताकि TV पर पहला किस दिखाने से एपिसोड का प्रमोशन किया जा सके। हालांकि ये प्लानिंग फेल रही। ये वो समय था जब पूरा परिवार एक साथ बैठ कर TV देखता था। लोगों ने जब ये किसिंग सीन देखा तो कड़ी आपत्ति जताई। बाद में चैनल को ये सीन हटाना पड़ा।

नीना गुप्ता बॉलीवुड की बेबाक एक्ट्रेसेस मानी जाती हैं। शायद शुरुआती दौर में उन्हें वो पहचान नहीं मिल पाई थी, जो आज के वक्त मिली है। उन्होंने बधाई हो, पंचायत और शुभ मंगल ज्यादा सावधान जैसे कुछ शानदार प्रोजेक्ट में काम किया है। हालांकि नीना की पर्सनल लाइफ हमेशा मुसीबतों में रही। वो बिना शादी के प्रेग्नेंट हो गई थीं। उन्हें समाज की खरी-खरी भी सुननी पड़ी थी। नीना वेस्ट इंडीज के पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स के प्यार में थी और उनकी बच्ची (मसाबा) की मां भी बन गई थीं। विवियन अपनी पत्नी और फैमिली को नीना के लिए छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए थे। आखिरकार नीना को अपनी बेटी की अकेली ही परवरिश करनी पड़ी।

अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स एंड आर्ट्स के सदस्य बनेंगे करण जौहर, कर सकेंगे ऑस्कर विजेताओं के लिए वोट

बॉलीवुड के फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने अपनी शानदार उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। करण जौहर को अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स एंड आर्ट्स का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। नए आमंत्रित सदस्यों की घोषणा करते हुए अकादमी ने 398 कलाकारों और अधिकारियों को इस वर्ष संगठन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, जिसमें भारतीय सिनेमा के लोग भी शामिल हैं। करण जौहर उन कुछ भारतीयों में से हैं, जिन्हें आमंत्रित किया गया है।

नए सदस्यों की घोषणा

दरअसल, अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स एंड आर्ट्स ने इस

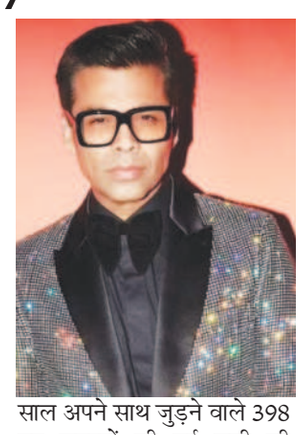

साल अपने साथ जुड़ने वाले 398 नए सदस्यों की नई सूची की घोषणा की। टेलर स्विफ्ट और के हुई क्वान जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों के बीच करण जौहर को भी अकादमी का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान निश्चित रूप से भारतीय फिल्म उद्योग में जौहर के असाधारण योगदान को स्वीकार करता है।

इन सेलेब्स को किया गया आमंत्रित

करण जौहर के साथ अकादमी का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किए जाने वाले भारतीयों में 'आरआरआर' अभिनेता जूनियर एनटीआर और राम चरण, सिद्धार्थ रॉय कपूर, निर्देशक मणिरत्नम और चैतन्य ताम्हाणे, संगीत निर्देशक एमएम कीरावनी और चंद्रबोस, कास्टिंग निर्देशक केके सेंथिल कुमार और वृत्तचित्र निर्माता शौनक सेन शामिल हैं। इसके अलावा सूची में बेला बजारिया भी हैं।

हॉलीवुड फिल्म उद्योग की सर्वोच्च संस्था के रूप में देखी जाने वाली अकादमी हर साल निमंत्रण का एक दौर जारी करती है। ऑस्कर विजेताओं के लिए केवल अकादमी सदस्य ही वोट कर सकते हैं। अगले साल का ऑस्कर 10 मार्च को होने वाला है। अकादमी के सीईओ बिल क्रेमर ने कहा कि अकादमी को अपनी सदस्यता में इन कलाकारों और पेशेवरों का स्वागत करते हुए गर्व है। वे सिनेमाई विषयों में असाधारण वैश्विक प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्होंने मोशन पिक्चर्स की कला और विज्ञान और दुनिया भर के फिल्म प्रशंसकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

तमिल फिल्म 'मामनन' के मेकर्स को मद्रास हाईकोर्ट ने दी राहत, फिल्म पर रोक लगाने से किया इनकार

तमिल फिल्म 'मामनन' के मेकर्स के लिए राहत की खबर है। मद्रास हाई कोर्ट ने इस फिल्म पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद अब उदयनिधि स्टालिन और वाडिवेलु उसी दिन रिलीज होगी जिस दिन मेकर्स ने इसकी घोषणा की थी। 'मामनन' 29 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

न्यायमूर्ति के. कुमारेश बाबू ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करने वाली ओएसटी फिल्म्स के फिल्म निर्माता रामसरवनन की याचिका को खारिज कर दिया। इस पर उन्होंने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। अदालत ने फिल्म पर रोक लगाने से इनकार कर दिया क्योंकि याचिकाकर्ता याचिका में अपनी बातों को साबित करने में विफल रहा।

उदयनिधि स्टालिन पर रामसरवनन ने आरोप लगाया था कि वह फिल्म 'एंजल' को पूरा किए बिना 'मामनन' को रिलीज करने की कोशिश कर रहे हैं। जिसके बाद रामसरवनन ने 'मामनन' की रिलीज पर रोक लगाने को लेकर मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

रामसरवनन ने 'एंजल' पर लगभग 13 करोड़ रुपये खर्च किए थे, इस फिल्म की शूटिंग साल 2018 में शुरू हुई थी। लेकिन फिल्म अब तक पूरी नहीं हो सकी क्योंकि उदयनिधि ने कॉल शीट देने से इनकार कर दिया और इसे पूरा नहीं कर रहे हैं। वह चाहते थे कि अदालत उदयनिधि को 'मामनन' की रिलीज से पहले 25 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दे।

रामसरवनन ने बताया कि फिल्म को पूरा करने के लिए केवल 20 प्रतिशत शूटिंग की जरूरत है। उदयनिधि को अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने के लिए कम से कम आठ दिनों की कॉल शीट देनी होगी। लेकिन वह ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। 'एंजल' को पूरा करने के बजाय वह 'मामनन' को रिलीज करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो ओएसटी फिल्म्स को बहुत नुकसान होगा। वह चाहते थे कि मामनन की रिलीज से पहले उदयनिधि एंजल को पूरा कर लें।

पोते की शादी के बाद धर्मेंद्र ने हेमा और ईशा से मांगी माफी! सोशल मीडिया पर लिखा इमोशनल पोस्ट

बॉलीवुड के हीमैन यानी धर्मेंद्र। जो अपने दौर के हैंडसम हंक थे और लाखों हसीनाएं उनपर जान छिड़कती थी। जिन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। अब वो 87 साल के हो चुके हैं। उम्र के इस पड़ाव पर वो सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े हुए हैं। वो लगभग हर दिन पोस्ट शेयर करते हैं और अपने दिल का हाल बयां करते हैं। बीते दिनों उन्होंने कुछ ऐसे उदास पोस्ट शेयर किए कि फैंस का दिल भर आया। अब उन्होंने अपनी बीवी हेमा और बेटियों ईशा, अहाना के नाम एक इमोशनल नोट लिखा है। उन्हें एक बात का पछतावा है, जिसका जिक्र इसमें किया है।

सामने आए पोस्ट को देखने के बाद फैंस परेशान हो रहे हैं। उन्होंने इस पोस्ट में हेल्थ और बीमारी की बात की है। उन्होंने

बेटी ईशा देओल के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए एक इमोशनल पोस्ट लिखा है, जिसमें वो अपने दिल की बात बयां करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके दिल की बात वो पूरी नहीं कह सके हैं। इस आधी-अधूरी बात से ही लोग अब अटकलें लगाने लगे हैं। लोग एक्टर की हेल्थ को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं और पोस्ट पर कमेंट कर के लगातार ये सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर उन्हें हुआ क्या है।

धर्मेंद्र ने अपने हालिया पोस्ट में लिखा, 'ईशा, अहाना, हेमा और मेरे सभी प्यारे बच्चे...तख्तानी और वोहरा परिवारों को मैं प्यार करता हूं और दिल से आप सभी का सम्मान करता हूं...उम्र और बीमारी मुझ पर हावी हो रही हैं। मैं आपसे व्यक्तिगत रूप से बात कर सकता था, लेकिन...' ऐसे में ये सोचने वाली बात है कि कौन सी ऐसी बात है जो धर्मेंद्र अपने परिवार से कहना चाहते हैं, लेकिन कह नहीं सके। उनका ये इस्टाग्राम पोस्ट झट से वायरल हो गया।

बता दें, एक्टर ने पहले भी इस तरह के दो पोस्ट किए थे, जिसके बाद फैंस परेशान हो गए थे। वो लगातार पूछ रहे थे कि मरने-जीने की बात करने की वजह क्या। दरअसल एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'साथ जो सांस थी, जाने कियों उस साथ ने अचानक हाथ छोड़ दिया हाहा।'

इसके ठीक बाद उन्होंने एक और इमोशनल करने वाला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, 'फसलों का अहसास तब हुआ... जब मैंने कहा ठीक हूं और उसने मान लिया। ...रूह से लिखा प्रवीण का...मैंने हमेशा रूह से पढ़ा।'

बॉलीवुड विलेन की बेटियां हैं बेहद ग्लैमरस, खूबसूरती में देती हैं एक-दूसरे को टक्कर

बॉलीवुड फिल्मों के ऐसे कई विलेन रहे हैं, जिन्हें पर्दे पर देखकर हर कोई डरा है. शक्ति कपूर, ओम शिवपुरी, किरण कुमार, रंजीत और अमरीश पुरी बॉलीवुड के कुछ ऐसे विलेन रहे, जिन्होंने पर्दे पर काफी समय तक राज किया. वहीं, इन दिग्गजों की बेटियां भी अपने पिता का खूब नाम रोशन कर रही हैं, सभी दिखने में जितनी सुंदर हैं, उतनी हैं ग्लैमरस भी नजर आती हैं.

फिल्में में विलेन का रोल बहुत अहम होता है, फिल्मों का एक पार्ट सिर्फ विलेन पर निर्भर रहता है और एक पार्ट हीरो पर. यही दो किरदार किसी भी फिल्मों की जान होती है. बॉलीवुड में कई ऐसे विलेन हमें देखने को मिले, जिन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से फिल्मों में निगेटिव रोल प्ले किया, इसमें शक्ति कपूर, ओम शिवपुरी, किरण कुमार, रंजीत और अमरीश पुरी तक के नाम शामिल हैं, लेकिन आज हम उनकी नहीं बल्कि उनकी बेटियों

पर बात करने जा रहे हैं.

शक्ति कपूर की बेटी: बॉलीवुड के सदाबहार एक्टर शक्ति कपूर, जिन्होंने पहले तो खूंखार विलेन के रूप में अफनी पहचान बनाई और बाद में कॉमेडी की दुनिया में भी सफल साबित हुए, वहीं उनकी बेटी श्रद्धा कपूर तो बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज की लिस्ट में शुमार हैं. श्रद्धा अभिनय की दुनिया में अपने पिता का नाम रोशन करती नजर आ रही हैं.

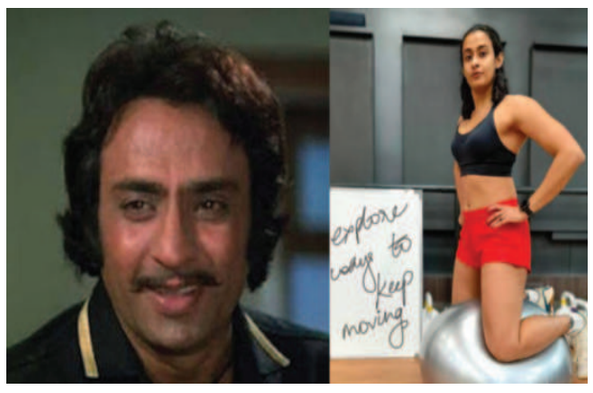

अमरीश पुरी की बेटी: अमरीश पुरी का नाम आज भी बॉलीवुड के खूंखार खलनायकों में शामिल है. वह भले ही इस दुनिया को अलविदा कह गए हों, लेकिन उनकी यादें आज भी उनके चाहने वालों के दिलों में जिंदा है. वहीं, अमरीश पुरी की बेटी का नाम नम्रता पुरी है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं. नम्रता पुरी दिखने में जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही ग्लैमरस भी हैं.

ओम शिवपुरी की बेटी: 70 और 80 दशक के मशहूर एक्टर ओम शिवपुरी को आपने कई फिल्मों में देखा होगा, ज्यादातार फिल्मों में उन्होंने बदमाश बिजनेसमैन की भूमिका निभाई, लेकिन उन किरदारों में वह काफी फिट बैठे और दर्शकों ने उन पर जमकर प्यार लुटाया. आज वह जीवित नहीं हैं, लेकिन उनकी बेटी ऋतु शिवपुरी अपने पिता नाम रोशन कर रही हैं. वह भी एक एक्ट्रेस हैं, और बेहद ग्लैमरस भी हैं.

किरण कुमार की बेटी: दिग्गज अभिनेता करण कुमार भी अपने जमाने के बॉलीवुड के मशहूर विलेन हुआ करते थे. उन्होंने अपने करियर में कई सारी फिल्में की, हालांकि बाद में वह कई पॉजिटिव रोल में भी नजर आने लगे. किरण की बेटी का नाम सृष्टि कुमार. सृष्टि पेशे से एक मशहूर फैशन इन्फ्लुएंसर और कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं.

रंजीत की बेटीः अब बात करते हैं रंजीत की, तो इनकी अभिनय

के तो लोग आज भी दीवाने हैं. रंजीत ने अपने जमाने में कई सारे फिल्मों में निगेटिव रोल करते नजर आए. दर्शकों को रंजीत का किरदार हमेशा से ही पसंद आ रहा है. वहीं, उनकी बेटी का नाम दिव्यंका है, जो बेहद खूबसूरत हैं और काफी स्टाइलिश भी हैं. पेशे से वह भी एक मशहूर फैशन डिजाइनर हैं.

अक्षय कुमार ने जिन मूवीज़ को कहा- नो, तो इन सितारों को मिला फायदा

अक्षय कुमार बॉलीवुड के बड़े सितारों में शुमार हैं. इन दिनों उनके पास कई फिल्में हैं, जो एक के एक बाद एक सिनेमाघरों में रिलीज होंगी. अक्षय कुमार ने अपने करियर में कई फिल्मों को रिजेक्ट किया है, जो बाद में सुपरहिट साबित हुईं. हालांकि, मूवीज को ठुकराने से अक्षय कुमार के करियर पर तो कई असर नहीं पड़ा, लेकिन उनके फैसले से दो सितारों की किस्मत जरूर चमक उठी थी.

अक्षय कुमार की ठुकराई फिल्मों में शाहरुख खान और फरहान अख्तर ने काम किया था. दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी और मेकर्स ने मोटी कमाई की थी. आपको जानकर हैरानी होगी कि शाहरुख खान से पहले कई एक्टर्स समेत अक्षय कुमार को भी फिल्म 'बाजीगर' (1993) ऑफर हुई थी. लेकिन अक्षय कुमार को लीड किरदार निगेटिव लगा और वह ऐसा रोल नहीं करना चाहते थे. इस वजह से उन्होंने फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था. ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म ने शाहरुख के करियर को पंख लगा दिया था.

साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'रेस' के लिए मेकर्स अक्षय कुमार को कास्ट करना चाहते थे.

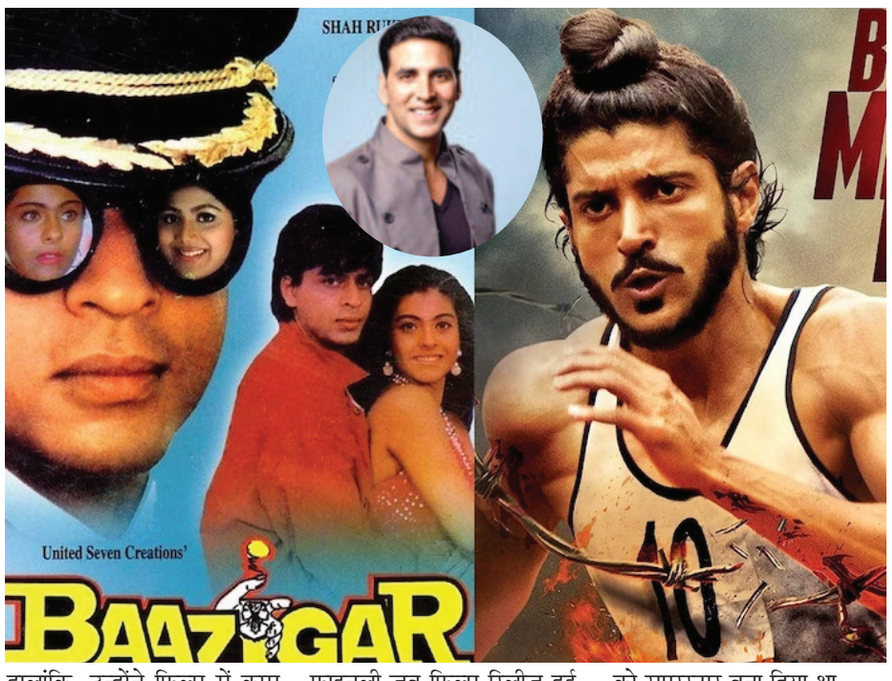

हालांकि, उन्होंने फिल्म में काम करने से मना कर दिया था. इसके बाद ये फिल्म सैफ अली खान को मिली और फिर उन्होंने अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीत लिया. अब्बास-मस्तान के डायरेक्शन में बनी ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी.

फरहान अख्तर ने साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' में दमदार एक्टिंग की थी. अपने किरदार के लिए एक्टर ने गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया था. फाइनली जब फिल्म रिलीज हुई, तो इसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ डाले थे. ये फिल्म पहले अक्षय कुमार को मिली थी, लेकिन उस वक्त वह 'वन्स अपॉन टाइम इन मुंबई दोबारा' में काम कर रहे थे. इस वजह से अक्षय कुमार 'भाग मिल्खा भाग' मूवी का हिस्सा बनने से चूक गए थे. इससे पहले फरहान की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही थीं. इस मूवी ने फरहान को सुपरस्टार बना दिया था.

हर बॉलीवुड एक्टर का सपना होता है कि एक दिन वह हॉलीवुड फिल्मों काम करे, लेकिन अक्षय कुमार ने ऐसी दिलचस्पी कभी नहीं दिखाई. रिपोर्ट के मुताबिक, सालों पहले अक्षय कुमार को ड्वेन जॉनसन यानी रॉक के साथ एक फिल्म ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने तुरंत मना कर दिया था क्योंकि वह बॉलीवुड इंडस्ट्री से बाहर काम नहीं करना चाहते हैं.

'मैं नहीं कर पाऊंगा भाईजान', जब रोते हुए अमिताभ बच्चन ने कहीं दिल की बात, महमूद की 'फूंक' ने बचाई थी जान

फिल्म एक कहानी होती है, जिसको राइटर्स लिखते हैं, लिखने जब एक फिल्म बनती है, तो इसकी भी अपनी एक कहानी बन जाती है. आप सोच रहे हैं, भला ये क्या बात हुई, लेकिन ये 100 प्रतिशत सच है. आज हम आपको 1972 में आई सुपरहिट फिल्म 'बॉम्बे टू गोवा' की फिल्म मेकिंग नहीं बल्कि फिल्म के एक सुपरहिट गाने की मेकिंग की बीहाइंड द स्टोरी बताने जा रहे हैं, जिसको जानकर आप भी कहेंगे... भाई... वकाई चमत्कार हो गया. फिल्म में अमिताभ बच्चन थे, लेकिन एक गाने में डांस करने से इतना घबरा गए थे कि रोते हुए महमूद साहब से बोल बैठे थे 'मैं नहीं कर पाऊंगा भाईजान'.

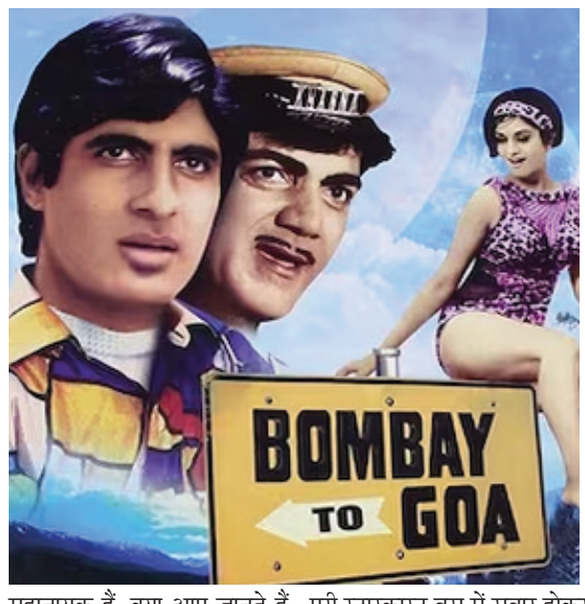

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और महमूद साहब का ये किस्सा 51 साल पुराना है. फिल्मों में तरह तरह के रोल और डांस करने वाले बिग बी. उन दिनों एक गानें में नहीं डांस कर पा रहे थे. लेकिन फिर कॉमेडियन-एक्टर-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर महमूद ने ऐसा कारनामा किया कि अमिताभ झूम उठे थे और इतिहास ऐसा रचा कि लोग आज भी याद करते हैं.

किसने बनाया अमिताभ बच्चन को डांसर?

अमिताभ बच्चन अपने शुरुआती दिनों में कुछ अच्छा नहीं कर पा रहे थे. बॉलीवुड में कहा जाता है कि प्रकाश मेहरा ने उन्हें स्टार बनाया और उनकी प्रतिभा को ऐसा निखारा कि आज भी वह सदी के महानायक हैं. क्या आप जानते हैं कि लंबे कद-काठी वाले अमिताभ को डांसर किसने बनाया? अगर नहीं तो आज नाम जानकर आप भी हैरान होने वाले हैं. अमिताभ का डांसर बनाने का श्रेय काफी हद तक महमूद साहब को जाता है.

दरअसल, किस्सा फिल्म 'बॉम्बे टू गोवा' से जुड़ा है. फिल्म में अमिताभ के साथ शत्रुघ्न सिन्हा नजर आ थे. फिल्म ने तो सुपर-डुपर हिट साबित हुई, लेकिन इस फिल्म के एक गाने को शूट करने के लिए अमिताभ बच्चन के आंसू तक निकल आए थे. फिल्म के प्रोड्यूसर महमूद ने इस बात की जिक्र शेखर सुमन के शो 'मूवर्स एंड शेकर्स' शो पर किया था.

उन्होंने बताया था, 'फिल्म की पूरी स्टारकास्ट बस में सवार होकर गोवा के लिए रवाना हुई. 'देखा ना हाय रे' की गाने की शूटिंग बस के अंदर होनी थी और अमिताभ बच्चन पर फिल्माया जाना था. इस गाने पर अमिताभ डांस ही नहीं कर पा रहे थे. मैं सेट पर पहुंचा तो मुझे बताया गया कि अमिताभ को तेज बुखार है और वह अपने कमरे में आराम करने चले गए हैं. मैं अमिताभ से मिलने के लिए जब कमरे पर गया तो देखा कि अमिताभ रो रहे थे. मुझे देखते ही कहा, 'मुझसे ये डांस नहीं होगा. मास्टर जो बता रहे हैं, वह मैं नहीं कर पाऊंगा भाईजान'.

महमूद साहब ने आगे बताया कि अमिताभ की ये बात सुनकर मैंने उन्हें समझाते हुए कहा, 'जो इंसान चल सकता है, वो डांस भी कर सकता है. आज आराम कर लो और कल आओ, देखो इंशाअल्लाह सब फर्स्ट क्लास होगा'. फिर अगले दिन गाने की शूटिंग से पहले मैंने मास्टर से कहा , 'देखो पहला शॉट लेना, अगर शॉट खराब भी होगा तो बस में जितने लोग है उनसे जोर-जोर से तालियां बजवाना. फिर आगे बढ़ना, दूसरा शॉट लेना, रीटेक मत करवाना, क्योंकि एक्टर की खुराक उसकी तारीफ होती है.मैंने शूटिंग से पहले सबको समझा दिया.'

इस बातचीत में महमूद ने आगे बताया था, 'जब वो मेकअप रूम से आए, तो मैंने कुरान शरीफ पढ़कर उनके ऊपर थोड़ा फूंक भी दिया, जिससे उन्हें थोड़ा भरोसा हुआ, फिर उन्होंने अपना शॉट दिया जो बहुत गंदा था. गाने के बोल के साथ अमिताभ के स्टेप मैच ही नहीं हो रहे थे, फिर भी मेरे प्लान के मुताबिक लोगों ने तालियां बजाई. गाना आगे बढ़ा और फिर अमिताभ जो में आया... तो उसने क्या डांस किया'.

हिट गाने को किशोर कुमार ने दी थी आवाज

'बॉम्बे टू गोवा' फिल्म 3 मार्च 1972 को रिलीज हुई थी. 'देखा ना हाय रे' इस हिट गाने को आवाज किशोर कुमार ने दी थी, संगीत आर डी बर्मन ने दिया था. फिल्म को महमूद साहब और एस रामनाथन ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया था. अमिताभ के साथ फिल्म में महमूद, अरूणा ईरानी, शत्रुघ्न सिन्हा , ललिता पवार थीं.

प्रभास के पास दो और फिल्में, एक रोमांटिक तो दूसरी हॉरर कॉमेडी

प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' उम्मीद से इतर बड़े पर्दे पर ढ़ेर हो गई है. जितना मेकर्स ने सोचा था, उतना फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला. लीड एक्टर प्रभास को भी ये बात परेशान कर रही है लेकिन उनके फिल्मी करियर पर इसका असर नही पड़ा है. 'ब्रैंड प्रभास' अब भी मेकर्स की पसंद बना हुआ है. इन दिनों उनकी दो फिल्मों 'सालार' और 'प्रोजेक्ट के' की चर्चा हो रही है. इन दो बड़ी फिल्मों के अलावा भी दो और अलग विषयों की फिल्में प्रभास के पास हैं, जो उनके करियर के लिए खास साबित हो सकती हैं.प्रभास की फिल्म 'सालार' इसी साल सितम्बर में आएगी. इसे 'केजीएफ' फेम प्रशांत नील निर्देशित कर रहे हैं. फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू भी अहम किरदार में हैं. वहीं, 'प्रोजेक्ट के' अब तक की प्रभास की सबसे बड़ी फिल्म बताई जा रही है. इसे नाग अश्विन निर्देशित कर रहे हैं और यह अगले साल 2024 में रिलीज होगी. फिल्म में कमल हासन, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी आदि प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

संदीप रेड्डी वांगा से उम्मीद

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी फिल्म 'एनिमल' को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदान अहम भूमिका निभा रहे हैं. विजय देवरकोंडा और शाहिद कपूर को स्टार बना चुके वांगा की अगली फिल्म 'स्प्रिट' प्रभास के साथ है. यह रोमांटिक एक्शन फिल्म है, जिसमें प्रभास जुदा अंदाज में नजर आएंगे. वांगा के निर्देशन को दर्शकों ने पसंद किया है. ऐसे में प्रभास को भी इस फिल्म से काफी उम्मीद है.

दूसरी तरफ प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म 'राजा डिलक्स' की शूटिंग की शुरू कर दी है. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को मारुति दसारी निर्देशित कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि फिल्म के लिए एक सेट बनाया गया है, जिसकी कीमत 6 करोड़ रुपये है. खबर यह भी है कि इस फिल्म के लिए प्रभास ने फीस भी कम ली है. इसमें प्रभास बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे. फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

कियारा आडवाणी ने रेड टाइट ड्रेस में दिखाया हॉट लुक, फ्लॉन्ट किया क्लीवेज

कियारा आडवाणी अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती है और इतना ही नहीं वह बॉलीवुड की बेहतरीन अदाकाराओं में से एक मानी जाती हैं। साथ ही साथ उन्होंने कुछ वक्त पहले ही सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ में शादी रचाई है। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी को लेकर काफी ज्यादा फैंस भी एक्साइटेड हो गए थे और उन दोनों की जोड़ी को भी खूब प्यार दिया। इतना ही नहीं अब कियारा आडवाणी अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में है। जल्दी ही कियारा आडवाणी की फिल्म सत्य प्रेम की कथा रिलीज़ होने वाली है। इस फिल्म को 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया जाएगा। इस फिल्म में उनके साथ में कार्तिक आर्यन रोमांस करते हुए नजर आएंगे। लेकिन कियारा आडवाणी को सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव देखा जाता है और हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरों को भी शेयर कर दिया है। लेटेस्ट तस्वीरों में वह काफी ज्यादा हॉट नजर आ रही है। कियारा आडवाणी ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में रेड कलर का बेहद ही फिटिंग का ड्रेस पहना हुआ है और उसमें एक्ट्रेस का क्लीवेज भी साफ नजर आ रहा है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख फैंस भी काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। कियारा आडवाणी ने इस लुक में अपने बालों को भी खुला रखा हुआ है और काफी न्यूड एंड ग्लौसी मेकअप के साथ में उन्होंने अपने इस लुक को कंप्लीट कर लिया है। फैंस भी जमकर एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर कमेंट और तारीफें करते हुए नजर आ रहे हैं।

पत्नी के बर्थडे पर बेकाबू हुआ ये स्टार, जालीदार कपड़ों में देख दिल खो बैठे

टेलीविजन स्टार धीरज धूपर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस के लिए काफी मशहूर हैं। अब एक बार फिर से धीरज के सोशल मीडिया अपडेट ने हर किसी को दिल को जोरों से धड़का दिया है। दरअसल, इस हैंडसम हंक ने अपनी पत्नी विन्नी अरोड़ा को बेहद शानदार पोस्ट के साथ बर्थडे विश किया है। धीरज धूपर ने विन्नी अरोड़ा के साथ अपने बेहद कोजी और रोमांटिक तस्वीरें पोस्ट करते हुए प्यारा सा कैप्शन दिया है। तस्वीरों में विन्नी जालीदार श्रग के नीचे ब्लैक बिकिनी पहने दिखाई दे रही हैं जो कि उनके लुक को बेहद बोल्ड टच दे रहा है।

तस्वीरों में ये स्टार कपल पूरी तरह से एक दूसरे में खोया दिखाई दे रहा है। रोमांटिक होकर कभी

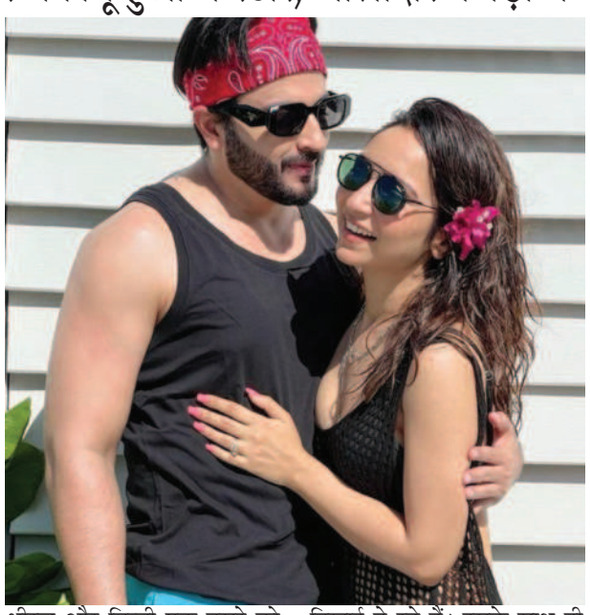

धीरज और विन्नी एक दूसरे को निहार रहे हैं तो कभी किस करते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही धीरज विन्नी को पीछे से कोजी होकर होल्ड किए हुए हैं। विन्नी के साथ कोजी तस्वीरें शेयर करते हुए धीरज ने लिखा, जीवन हमें जहां भी ले जाए, पृथ्वी पर मेरी पसंदीदा जगह वही रहेगी - वह है आपके साथ रहना। जन्मदिन मुबारक हो जानेमन।

बता दें कि धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा पिछले साल ही 10 अगस्त को माता-पिता बने। कुछ दिनों के बाद उन्होंने अपने बच्चे की पहली झलक दिखाई। जहां धीरज की तस्वीर में उनकी एक उंगली पकड़े हुए उनका बेटा था, वहीं विन्नी की तस्वीर में उनके बेटे के दो छोटे पैर थे। फोटो शेयर करते हुए धीरज ने लिखा, 'एकमात्र जगह जहां मैं रहना चाहता हूं।' न्यू मॉम विन्नी ने कैप्शन में लिखा, 'अब मेरे पास तुम दोनों हो।'

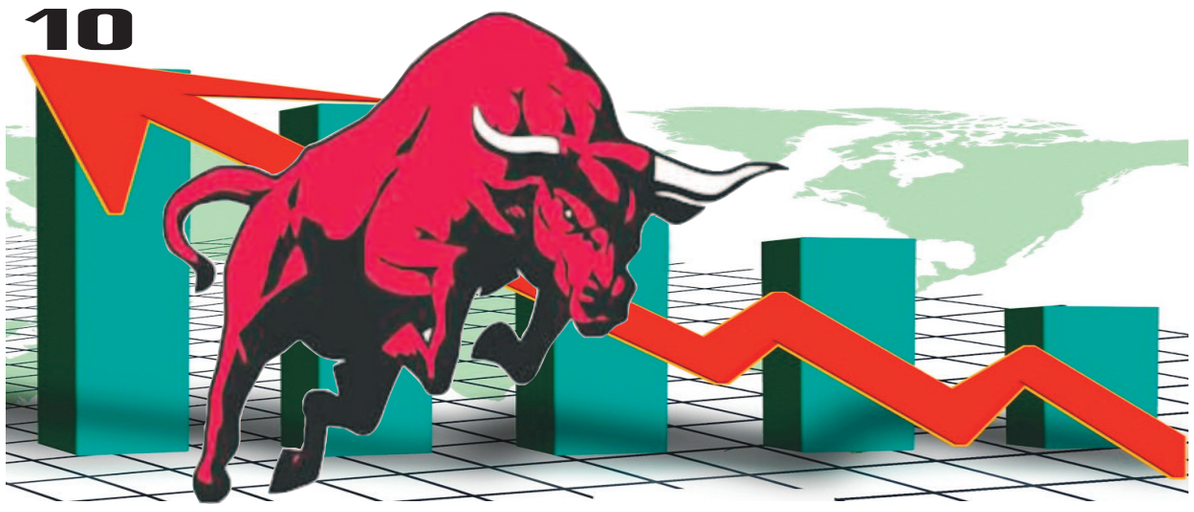

एक दशक में पहली बार गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्य भारत दौरे पर, पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दुनिया की दिग्गज इवेंस्टमेंट बैंकिंग, सिक्योरिटिज और इवेंस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्य इन दिनों भारत दौरे पर हैं। और बोर्ड के सदस्यों ने अपने दौरे के अहम पड़ाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्यों के साथ मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने उन्हें बताया कि विश्व की दिग्गज कंपनियों के लिए भारत में अपार संभानवाएं और अवसर है। इस मुलाकात को लेकर प्रधानमंत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा कि गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्यों और प्रमुख नेतृत्व के साथ बेहद सार्थक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने हाल ही में भारत में किए गए

सुधारों और व्यापार के अनुकूल वातावरण से प्रेरित भारत की विकास की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने इस बारे में भी चर्चा किया कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत किस प्रकार अनेक अवसरों ऑफर कर रहा है। 12 सदस्यीय गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्यों और प्रमुख नेतृत्व एक दशक में पहली बार बारत का दौरा कर रहे हैं। कंपनी ने 2004 में बैंगलुरू में पहली बार अपना दफ्तर खोला था और अब तक कंपनी ने 2006 के बाद से भारत में 7 बिलियन डॉलर के करीब रकम निवेश किया है। गोल्डमैन सॉक्स के बोर्ड के सदस्यों और प्रमुख नेतृत्व के साथ प्रधानमंत्री की ये मुलाकात बेहद मायने रखती है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका दौरे के दौरान उन्होंने अमेरिका की दिग्गज कंपनियों के सीईओ और प्रमुखों से मुलाकात की है, जिसमें टेस्ला के एलन मस्क, एप्पल के सीईओ टीम कुक, अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला शामिल है। पीएम मोदी ने उन्हें भारत में निवेश की अपार संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे के दौरान माइक्रोन टेक्नोलॉजी के साथ गुजरात में 2।75 बिलियन डॉलर की लागत सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने को लेकर डील हुई है।

विदेश में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर फिलहाल नहीं लगेगा कोई टैक्स

सरकार ने तीन महीने के लिए टाला फैसला

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने 28 जून को एक बड़ा फैसला लेते हुए विदेशों में क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च पर टीसीएस का ज्यादा रेट लागू करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। सरकार ने पांच फीसदी टीसीएस को 1 जुलाई से बढ़ाकर 20 फीसदी करने का निर्णय लिया था। सरकार के 28 जून के एलान के अब यह फैसला 1 अक्तूबर 2023 से लागू होगा। सरकार के ताजा फैसले के अनुसार 7 लाख रुपए तक के इंटरनेशनल टूर पैकेज पर 5% का ही टीसीएस काटा जाएगा। क्रेडिट कार्ड के जरिए विदेशों में खर्च फिलहाल उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत नहीं आएगा। ऐसे में इस पर स्रोत पर कर (टीसीएस) कटौती भी नहीं होगी। वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को बताया गया कि सरकार ने यात्रा पैकेज समेत विदेशों में धन भेजने के लिए उच्च दर से टीसीएस (स्रोत पर कर कटौती) काटे जाने के फैसले को तीन महीने तक के लिए टालने का फैसला किया है। यानी फिलहाल 30 सितंबर तक टीसीएस शुल्क लगाने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न पक्षों और माध्यमों से मिले विचारों और सुझावों के बाद फैसले में कुछ बदलाव करने पर सहमति बनी है। सबसे पहले यह निर्णय लिया गया है कि एलआरएस के तहत सभी उद्देश्यों और विदेश यात्रा टूर पैकेज के लिए प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष सात लाख रुपये तक की राशि के लिए टीसीएस की दर में कोई बदलाव नहीं होगा। भले ही भुगतान किसी भी तरीके से क्यों न किया गया हो। मंत्रालय ने कहा कि संशोधित टीसीएस दरों के क्रियान्वयन और एलआरएस में क्रेडिट कार्ड भुगतान को शामिल करने के लिए अधिक समय देने का भी निर्णय किया गया है।

अमेरिका के महान प्रवासियों की सूची में शामिल किए गए विश्व बैंक के मुखिया अजय बंगा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा का नाम एक प्रतिष्ठित परोपकारी संगठन की ओर से तैयार की गई 2023 की ग्रेट इमिग्रेंट्स (महान प्रवासियों) की सूची में शामिल किया गया है। अपने योगदान और कार्यों से अमेरिका और उसके लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत करने प्रवासियों को इस सूची में शामिल किया गया है। इसी महीने (जून 2023) में विश्व बैंक के प्रमुख बने बंगा संस्थान का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय मूल के अमेरिकी हैं। वह कार्नेगी कॉर्पोरेशन ऑफ न्यूयॉर्क की ओर से बनाई गई इस वर्ष की महान प्रवासियों की सूची में शामिल भारतीय मूल के एकमात्र व्यक्ति हैं। कार्नेगी कॉर्पोरेशन की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रमुख पदों पर 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, 63 वर्षीय बंगा से गरीबी और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व बैंक में परिवर्तनकारी नीतियों की शुरुआत करने की उम्मीद है, इससे दुनिया भर के लोगों के लिए अवसर खुलेंगे। कार्नेगी के अनुसार बंगा ने इस बात पर कुछ विचार पेश किए कि कैसे विविधता ने उन्हें एक नेता के रूप में सफल होने में मदद की। दिन के अंत में, यदि आप अपने आप को उन लोगों के साथ देखते हैं जो आपके जैसे दिखते हैं, जो आपकी तरह चलते हैं और आपकी तरह बात करते हैं, और उन्हीं स्थानों पर बड़े हुए हैं जहां आपने अपनी पिछली नौकरियों में आपके साथ काम किया था। तब आपको अपने आस-पास के लोगों को काम पर रखने की सुविधा की भावना होगी पर यह गलत होगा। ऐसा करने से आप नए अवसरों को खो देंगे। बंगा ने अपने करियर की शुरुआत भारत में की थी। वे 13 वर्षों तक नेस्ले इंडिया से जुड़े गए। वे दो वर्षों के लिए पेप्सीको से भी जुड़े। 1996 में वे सिटीग्रुप से जुड़े और एशिया पेसिफिक क्षेत्र के सीईओ के रूप में काम किया। अमेरिका आने के बाद बंगा ने मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में 12 वर्षों तक काम किया। विश्व बैंक का मुखिया चुने जाने से पहले, बंगा जनरल अटलांटिक में उपाध्यक्ष थे। वे साइबर रेडीनेस इंस्टीट्यूट के सह-संस्थापक भी हैं और न्यूयॉर्क के इकोनॉमिक क्लब के उपाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने काम किया है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के डिलिस्टिंग को मिली मंजूरी

कंपनी के 100 शेयर्स के बदले मिलेंगे आईसीआईसीआई बैंक के 67 शेयर्स

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के डिस्लिटिंग को कंपनी की बोर्ड की बैठक में मंजूरी मिल गई है। देश की पांचवीं सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकरेज कंपनी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज डिलिस्टिंग के बाद अपनी पैरेंट कंपनी आईसीआईसीआई बैंक की सब्सिडियरी कंपनी बन जाएगी। डिलिस्टिंग के बाद आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के निवेशकों को 100 शेयर के बदले में 67 आईसीआईसीआई बैंक के शेयर अलॉट किए जायेंगे। कई प्रकार के रेग्यूलेटरी अप्रूवल के चलते डिलिस्टिंग की प्रक्रिया को पूरा होने में 12 से 15 महीने का समय लग सकता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रेग्यूलेटरी फाइलिंग में कहा गया कि बैंक और कंपनी के बिजनेस में काफी तालमेल है। बैंक पर

इक्विटी ब्रोकिंग व्यवसाय विभाग चलाने को लेकर रेग्यूलेटरी प्रतिबंधों के कारण विलय के माध्यम से एकीकरण की अनुमति नहीं है। गुरुवार को कंपनी के बोर्ड की बैठक में डिलिस्टिंग प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई, जिसके अनुसार आईसीआईसीआई बैंक अब आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के इक्विटी शेयरों को रद्द करने के बदले शेयरधारकों को इक्विटी शेयर जारी करेगा। बहरहाल आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की डिलिस्टिंग के लिए आईसीआईसीआई बैंक के साथ कंपनी के शेयरहोल्डर्स, क्रेडिटर्स से मंजूरी लेनी होगी।

इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक, एनसीएलटी, स्टॉक एक्सचेंजों के अलावा दूसरे रेग्यूलेटरी अप्रूवल लेने होंगे। ब्रोकरेज कारोबार में इन दिनों जीरोधा और Groww जैसे ब्रोकरेज फर्म्स का दबदबा है। 6.8 फीसदी मार्केट शेयर के साथ आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज पांचवें स्थान पर है। मई 2023 के आखिर तक कंपनी के पास 2. 1 एक्टिव क्लाइंट्स मौजूद थे। साल 2018 आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का आईपीओ आया था। 520 रुपये प्रति शेयर इश्यू प्राइस था लेकिन 431 रुपये पर शेयर लिस्ट हुआ था। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की डिलिस्टिंग की वजह ये भी है कि स्टॉक अंडरपरफॉर्म कर रहा था। डिलिस्टिंग के बाद स्टॉक में थोड़ी तेजी देखने को मिली है।

संचालन शुरू करने की मंजूरी देने से पहले दस्तावेजों की जांच करेगा डीजीसीए, ये है प्लान

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विमानन नियामक डीजीसीए गो फर्स्ट के पुनरोद्धार योजना से संबंधित दस्तावेजों की जांच करेगा और विमानन कंपनी को परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति देने से पहले परिचालन तैयारियों का ऑडिट भी करेगा।अधिकारियों ने बताया कि तीन मई से उड़ानें बंद करने वाली गो फर्स्ट के मौजूदा प्रबंधन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों के साथ पुनरुद्धार योजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बता दें कि वाडिया परिवार के स्वामित्व वाली बजट एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया में है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार एयरलाइन के ईवाई समर्थित समाधान पेशेवर शैलेंद्र अजमेरा और अंतरिम सीईओ कौशिक खोना ने पुनरोद्धार योजना पर डीजीसीए के अधिकारियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति दी। दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद डीजीसीए एयरलाइन की परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए ऑडिट भी करेगा। एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि ऑडिट अगले सप्ताह होने की उम्मीद है। दूसरे सूत्र ने कहा कि उड़ान बंद होने से पहले एयरलाइन 29 घरेलू गंतव्यों के लिए परिचालन कर रही थी। पुनरुद्धार योजना के तहत गंतव्यों की संख्या घटाकर 23 की जानी है। सूत्र ने कहा कि एयरलाइन जब परिचालन फिर से शुरू करेगी तो वह फिलहाल जयपुर, लखनऊ, कन्नूर, पटना, वाराणसी और रांची से उड़ानों का संचालन नहीं करेगी। सूत्र के अनुसार, ऋणदाताओं ने लगभग 450 करोड़ रुपये की अंतरिम फंडिंग की प्रतिबद्धता जताई है, यह देखते हुए कि एक दिन के संचालन पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। एक सूत्र ने कहा कि एयरलाइन के पास पर्याप्त श्रमबल है जिसमें करीब 300 पायलट हैं। 10 जून को बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और ड्यूश बैंक की सदस्यता वाली एयरलाइन की लेनदारों की समिति (सीओसी) के गठन के बाद पुनरुद्धार प्रक्रिया में तेजी आई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	01-02 बजे
चंद्र-	तुला में	वृष--	02-48 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	04-49 बजे
बुध-	मिथुन पें	कर्क...	07-00 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	09-11 बजे
शुक्र-	कर्क पें	कन्या...	11-20 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-24 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	15-34 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	17-48 बजे
		मकर..	19-55 बजे
		कुंभ...	21-45 बजे
		मीन ..	23-23 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-48** सूर्य अस्त- **18-50**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल .. पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **01 -17** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **June 30**
नक्षत्र - विशाखा - **16- 09** - तक उपरान्त अनुराधा
योग - साध्य - **01 - 31** - तक उप शुभ
करण- बव - **14 -05** - तक उप- बालव
विशेष:- सिंह मे मंगल रातसे
व्रत -त्योहार - देवशयनी ११ व्रत निम्बा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:41 से 12:20 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:48 - 07:25 शुभ	रोग	18:50 - 20:15 अशुभ
लाभ	07:25 - 09:03 शुभ	काल	20:15 - 21:37 अशुभ
अमृत	09:03 - 10:41 शुभ	लाभ	21:37 - 22:58 शुभ
काल.	10:41 - 12:20 अशुभ	उत्पात	22:58 - 00:20 अशुभ
शुभ.	12:20 - 13:58 शुभ	शुभ	00:20 - 01:42 शुभ
रोग	13:58 - 15:36 अशुभ	अमृत.	01:42 - 03:03 शुभ
उत्पात	15:36 - 17:15 अशुभ	चंचल	03:03 - 04:25 शुभ
चंचल	17:15 - 18:50 शुभ	रोग	04:25 - 05:48 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी निरंतर सकारात्मक सोच का प्रतिफल मिलेगा। जैसा कि आपको अपने प्रयास में सफलता मिलने की संभावना है। वित्त को संभालते समय अतिरिक्त सावधानी और देखभाल समय की बात लगती है। शाम को अपने परिवार के साथ कैंडल लाइट डिनर में एन्जॉय करें और इसे खास दिन बनाएं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप पाएंगे कि आप में आम दिनों की तुलना में कम ऊर्जा है- अपने आप पर अतिरिक्त काम का बोझ न डालें-थोड़ा आराम करें और अपने अपॉइंटमेंट को किसी और दिन के लिए फिर से शेड्यूल करें। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने बजट पर टिके रहें। मित्रों का साथ सुख प्रदान करेगा। प्रेम के सुख का अनुभव कर सकते हैं।

मिथून (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपका रूखा व्यवहार उल्टा पड़ेगा। शिष्टता की आदत विकसित करने का यह सही समय है क्योंकि एक विनम्र व्यक्ति अप्रिय टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचता है, लेकिन अगर उसे ऐसा करना ही है तो बड़ी चतुराई और सज्जनता के साथ अपरिहार्य है। आज आपको ऐसे दोस्तों से दूर रहने की जरूरत है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

कुल मिलाकर स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन यात्रा भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण साबित होगी। आर्थिक तौर पर आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आप आज मौद्रिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते आप वास्तव में कड़ी मेहनत करें। बच्चे घर के कामों को पूरा करने में आपकी मदद करते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

शाम को कुछ देर आराम करें। आज आपको जमीन, जमीन-जायदाद या सांस्कृतिक परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। दोस्त और रिश्तेदार एहसान करेंगे और आप उनकी कंपनी में काफी खुश रहेंगे। आज आपका प्रेमी खुलकर अपनी भावनाएं आपके सामने नहीं रख पाएगा जिससे आप परेशान हो सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

लंबी बीमारी से मुक्ति मिल सकती है। माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपके मामा या नाना से आपकी आर्थिक मदद संभव है। परिवार के लोग बहुत मांग करेंगे। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज बहुत याद आ सकती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास से अपने आसपास के लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके कुछ सहकर्मियों की वजह से आज आपकी छवि खराब हो सकती है। नतीजतन, आपकी वेतन वृद्धि स्थगित हो सकती है, जिससे सीधे वित्तीय नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

बहुत अधिक यात्राएं आपको उन्माद में डाल देंगी। आज आप किसी खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान को ठीक कराने में धन खर्च कर सकते हैं। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने के लिए अपने दृष्टिकोण में उदार रहें, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन लोगों को ठेस न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

यह आपके भाग्यशाली दिनों में से एक नहीं है, इसलिए आज अपने शब्दों का ध्यान रखें- क्योंकि एक साधारण सी बातचीत पूरे दिन खिंच सकती है, जिससे बहस और तनावपूर्ण क्षण हो सकते हैं। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से उधार लिया था उन्हें आज वह पैसा किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपका स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहने के आसार हैं। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आशीर्वाद के रूप में मनोकामना पूरी होगी और सौभाग्य आपके रास्ते में आएगा- और पिछले दिनों की मेहनत के परिणाम के रूप में।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए भ्रम और हताशा से बचें कुछ अतिरिक्त धन कमाने के लिए अपने नवीन विचारों का उपयोग करें। बुजुर्ग और परिवार के सदस्य प्यार और देखभाल प्रदान करते हैं। आपके प्रिय के साथ कुछ अनबन हो सकती है- आपको अपने साथी को अपनी स्थिति समझाने में कठिनाई होगी।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में दिक़्क़त महसूस करेंगे- क्योंकि आज आपकी सेहत ठीक नहीं रहेगी। आपके ख़र्चों में वृद्धि होगी जो आपके मन को परेशान करेगा। जीवनसाथी आपको धूम्रपान से छुटकारे के लिए प्रोत्साहित करेगा। दूसरी बुरी आदतों से भी छुटकारा पाने का सही समय है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

रिकॉर्ड हाई पर एपल का शेयर:कंपनी का स्टॉक करीब 190 डॉलर का हुआ

मार्केट कैप भी 3 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंचा

कैलिफोर्निया, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी कंपनी एपल का शेयर बुधवार (28 जून) को रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। एपल का शेयर 1.19 डॉलर यानी 0.63% बढ़कर 189.25 डॉलर पर बंद हुआ था। इसके साथ ही एपल का मार्केट कैप भी करीब 3 ट्रिलियन डॉलर ($2.98 ट्रिलियन) के पास पहुंच गया है। रिफाइनिटिव डेटा के अनुसार, यह एपल के शेयरों के लिए लगातार दूसरा रिकॉर्ड हाई लेवल है। एपल ने अभी तक 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ ट्रेडिंग सेशन क्लोज नहीं किया है। 3 जनवरी 2022 को इंट्रा-डे ट्रेडिंग में एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच गया था और ट्रेडिंग सेशन क्लोज होने पर उस लेवल के नीचे आ गया था। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में लेटेस्ट बढ़त इस साल वॉल स्ट्रीट की कई टेक्नोलॉजी से जुड़ी दिग्गज कंपनियों के मजबूत रिबाउंड के बाद आई है। फेडरल रिजर्व जल्द ही अमेरिकी ब्याज दरों को कम कर सकता है और आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का भविष्य अच्छा हो सकता है। यही वजह है कि एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। 2023 में अब तक एपल के शेयर में 46% की तेजी देखने को मिली है। इसी टाइम ड्यूरेशन में Nvidia का शेयर 185% बढ़ा है।

रिटर्न भरते समय न करें ये गलतियां,वर्ना इनकम टैक्स थमा देगा नोटिस

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न भरकर लोग बेफिक्र हो जाते हैं कि अब तो कोई टेंशन नहीं, लेकिन ऐसा नहीं है। रिटर्न भरने के बाद भी नोटिस आ सकता है। टैक्सपेयर को कई तरह के नोटिस आते हैं। टैक्स और इनकम में अंतर दिखता है तो नोटिस आ सकता है। रिटर्न में भारी-भरकम रिफंड क्लेम करते हैं तो नोटिस थमाया जा सकता है। आइए जानते हैं कितने तरह के होते हैं इनकम टैक्स नोटिस और ये क्यों आते हैं? आयकर नोटिस कई तरह के होते हैं। ये इस बात पर निर्भर करता है नोटिस किसी व्यक्ति, बिजनेस या कंपनी को भेजा जा रहा है। करीब 15 से 20 तरह के नोटिस हैं। इनमें से कुछ नोटिस ऐसे हैं जो व्यक्ति को भेजे जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे चुनिंदा नोटिस के बारे में जो आमतौर पर आते हैं। सेक्शन 142: अगर किसी व्यक्ति ने आईटीआर नहीं भरा है तो आयकर अधिकारी सेक्शन 142 के तहत नोटिस देकर रिटर्न भरने के लिए कह सकते हैं। छोटी-मोटी जानकारी या स्पष्टीकरण मांगने के लिए भी इस धारा के तहत नोटिस भेजे जा सकते हैं। सेक्शन 143 (2): ये स्क्रूटनी का नोटिस होता है। इसका मतलब है कि आयकर विभाग आपसे कुछ और गहन जानकारी चाहता है। इसके तहत बुक ऑफ अकाउंट्स, बैंक स्टेटमेंट जैसी कई जानकारियां मांगी जा सकती हैं। इनके आधार पर असेसमेंट किया जाएगा। रिटर्न भरने पर ही यह नोटिस आता है। सबसे ज्यादा स्क्रूटनी के ही नोटिस आते हैं। सेक्शन 144: इसे बेस्ट जजमेंट असेसमेंट कहते हैं। अगर आपने आईटीआर फाइल नहीं किया या 142 या 143 (2) के तहत जारी नोटिस का जवाब नहीं दिया तो आयकर अधिकारी सेक्शन-144 के तहत नोटिस भेज सकता है। ऐसे में अधिकारी मौजूदा जानकारी के आधार पर इनकम का आकलन करके उसके ऊपर कर, ब्याज और जुर्माना लगा सकता है। सेक्शन 147/148/149: अगर अधिकारी को लगता है कि आपकी इनकम का पहले जो असेसमेंट हुआ है उसमें कुछ आय शामिल नहीं है या फिर कोई आपकी कोई ऐसी इनकम है जिसका खुलासा पहले नहीं हुआ है तो ये नोटिस आ सकते हैं। सेक्शन 143(1): इसके तहत नोटिस तब आता है जब आपने आईटीआर में कोई गलती की है या फिर गलत जानकारी दी है। ऐसे में आयकर अधिकारी नोटिस जारी करके आपका पक्ष पूछता है। जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर आपकी इनकम बढ़ाई या डिडक्शन घटाया जा सकता है।

मरीजों को भी मिले दवाओं की लागत में कमी का लाभ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान 23 जून को दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण करार हुए हैं, उनमें फॉर्मास्युटिकल आपूर्ति श्रृंखला और टीके के लिए कच्चे माल को लेकर जो सहमति बनी है, उससे भारत के दवा उद्योग को तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। इसी के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इंडियन फॉर्मास्युटिकल अलायंस द्वारा आयोजित क्वालिटी फोरम में जानकारी दी कि दवा उद्योग के लिए स्व-नियामकीय संस्था बनाने की योजना है, जो निरंतर दवा उद्योग का आकलन करेगी। इसके बावजूद भारतीय दवाओं से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर कई सुधार की जरूरत है। ग्राहकों के हितों के

मद्देनजर गुणवत्ता और दवाई के मूल्य कम किए जाने के लिए अभी और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। गौरतलब है कि इस समय भारत दुनिया में फॉर्मा के नए हब के रूप में रेखांकित हो रहा है। जो भारतीय दवा उद्योग कोई पांच दशक पहले केवल विदेशी कंपनियों और ब्रांड पर निर्भर रहता था, वही अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों से जोरदार प्रतिस्पर्धा कर रहा है। नए आंकड़े बता रहे हैं कि देश में 3,000 से अधिक दवा कंपनियां हैं, 10,500 से अधिक क्रियाशील दवाई उत्पादक इकाइयां हैं तथा भारत 185 से अधिक देशों को दवाओं का निर्यात करता है। भारतीय दवा उद्योग उत्पादन के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है और दवाई के मूल्य के मामले में 14वें स्थान पर है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय विश्व की करीब 70 फीसदी जेनेरिक दवाओं का निर्माण भारत में होता है। जेनेरिक दवाओं की अफ्रीका की कुल मांग का 50 फीसदी, अमेरिका की मांग का 40 फीसदी तथा ब्रिटेन की कुल मांग का 25 फीसदी हिस्सा भारत से ही जाता है। दुनिया के कोई 50 फीसदी से अधिक विभिन्न टीकों का उत्पादन भी भारत में होता है। साथ ही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआइ) योजना और विभिन्न देशों के साथ हो रहे मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बदौलत फार्मा क्षेत्र का कारोबार वर्तमान 50 अरब डॉलर से छलांग लगाकर अगले दो वर्षों में 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस समय दुनिया के फॉर्मा सेक्टर में भारत के तेजी से आगे बढ़ने के कई कारण हैं। कोविड-19 और रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया भर में जिस तरह दवा की आपूर्ति बाधित हुई है, उसका लाभ भारत को मिल रहा है। भारत में दवा उत्पादन की लागत अमेरिका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है।

किसानों ने 1 रुपए किलो बेचा, अब कीमत 100 के पार

टमाटर की किल्लत के लिए सिर्फ बारिश जिम्मेदार नहीं

हैदराबाद, 29 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 19 मई 2023 की खबर है। नासिक की कृषि उपज मंडी में किसान अपने टमाटर बेचने पहुंचे। मंडी में टमाटर की बोली 1 रुपए प्रति किलो लगी। कई किसान मंडी में बेचने की बजाय टमाटर वहीं सड़क पर फेंक कर चले गए। अब एक महीने बाद की विडंबना देखिए। किसानों से 1 रुपए किलो टमाटर खरीदने की आढती तो मालामाल हो गए लेकिन आज वही टमाटर एक महीने बाद ही बाजार में 110 से 120 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। मजेदार बात तो यह है कि रोज के ग्राहक को सब्जी वाले 10 रुपए डिस्काउंट देने का एहसान भी जता रहे हैं।

तरह -तरह के अजीब तर्क दिए जा रहे हैं कि टमाटर की कीमतों में अचानक उछाल मानसून और बारिश की वजह से आई है। इस मौसम में टमाटर की कीमतें हर साल बढ़ती हैं। आज हम जानेंगे कि टमाटर की किल्लत के पीछे इस बार सिर्फ मानसून जिम्मेदार क्यों नहीं है। मानसून के अलावा कौन-से फैक्टर हैं और ये कीमतों को कब तक बढ़ाकर रख सकते हैं?

टमाटर की कीमतों में उछाल की वजह जानने के लिए टमाटर की पैदावार को समझना जरूरी है। भारत में टमाटर की दो फसलें उगाई जाती हैं। एक रबी सीजन (दिसंबर से जनवरी में बुआई) और दूसरी खरीफ (अप्रैल-मई में बुआई) के सीजन में। टमाटर की फसल लगभग तीन महीने में तैयार हो जाती है और 45 दिनों तक इसे तोड़ने का काम चलता है। रबी की फसल मुख्य रूप से महाराष्ट्र के जुन्नार तालुका, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात और छत्तीसगढ़ में उगाई जाती है। इन इलाकों में 5 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में लगाए टमाटर की फसल की सप्लाई मार्च से अगस्त तक होती है। खरीफ की फसल उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के नासिक और देश के अन्य हिस्सों में उगाई जाती है। 8-9 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में लगाए गए टमाटर की फसल की सप्लाई देश भर के बाजारों में अगस्त के बाद से होती है।

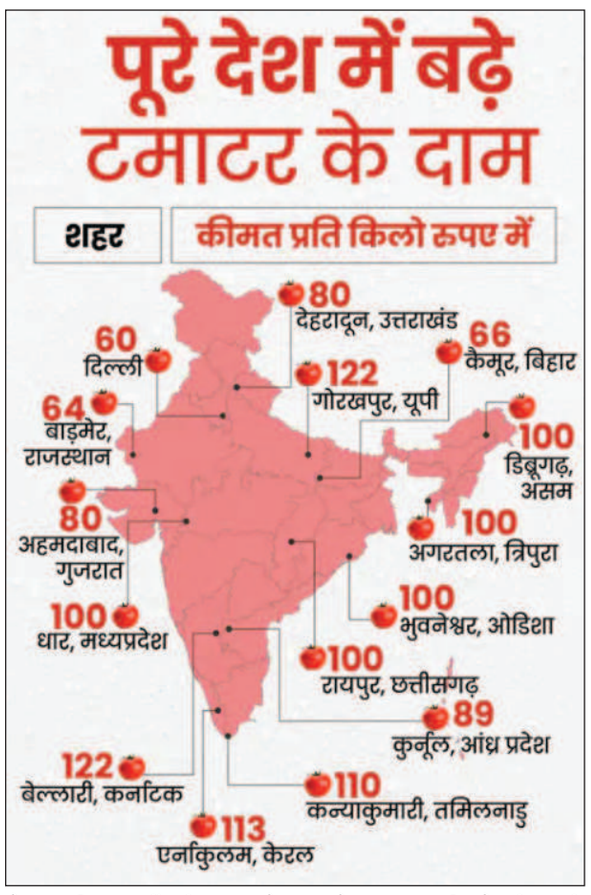

किस वजह से टमाटर के दाम आसमान पर

टमाटर की मौजूदा महंगाई की सबसे बड़ी वजह भारी बारिश है। टमाटर जल्दी खराब होने वाली सब्जी है। इसलिए इसकी निरंतर सप्लाई जरूरी है। पिछले कुछ दिनों से कर्नाटक, तेलंगाना समेत दक्षिणी राज्यों के साथ कुछ पहाड़ी राज्यों में भी भारी बारिश हुई है। इससे टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचा है और सप्लाई में बाधा आई है। जमीन पर मौजूद टमाटर के पौधे हाल की बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हो गए थे। सिर्फ वे पौधे जो तारों के सहारे खड़े होते हैं, बच गए। यानी फसलों को नुकसान होने से सप्लाई प्रभावित हुई इसलिए कीमतें बढ़ गई हैं।

रबी के सीजन यानी दिसंबर-जनवरी में बोए गए टमाटर की फसल पर इस बार गर्मी की मार पड़ी। दक्षिण भारत में इसकी वजह से टमाटर में लीफ कर्ल वायरस से उसकी फसलों को काफी नुकसान हुआ। महाराष्ट्र में सर्दी कम पड़ने और मार्च-अप्रैल में अत्यधिक गर्मी की वजह से ककड़ी वायरस के हमले देखे गए। इस वजह से टमाटर के पौधे सूख गए। कर्नाटक के कोलार में व्हाइट फ्लाई कीट के चलते टमाटर की फसल को नुकसान हुआ। इससे टमाटर की सप्लाई में कमी आई।

इस साल मार्च-अप्रैल में टमाटर की खेती से जुड़े किसानों को झटका लगा। थोक बाजार में मार्च में टमाटर की औसत कीमत 5 से 10 रुपए किलो थी। वहीं अप्रैल में यह लगभग 5 से 15 रुपए प्रति किलो थी। मई में किसानों को 2.50 से 5 रुपए प्रति किलो के बीच बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। महाराष्ट्र के सतारा जिले के फलटन तालुका के मिरेवाडी गांव के टमाटर उत्पादक अजीत कोर्डे ने कहा कि कीमतों में कमी की वजह से कई किसानों ने अपनी फसलें खेत में ही छोड़ दीं। इससे मार्केट में कम टमाटर आए। पिछले दो साल से नुकसान झेल रहे किसानों ने इस बार टमाटर की बुआई कम की। 2020 और 2021 में टमाटर की बंपर फसल हुई और कम कीमत की वजह से किसानों को अपनी उपज डंप करनी पड़ी।

इस वजह से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में किसानों ने इस साल टमाटर के उत्पादन में कटौती की और फूल उगाए। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों की तुलना में इस बार टमाटर का उत्पादन आधा हो गया।

कर्नाटक में किसानों ने बीन्स के लिए टमाटर का त्याग कर दिया। कर्नाटक के कोलार में कई किसानों ने इस साल बीन्स की खेती की, क्योंकि पिछले साल बीन्स ने काफी ज्यादा मुनाफा दिया था। ऐसे में जिले में टमाटर की फसल सामान्य से केवल 30% ही हो सकी।

टमाटर की कीमतें कब तक घटेंगी?

टमाटर की कीमतें सस्ती होने के लिए जरूरी है कि मार्केट में डिमांड के मुकाबले सप्लाई बढ़ जाए। हालांकि जल्द सप्लाई बढ़ने की उम्मीद नहीं है।

एक उदाहरण से समझते हैं। वर्तमान में महाराष्ट्र की नारायणगांव थोक बाजार में प्रतिदिन औसतन 24,000-25,000 क्रेट टमाटर (प्रत्येक में 20 किलो) आ रहा है। आम तौर पर इन दिनों मंडी में 40,000 क्रेट टमाटर आता है। खरीफ सीजन में बोए जाने वाले टमाटर की सप्लाई जुलाई लास्ट और अगस्त तक होगी। कर्नाटक जैसे राज्यों से नई खेप आने से टमाटर की सप्लाई बढ़ जाएगी। इससे दाम भी कम होंगे। लास्ट क्रॉप साइकिल यानी फसल चक्र खत्म हो गया है और एक नया चक्र शुरू होगा। उन्होंने कहा कि नई फसल को बाजार में आने में 20-25 दिन लगेंगे। इसके बाद कीमतों में कमी आने की उम्मीद है।

सरकारों ने क्या कोई कदम उठाए हैं?

टमाटर के दाम भले ही बढ़ गए हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि कीमतों की निगरानी और नियंत्रण का उपाय करने वाले उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 540 में से 100 शहरों में टमाटर 30 रुपए से भी सस्ता है।

इसके अलावा केंद्र सरकार सब्जियों के अचानक दाम बढ़ने से रोकने के लिए आम जनता से सुझाव मांगेगी। यानी अचानक कैसे टमाटर 100 रुपए प्रति किलो हो जाता है? फिर 5-10 रुपए किलो बिकने लगता है? अगले कुछ दिनों में ग्रैंड टोमैटो चैलेंज लॉन्च किया जा रहा है। इसमें उत्पादन, प्रोसेसिंग और स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के आइडिया मांगे जाएंगे।

वहीं तमिलनाडु के फूड एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट के मंत्री ने कहा कि गरीबों और मिडिल क्लास के लिए पूरे राज्य में फार्म फ्रेश आउटलेट्स यानी एफएफओ पर कम कीमत में टमाटर बेचे जाएंगे। एफएफओ में एक किलो टमाटर 68 रुपए में मिलेगा। उन्होंने बताया कि एफएफओ टमाटर 60 रुपए किलो में बेचने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

सीएम भूपेश ने मिठाई खिलाकर सिंहदेव का किया स्वागत

मुख्यमंत्री निवास जाकर बघेल से मिले टीएस कहा- जल्द पूरा करेंगे घोषणा पत्र के वादे

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। टीएस सिंहदेव छत्तीसगढ़ के पहले डिप्टी सीएम बनेंगे। दिल्ली दौरे से वे राजधानी लौट आए हैं। रायपुर एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े बजाकर उनका स्वागत किया। कांग्रेस के कई नेता भी वहां मौजूद हैं। सिंहदेव के साथ प्रदेश प्रभारी कुमार सेलजा, मोहन मरकाम भी साथ लौटे हैं। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान सिंहदेव ने कहा कि हाईकमान ने जो जिम्मेदारी दी है, विधानसभा चुनाव में इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। भारी मतों से जीत दर्ज कर प्रदेश में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र के कई वादों को हमने पूरा कर दिया है। बाकी वायदों को भी हमारी सरकार जल्द पूरा करेगी। अंबिकापुर से भी भारी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता सिंहदेव के स्वागत के लिए रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे हैं। अंबिकापुर शहर में भी टीएस की भव्य स्वागत करने की तैयारी की जा रही है।

एयरपोर्ट से निकलकर सिंहदेव मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की। सीएम ने सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाये जाने पर मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान वहां कुमारी सेलजा, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव प्रदेश के पहले डिप्टी सीएम होंगे। बुधवार रात कांग्रेस अध्यक्ष ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी । बुधवार को दिल्ली में दिनभर चली कांग्रेस की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिंहदेव को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, हैं तैयार हम। महाराजा साहब को बधाई। कांग्रेस के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि ये नाराज खेमे को खुश करने की कोशिश है।

नंदकुमार साय को कैबिनेट मंत्री का दर्जा

औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष बनाए गए, सीएम भूपेश बघेल ने दी बधाई

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। हाल ही में बीजेपी से कांग्रेस में शामिल हुए आदिवासी नेता नंदकुमार साय को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य औद्योगिक विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया है। राज्य सरकार द्वारा साय को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साय को नए दायित्व के लिए ट्वीट कर बधाई और शुभकामनाएं दी है। बता दें कि नंदकुमार साय सरगुजा क्षेत्र के कद्दावर आदिवासी नेता हैं।

नंदकुमार साय के बारे में जानें?

बीजेपी के एक प्रमुख आदिवासी चेहरा एवं उत्तरी छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले साय पहली बार 1977 में मध्यप्रदेश में तपकरा सीट (अब जशपुर जिले में) से जनता पार्टी के विधायक चुने गए थे। वह 1980 में बीजेपी की रायगढ़ जिला इकाई के प्रमुख चुने गए। वह 1985 में तपकरा से बीजेपी विधायक चुने गए। वह 1989, 1996 और 2004 में रायगढ़ से लोकसभा सदस्य और 2009 और 2010 में राज्यसभा सदस्य चुने गए।

साय 2003-05 तक छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष और 1997 से 2000 तक मध्य प्रदेश बीजेपी प्रमुख रहे। नवंबर 2000 में मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद वे छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के पहले नेता बने। साय 2017 में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) के अध्यक्ष बने। बता दें कि वर्तमान में नंद कुमार साय कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए है।

दीवार तोड़कर देर रात घरों में घुसे 5 हाथी ने मचाया उत्पात

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 29 जून (एजेंसियां)। जिले में देर रात हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। पांच हाथियों का दल गांवों में घुस गया और कई मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। दीवार तोड़कर घरों में घुसे हाथियों ने अंदर रखे राशन और धान खा गए। घरों में रखे फ्रिज, कूलर सहित अन्य सामान तहस-नहस कर दिया। सूचना मिलने पर अगले दिन गुरुवार सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। हाथियों के इस तरह से हमले को लेकर ग्रामीणों में दहशत है। वहीं वन विभाग के अफसर निगरानी की बात कह रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मरवाही वन परिक्षेत्र में पिछले एक महीने से पांच हाथियों का दल विचरण कर रहा था।

फर्जी ईडी अधिकारी बनकर व्यापारी से 2 करोड़ की ठगी

ब्लैक स्कॉर्पियो से पहुंचे थे 5 आरोपी, सभी फरार, पुलिस संदिग्धों से कर रही पूछताछ

दुर्ग, 29 जून (एजेंसियां)। दुर्ग में खुद को ईडी का अधिकारी बताकर कारोबारी विनीत गुप्ता से 2 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद इनमें से 2 लोगों को छोड़ दिया गया। अभी नागपुर के एक आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, फर्जी ईडी की टीम बनाकर 5 लोग काले रंग की स्कॉर्पियों से मंगलवार दोपहर दुर्ग के पारख कॉम्प्लेक्स पहुंचे थे। आरोपियों ने सफेद शर्ट और खाकी रंग की पैंट और पुलिस की तरह लाल रंग के जूते पहन रखे थे। वो सीधे पैडी प्रोसेसिंग का

काम करने वाले व्यापारी विनीत गुप्ता के ऑफिस पहुंचे और दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। उन्होंने खुद को ईडी का अधिकारी बताया और कहा कि उन्हें शिकायत मिली है कि वो टैक्स की बड़ी चोरी करता है और बड़ी मात्रा में कैश छिपाकर रखा है। इससे विनीत घबरा गया।

आरोपियों ने विनीत के ऑफिस की तलाशी ली और कुछ दस्तावेज देखे। उन्हें वहां 2 करोड़ रुपए कैश मिला। आरोपियों ने उसकी जब्ती बनाने की बात कहते हुए नगद को गाड़ी में रखा और वहां से फरार हो गए। इसके बाद विनीत गुप्ता रेड के बारे में पता लगाने के लिए मोहन नगर थाने पहुंचा। दो करोड़ रुपए कैश ले जाने की बात सुनते ही हड़कंप मच गया। मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसी बड़ी डीलिंग के लिए ऑफिस में रखा था इतना कैश

मोहन नगर पुलिस के मुताबिक, प्राथमिक जांच में पता चला है कि विनीत गुप्ता टैक्स की चोरी करता था। वो इतनी बड़ी रकम किसी दूसरे व्यापार या प्रॉपर्टी डीलिंग में इनवेस्ट करना चाहता था। उसकी पार्टी से डीलिंग होने वाली थी, उन्हीं को देने के लिए उसने 2 करोड़ रुपए अपने ऑफिस में रखे थे। इससे पहले कि डील होती, 5 ठग ईडी अधिकारी बनकर वहां पहुंच गए और कैश लेकर चलते बने।

थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि अभी जांच चल रही है। ये तो नहीं बताया जा सकता है कि विनीत किस काम में इतनी बड़ी रकम लगाने वाले थे और किसे इतने पैसे देने वाले थे। उन्होंने दूसरी पार्टी पर भी ठगी का शक जताया। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टी को पता था कि विनीत ने अपने ऑफिस में इतना कैश रखा हुआ है। फिलहाल पुलिस इस मामले में कई लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेंगे।

झारखंड और बंगाल में गवर्नर से सरकार का सियासी संग्राम

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड में राज्यपाल की भूमिका पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजभवन भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। उसके बाद सत्ताधारी पार्टी जेएमएम के सीनियर लीडर सुप्रियो भट्टाचार्य ने भी कहा है कि राज्यपाल केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार कर रहे हैं। उनकी भूमिका राज्य सरकार को परामर्श देने की होनी चाहिए, लेकिन राज्यपाल पीएम नरेंद्र मोदी के नौ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रचार कर रहे हैं। जिलों के दौरे पर राज्यपाल जाते हैं तो वे राज्य सरकार की योजनाओं का कहीं जिक्र नहीं करते, उल्टे वे केंद्र सरकार की योजनाओं और

उपलब्धियों का बखान करते हैं। राज्यपाल का काम राज्य सरकार को सलाह देने का होना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और राज्य सरकार का टकराव तो सांढ़-भैंसे की लड़ाई की तरह है। सीएम ममता बनर्जी से लेकर सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के नेता पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ से भी टकराते रहे। उन पर सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के नेता भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाते रहे। नये राज्यपाल सीवी आनंद बोस आए तो उम्मीद थी कि टकराव थमेगा। पर, स्थितियां वहां भी गंभीर हैं। राज्यपाल ने 11 विश्वविद्यालों में वाइस चांसलर (वीसी) की नियुक्ति की तो राज्य सरकार ने नवनियुक्त वीसी की नियुक्ति को अवैध ठहराते हुए उनकी तनख्वाह ही रोक दी। हालांकि हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को खारिज कर दिया है और राज्यपाल की ओर से नियुक्त वीसी को वैध ठहराया है। साथ ही उनका वेतन भी देने का आदेश राज्य सरकार को दिया है।

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्यपाल ने स्थानीय नीति और नियोजन नीति जैसे मसलों पर राज्य सरकार का साथ नहीं दिया। सरना धर्म कोड का बिल भी लौटा दिया। राजभवन भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। उसके बाद से ही यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिल कर उन्हें ज्ञापन दिया।

सीएम सोरेन ने 504 लोगों को सौंपे नियुक्ति पत्र

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कल्याण गुरुकुल, नर्सिंग और कौशल कॉलेज का दौरा किया। यहां उन्होंने 504 छात्रों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कौशल कॉलेज में एक नवनिर्मित कैफे का उद्घाटन किया।

छात्रों को अपने संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के लिए सरकार उनकी आजीविका सुरक्षित करने में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कमजोर वर्गों के छात्रों को आगे लाने का प्रयास कर रही है।

बस स्टैंड में पांच गाड़ियों में लगी आग

दूर-दूर खड़ी थी बस फिर एक साथ बस में कैसे लगी आग, लोगों ने खड़े किए सवाल कहीं साजिश तो नहीं

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। रांची के कांटाटोली खादगढ़ा बस स्टैंड में एक के बाद एक पांच बस में भीषण आग लग गयी। आग इतनी भीषण थी की दूर- दूर तक लपटें दिखाई देने लगी। घटना दोपहर एक बजे के आसपास की बताई जा रही है। बस में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल पाई है लेकिन एक साथ पांच बस में लगी आग ने सभी को हैरान कर दिया है।

यहां मौजूद लोगों को कहना है कि पहले दो बस में आग लगी फिर यहां से दूर खड़ी दो बस में आग लगी। यह कैसे संभव है कि एक साथ दो अलग- अलग जगहों पर आग लगे। यहां मौजूद लोग किसी साजिश की तरफ इशारा कर रहे हैं। खादगढ़ा बस स्टैंड के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। यहां मौजूद लोगों ने बताया कि पहले एक गाड़ी में आग लगी इस तरह एक के बाद

एक पांच गाड़ियों तक यह आग फैल गयी।

आग की सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गयी। मौके पर दो गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। एक घंटे की लंबी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन एक साथ पांच गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा है। गाड़ी में काम करने वाले ड्राइवर और दूसरे कर्मचारी भी हैरान है कि आग ने इतना भयावह रूप ले लिया। आग लगने की वजह क्या है इसका अब तक पता नहीं चल सका है। यह पहली बार नहीं है जब यहां खड़ी बस में आग लगी हो इससे पहले भी इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं।

दूर खड़ी थी बस फिर भी लग गयी आग

खादगड़ा बैस स्डैंड में पहले दो बस में आग लगी, बताया जा रहा है इसके बाद दूर खड़ी दो बस में भी आग लग गयी। पहले 12 नंबर के पास खड़ी दो बस में आग लगी थी। निशान की दो बस थी जिसमें आग लगी और दूर खड़ी दो बस में भी आग लग गयी। यहां मौजूद लोग किसी साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं उनका कहना है कि इतनी दूर खड़ी बस में आग कैसे लग सकती है। बस स्टैंड में खड़ी पांच बस पर लगी आग पर काबू पा लिया गया है। अगर यह आग फैलती तो बड़ा हादसा हो सकता था क्योंकि यहां 150 से ज्यादा बसें खड़ी रहती है।

विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले की तैयारी लगभग पूरी

देवघर, 29 जून (एजेंसियां)। देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले को लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। कई दौर की बैठक प्रशासन और पंडा धर्मरक्षिणी सभा की बीच हुई है। कई सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई है। बैठक में सुरक्षा, सुविधा और मंदिर में दर्शन समेत अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। बाबा मंदिर प्रभारी सह एसडीएम दीपांकर चौधरी, ने कहा है कि मेले के संचालन को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई है। हम सभी सुविधाओं का ध्यान रख रहे हैं। समय पर सारी सुविधाएं मिले, भक्तों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। शिवभक्तों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। पेयजल के लिए कांवरिया रूट से लेकर भीड़ वाले क्षेत्रों को चयनित कर प्याऊ लागने की योनजा है। इसके लिए 51 जगहों को चिह्नित कर प्याऊ लग रहे हैं। जिन जगहों को चिह्नित किया गया है उनमें शहर के कई प्रमुख स्थान भी शामिल है। पीने के पानी के साथ- साथ भक्तों के लिए शौचालय का भी निर्माण कराया जा रहा है। अधिकतर शौचालय बन कर तैयार हैं। इस काम की विशेष देखभाल की जिम्मेदारी सिटी मैनेजर सुधांशु शेखर और पानी विभाग के जेई सुमन कुमार के पास है। इस बार 760 यूनिट शौचालय बनाये जा रहे हैं. किसी भी कांवरिये को शौचालय में या पीने के लिए पानी की दिक्कत नहीं होगी। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने यह भी बताया कि इस मेले के मद्दे नजर 100 से अधिक टैंकर के माध्यम से भी पानी उपलब्ध कराया जायेगा। मंत्रालय से निगम को मेला क्षेत्र में हर हाल में दिनरात पेयजल और शौचालय की पूरी व्यवस्था के साथ उपलब्ध करने का निर्देश है। मधुपुर नगर परिषद के सिटी मैनेजर मृणाल कुमार,जामताड़ा नगर पंचायत के सिटी मैनेजर निर्मल कुमार आशीष, मिहिजाम नगर परिषद के सिटी मैनेजर मनीष कुमार तिवारी, राजधनवार नगर पंचायत के सिटी मैनेजर राम कुमार श्रीवास्तव व डोमचांच नगर पंचायत के सिटी मैनेजर विजेंद्र कुमार।

एसपी दफ्तर के सामने हत्या!

कांकेर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में बुधवार को 70 वर्षीया एक महिला का शव उसके ही घर में मिला है। महिला का घर एसपी दफ्तर के ठीक सामने हैं। उसका शव बरामदे में पड़ा हुआ था। जबड़े पर चोट के निशान मिले हैं और जमीन पर खून बिखरा था। ऐसे में हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई है। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। कोतवाली प्रभारी अजय साहू ने बताया कि एमजी वार्ड में चम्पा बाई (70) अपने भतीजे के साथ रहती थीं। भतीजा 20 जून को अपने गांव चला गया। इसके बाद से महिला अकेले ही घर मे थी। बुधवार को पड़ोसियों ने भतीजे को फोन कर सूचना दी कि चंपा बाई मृत हालत में जमीन पर पड़ी हैं। उनके जबड़े में चोट के निशान है और जमीन पर काफी खून भी बहा था। भतीजे के रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

टाइटन पनडुब्बी का मलबा 6 दिन बाद महासागर से निकाला

टुकड़ों में मानव अवशेष मिले, टाइटैनिक देखने गए थे 5 टूरिस्ट

पोर्टलैंड, 29 जून (एजेंसियां)। टाइटैनिक जहाज के मलबे को दिखाने गई टाइटन सबमरीन का मलबा 6 दिन बुधवार को मिल गया। इसे कई टुकड़ों में कनाडा के सेंट जॉन पोर्ट पर लाया गया। 18 जून को यह सबमरीन अटलांटिक महासागर में 12000 फीट नीचे गई थी। उसके बाद लापता हो गई। चार दिन बाद 22 जून को इसका मलबा टाइटैनिक जहाज से 1600 मीटर दूर मिला था। इसमें 4 टूरिस्ट और एक पायलट सवार था।

जांच के बाद विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि यह हादसा विस्फोट की वजह से हो सकता है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, यूएस कोस्ट गार्ड के अधिकारियों ने सबमरीन के मलबे में मानव अवशेष मिलने की बात कही है। इन अवशेषों को मेडिकल टीम के पास जांच के लिए भेजा जाएगा।

बीबीसी के मुताबिक, पनडुब्बी के मलबे में लैंडिंग फ्रेम, रियर

कवर सहित 5 हिस्से बरामद किए गए हैं। कोस्ट गार्ड ने बताया कि पनडुब्बी का काफी सारा मलबा अभी टाइटैनिक जहाज के पास है। उसे भी जल्द ही निकालने की कोशिश की जाएगी। पनडुब्बी के मलबे की फोरेंसिक जांच कर ये पता लगाने की कोशिश की जाएगी की उसमें विस्फोट क्यों हुआ था।

टाइटन पनडुब्बी 18 जून की शाम करीब 5:30 बजे (भारतीय समयानुसार) अटलांटिक महासागर में छोड़ी गई थी। ये 1:45 घंटे बाद लापता हो गई थी। पनडुब्बी में पायलट समेत 5 टूरिस्ट शामिल थे। 4 दिन तक सबमरीन को ढूंढने की कोशिश की गई, जिसके बाद 23 जून को टाइटैनिक जहाज के मलबे के 1600 फीट दूर इसका मलबा मिला। अनुमान लगाया गया था कि पनडुब्बी में विस्फोट हुआ था।

रडार पर मिले ये विस्फोट के सिग्नल

अमेरिकी नेवी के एक अफसर के मुताबिक, टाइटन पनडुब्बी की आखिरी लोकेशन टाइटैनिक जहाज के पास से ही रिकॉर्ड की गई थी। लापता होने के कुछ देर बाद रडार पर विस्फोट से जुड़े कुछ सिग्नल भी मिले थे। ये जानकारी तुरंत कमांडर के साथ शेयर कर दी गई थी, जिससे सर्च ऑपरेशन में मदद मिली।

टाइटैनिक जहाज का मलबा अटलांटिक ओशन में मौजूद है। ये कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के सेंट जोन्स से 700 किलोमीटर दूर है। मलबा महासागर में 3800 मीटर की गहराई में है। पनडुब्बी का ये सफर भी कनाडा के न्यूफाउंडलैंड से ही शुरू होता है।

पाकिस्तानियों की हज यात्रा मुश्किल में

रियाद/इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब की एविएशन एजेंसी जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) ने पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन्स कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) को 4 करोड़ 80 लाख डॉलर का बकाया पेमेंट करने का नोटिस थमा दिया है। दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान की मुश्किल ये है कि अगर उसने यह पेमेंट नहीं किया तो उसके नागरिक हज यात्रा पर नहीं जा सकेंगे। शाहबाज शरीफ सरकार के लिए 30 जून (शुक्रवार) बेहद अहम तारीख साबित होने वाली है। 30 जून को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) का प्रोग्राम खत्म हो रहा है। शाहबाज एक हफ्ते में चार बार आईएमएफ चीफ से मिल चुके हैं, लेकिन अब तक नए प्रोग्राम पर समझौता नहीं हो सका है। न्यूज वेबसाइट 'प्रो पाकिस्तान' के मुताबिक- इस हफ्ते की शुरुआत में सऊदी सिविल एविएशन एजेंसी ने पीआईए को नोटिस भेजा। इसमें कहा गया है कि पीआईए को 4.8 करोड़ डॉलर बकाया चुकाने हैं।

बाइडेन को सोते समय सांस लेने में दिक्कत

स्लीप ऐप्नी बीमारी से पीड़ित, सांस लेने के लिए मशीन का इस्तेमाल कर रहे

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को कुछ हफ्तों से सोते समय सांस लेने में दिक्कत हो रही है। इसके लिए वह कन्टीन्युअस पॉजिटिव एयर-वे प्रेशर (सीपीएपी) मशीन का इस्तेमाल कर रहे। बुधवार को व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी।

80 साल के बाइडेन लंबे वक्त से स्लीप ऐप्नी नाम की बीमारी से पीड़ित हैं। इसमें मरीज को सांस लेने में परेशानी होती है। रात में सोते समय रुक-रुककर सांस आती है। बाइडेन ने हाल ही में अपनी इस बीमारी के बारे में बताया था।

बाइडेन के चेहरे पर मास्क के निशान देखे गए

पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाइडेन के चेहरे चौड़ा पट्टे के निशान देखे। इससे पता चलता है कि उन्होंने सांस लेने के लिए सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल किया था। आमतौर पर मरीज सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल करते वक्त पट्टे वाला मास्क पहना जाता है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने सबसे

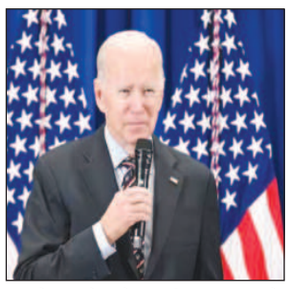

पहले बाइडेन के मशीन यूज करने की सूचना दी थी।

व्हाइट हाउस ने पुष्टि की

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा, हाल में राष्ट्रपति बाइडेन की मेडिकल रिपोर्ट में उनकी बीमारी का खुलासा हुआ है। वह 2008 से स्लीप ऐप्नी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कल रात सीपीएपी मशीन का इस्तेमाल किया था।

व्हाइट हाउस के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बाइडेन ने अपनी नींद में सुधार के लिए कुछ हफ्तों से सीपीएपी मशीन का उपयोग करना शुरू किया है।

स्लीप ऐप्नी क्या होता है

स्लीप ऐप्नी में नींद के दौरान सांस लेने में कुछ देर के लिए रुकावट आती है। मेयो क्लिनिक के अनुसार, इससे खर्राटे आ सकते हैं और दिन में थकान हो सकती है तथा हाई ब्लड प्रेशर या हार्ट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। स्लीप ऐप्नी में गले की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे फेफड़ों में हवा का प्रवाह रुक जाता है। बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे बुजुर्ग नेता हैं। 80 साल के डेमोक्रेट नेता ने 20 जनवरी 2021 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उन्होंने रिपब्लिक के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की सत्ता हासिल की थी। वे 2024 में दोबारा चुनाव लड़ने वाले हैं।

एक दिन पहले ही उनके डॉक्टर ने रिपोर्ट जारी कर बताया था कि बाइडेन शारीरिक तौर पर पूरी तरह स्वस्थ हैं और वे रोजाना एक्सरसाइज करते हैं।

हिंसा की आग में दूसरे दिन भी जला फ्रांस

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर पुलिसकर्मी ने किशोर को मार दी थी गोली

पेरिस, 29 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में एक किशोर की हत्या के बाद भड़की हिंसा को दो दिन हो गए हैं और देश के अलग-अलग हिस्सों से आगजनी और पथराव की खबरें सामने आ रही हैं। लोगों की भारी भीड़ पुलिस और सुरक्षाबलों पर हमले कर रही है। अब तक कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है। हालात तनावपूर्ण हैं। हिंसा के मामले में पुलिस ने 31 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा के चलते 24 पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं।

घटना मंगलवार की है। दरअसल राजधानी पेरिस के उपनगर नानतेरे में ट्रैफिक नियम तोड़ने पर पुलिसकर्मी ने एक किशोर को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। किशोर को पॉइंट ब्लैंक रेंज से छाती में गोली मारी गई।

पहले पुलिस ने बताया कि किशोर ने पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की, जिस पर पुलिस ने गोली चलाई। हालांकि घटना का वीडियो सामने आने के बाद साफ हो गया कि पुलिस झूठ बोल रही है। इससे लोगों का गुस्सा भड़क गया।

बड़ी संख्या में लोग गिरफ्तार, कई पुलिसकर्मी घायल

गुस्साए लोगों ने पथराव आगजनी शुरू कर दी। कई वाहनों में आग लगा दी गई। नानतेरे शहर में प्रदर्शनकारियों ने आतिशबाजी की, जिससे जगह-जगह आग लग गई। यह हिंसा देश के अलग-अलग हिस्सों में फैल गई है। बसों में आग लगा दी गई है।

फ्रांस के दक्षिणी शहर तोलाउस में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच पथराव हुआ। पुलिस ने 31 लोगों को हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। हिंसा की घटनाओं में 24 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

फ्रांस में घटना को लेकर शुरू हुई राजनीति

पुलिसकर्मी द्वारा किशोर की गोली मारकर हत्या करने की निंदा हो रही है। कई सेलिब्रिटी ने घटना पर दुख जताया है। सरकार ने भी अपने बयान में सुरक्षाबलों की ही आलोचना की है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने कहा कि किशोर की हत्या अस्वीकार्य और अक्षम्य है। इस हत्याकांड को किसी भी तरह से न्यायोचित करार नहीं दिया जा सकता। बता दें कि फ्रांस में इस घटना से पुलिस नियमों में सुधार की मांग उठने लगी है। खासकर जातीय अल्पसंख्यकों से डील करने के मामले में पुलिस के व्यवहार की आलोचना शुरू हो गई है। बीते साल फ्रांस में पुलिस की कार्रवाई में 13 लोगों की मौत हुई थी।

हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव नहीं

यूएनएसजी की रिपोर्ट से हटाया गया भारत का नाम

न्यूयॉर्क, 29 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने अपनी 'हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव' रिपोर्ट से भारत का नाम हटा दिया है। एंटोनियो गुटेरस का कहना है कि भारत ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिसके बाद वहां हालात सुधरे हैं। बीते साल ही एंटोनियो गुटेरस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत सरकार और उनके विशेष प्रतिनिधि बातचीत कर रहे हैं और हो सकता है कि रिपोर्ट से भारत का नाम हट जाए।

भारत को मिली राहत

'हथियारबंद संघर्ष का बच्चों पर प्रभाव' पर साल 2023 की अपनी रिपोर्ट में गुटेरस ने लिखा है कि 'भारत सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर कई अहम कदम उठाए हैं, जिसके चलते 2023 की रिपोर्ट में भारत का नाम हटा दिया गया है।' संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि ने जुलाई 2022 में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन क्षेत्रों की पहचान की थी, जहां काम किया जाना था। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार के साथ जम्मू कश्मीर में बीते साल नवंबर में वर्कशॉप भी की थी।

भारत ने उठाए कई कदम

अब अपनी ताजा रिपोर्ट में गुटेरस ने कहा है कि भारत ने विशेष प्रतिनिधि के सुझाव पर कई कदम उठाए हैं। इनमें सुरक्षाबलों को बच्चों की सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग देना, बच्चों पर घातक या गैर घातक बल का प्रयोग, पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक, बच्चों को हिरासत में लेने पर रोक और अगर अंत में लेना ही पड़े तो उन्हें कम से कम समय तक ही हिरासत में रखना जैसे कदम उठाए गए हैं। इनके अलावा जुवेनाइट जस्टिस एक्ट और पोक्सो एक्ट को लागू करना जैसे कदम शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर में बेहतर हुए हालात

संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गांबा ने बताया कि बीते दो सालों से वह भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने का भी व्यापक प्रभाव पड़ा है। इससे राज्य में विरोध प्रदर्शन पर रोक लगी है, जिससे हिंसा की घटनाएं रुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ की है और बताया कि छत्तीसगढ़, असम, झारखंड, ओडिशा और जम्मू कश्मीर में इस दिशा में काफी काम हुआ है। गुटेरस ने जम्मू कश्मीर में जम्मू एंड कश्मीर कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स का गठन किए जाने पर भी संतोष जाहिर किया।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि साल 2022 में बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के 27,180 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 24,300 अकेले 2022 में दर्ज हुए और 2880 उससे पहले।

इस उल्लंघन से 18,890 बच्चे प्रभावित हुए, जिनमें से 13,469 लड़के, 4638 लड़कियां, 783 अज्ञात लिंग के बच्चे शामिल थे।

युद्धपोत, एयरक्राफ्ट कैरियर, लड़ाकू विमान, चीन के खिलाफ भारत-अमेरिका का चक्रव्यूह, कैसे बचेगी जिनपिंग की गर्दन?

वॉशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वॉशिंगटन दौरे के बाद अमेरिका अब खुलकर चीन की मुखालफत कर रहा है। हाल में ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के खास कहे जाने वाले अमेरिका के भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने चीन को लेकर कड़ा बयान दिया है। एरिक ने सख्त लहजे में कहा कि अमेरिका और भारत समुद्री सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे से निपटने के लिए प्रशांत महासागर और हिंद महासागर में युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों को एक साथ तैनात कर सकते हैं। इसे सीधे चीन के लिए चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी के अमेरिका पहुंचने के एक दिन पहले ही बाइडन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तानाशाह कहा था। गार्सेटी का यह बयान तब आया है, जब भारत ने दो-टूक लहजे में कहा है कि चीन से लगे सीमा क्षेत्रों में स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है। इसलिए, दोनों देशों के बीच संबंध अभी भी पटरी पर नहीं लौट सकते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तीन साल से अधिक समय से सैन्य गतिरोध के बीच बुधवार को कहा था कि सीमा पर स्थिति भारत और चीन के बीच संबंधों की स्थिति तय करेगी। उन्होंने कहा था कि आज सीमा पर स्थिति अब भी असामान्य है। आईआईटी दिल्ली में भाषण देते हुए गार्सेटी ने कहा कि हम समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने जहाजों को प्रशांत और हिंद महासागरों और उससे भी आगे तैनात कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम आसमान और समुद्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और सहारा से प्रशांत द्वीपों तक मानवीय संकटों का संयुक्त रूप से जवाब देने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी वायु सेना को तैनात कर सकते हैं। हम उन सभी देशों की संप्रभु रक्षा को मजबूत करने के लिए क्षेत्रों में अपने जमीनी बल अभ्यास का समन्वय कर सकते हैं जो हमारे साथ काम करना चाहते हैं। अमेरिकी राजदूत ने स्पष्ट रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी को समझाने की पूरी कोशिश की। उन्होंन कहा कि भारत के साथ प्रमुख रक्षा साझेदार के रूप में ये अवसर पूरी तरह से हमारे नियंत्रण में हैं।

सैन्य विद्रोह की आहट के बाद रूस के परमाणु हथियारों से जुड़ा ब्रीफकेस रखने वाला जनरल गायब!

मास्को, 29 जून (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से भाड़े के सैन्य गुट वैगनर ग्रुप के विद्रोह की आहट के बाद कड़ा रुख अपनाने और कम से कम एक गिरफ्तारी की अपुष्ट रिपोर्टों के बीच रूसी सेना के कई वरिष्ठ जनरल को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं। रूस के शीर्ष जनरल वालेरी गेरासिमोव शनिवार को हुए विद्रोह के बाद से सार्वजनिक रूप से या सरकारी टीवी पर दिखाई नहीं दिए हैं, भाड़े के सैनिकों के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने गेरासिमोव को सौंपने की मांग की थी। 9 जून के बाद से रक्षा मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में भी उनका उल्लेख नहीं किया गया है। कुछ पश्चिमी सैन्य विश्लेषकों के अनुसार, 67 वर्षीय गेरासिमोव यूक्रेन में रूस के यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कमांडर हैं, और रूस के तीन परमाणु ब्रीफकेस में से एक के धारक हैं। सैन्य विद्रोह की खबरों के बाद सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने वालों में जनरल सर्गेई सुरोविकिन भी हैं, जिन्हें सीरियाई संघर्ष में उनकी आक्रामक रणनीति के लिए रूसी प्रेस ने जनरल आर्मगेडन उपनाम दिया है, वे यूक्रेन में रूसी बलों के उप कमांडर हैं। अमेरिकी खुफिया ब्रीफिंग के आधार पर न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि उन्हें विद्रोह के बारे में पहले से जानकारी थी और रूसी अधिकारी जांच कर रहे थे कि क्या उनकी मिलीभगत थी।

क्रेमलिन ने बुधवार को इस खबर को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि इस को लेकर काफी अटकलें और अफवाहें हैं व रहेंगी। मॉस्को टाइम्स के रूसी भाषा के संस्करण और एक सैन्य ब्लॉगर ने सुरोविकिन की गिरफ्तारी की सूचना दी, जबकि रूस में बड़ी संख्या में फॉलोवर्स वाले कुछ अन्य सैन्य संवाददाताओं ने कहा कि उनसे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से विद्रोह में उनकी संभावित भूमिका के बारे में पूछताछ की जा रही है।

हालांकि अब तक यह निर्धारित नहीं किया जा सका है कि सुरोविकिन को गिरफ्तार किया गया है या नहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय के एक पूर्व प्रेस अधिकारी की ओर से संचालित टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के एक प्रभावशाली चैनल राइबार ने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारी विद्रोह को रोकने में 'निर्णायक क्षमता की कमी' दिखाने वाले सैन्यकर्मियों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि सशस्त्र बलों के कुछ हिस्सों ने विद्रोह के शुरुआती चरण में वैगनर लड़ाकों को रोकने के लिए बहुत कम योगदान दिया।

कुछ रूसी और पश्चिमी सैन्य और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू, एक अनुभवी पुतिन सहयोगी, जिन्हें प्रिगोझिन उनकी कथित अक्षमता के कारण गेरासिमोव के साथ हटाने की मांग कर रहे थे वास्तव में अब अपने काम में और सुरक्षित हो सकते हैं।

इजराइली महिला सांसद को स्पीकर ने भाषण से रोका

तेल अवीव, 29 जून (एजेंसियां)। इजराइल की संसद (नीसेट) में एक महिला सांसद को भाषण देने से सिर्फ इसलिए रोक दिया गया, क्योंकि उनकी गोद में नवजात बेटी थी। हालांकि, इसकी वजह संसद के नियम थे, लेकिन अब इस घटना ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। घटना मंगलवार की है और महिला सांसद का नाम शेरेन हेस्कल है। डिप्टी स्पीकर यूरिल बूसो के मुताबिक संसद के पोडियम पर सिर्फ सांसद ही खड़ा हो सकता है, उसके साथ कोई और नहीं होना चाहिए। नियम के चलते शेरेन अपनी बात संसद के सामने नहीं रख पाईं। शेरेन नेशनल यूनिटी पार्टी की सांसद हैं। पार्टी अपोजिशन यानी विपक्ष में है। शेरेन एक बिल पेश करना चाहती थीं और इसके लिए पहले नोटिस दे चुकीं थीं।

मस्जिद के बाहर जलाई कुरान

अकेला प्रदर्शनकारी था, सरकार ने अभिव्यक्ति की आजादी के तहत इजाजत दी, तुर्किये बोला– ये अपराध

स्टॉकहोम, 29 जून (एजेंसियां)। स्वीडन में ईद-अल-अजहा के मौके पर बुधवार को स्टॉकहोम की एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। इसके लिए उसे स्वीडिश सरकार से परमिशन मिली थी। सीएनएन के मुताबिक, अभिव्यक्ति की आजादी के तहत एक दिन के प्रदर्शन के लिए ये इजाजत दी गई थी। इस प्रोटेस्ट में सिर्फ एक ही व्यक्ति अपने ट्रांसलेटर के साथ शामिल हुआ था।

रॉयटर्स के मुताबिक, प्रदर्शन कर रहे शख्स ने कुरान के कुछ पन्नों को फाड़कर उसमें आग लगा दी। इसके बाद उसने स्वीडन का झंडा भी लहराया।

प्रोटेस्ट देख रहे 200 लोगों में से कुछ उसके पक्ष में तो कुछ विरोध में नारे लगाते हैं। इनमें से एक व्यक्ति ने अरबी में गॉड इज ग्रेट चिल्लाकर प्रदर्शनकारी पर पत्थर भी फेंका। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

स्वीडन में कुरान जलाने पर तुर्किये ने विरोध जताया है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने इसे जघन्य अपराध बताया है। विदेश मंत्री हकन फिदान ने ट्वीट कर कहा- अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी इस्लाम विरोधी प्रदर्शन नहीं कर सकता है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई देश नाटो में शामिल होकर हमारा साथी बनना चाहता है तो उसे इस्लामोफोबिया फैला रहे आतंकियों को काबू में करना होगा।

स्वीडन के पीएम बोले- कार्रवाई पर पुलिस लेगी फैसला

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा- मैं इस बात पर कोई अटकलें नहीं लगाना चाहता कि इस प्रदर्शन का हमारी संभावित नाटो मेंबरशिप पर क्या असर पड़ेगा। इस तरह का विरोध प्रदर्शन कानून के दायरे में आता है लेकिन फिर भी ये सही नहीं है। मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी ये पुलिस ही तय करेगी। बता दें कि प्रदर्शन के बाद पुलिस ने उस व्यक्ति के खिलाफ एक धर्म को टारगेट करने का केस दर्ज किया है।

तुर्किये की एंबेसी के बाहर भी जलाई गई थी कुरान

इससे पहले साल की शुरुआत में भी स्वीडन में तुर्किये की एंबेसी के बाहर कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया था और कुरान जला दी थी। इसका तुर्किये की राजधानी अंकारा में जमकर विरोध हुआ था। लोगों ने स्वीडन के दूतावास के बाहर प्रदर्शन करते हुए उनके झंडे को जला दिया था। सीएनएन के मुताबिक, तुर्किये ने इसके लिए स्वीडन की सरकार को जिम्मेदार ठहराया था।

विश्व युद्ध में भाग लेने वाले आखिरी सिख सैनिक को मिला अवार्ड

लंदन, 29 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को 101 साल के भारतीय मूल के पूर्व सैनिक को पॉइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड से सम्मानित किया। बता दें कि पूर्व सैनिक राजिंदर सिंह धत्त द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लेने वाले आखिरी जीवित सिख सैनिक हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में आयोजित यूके-इंडिया सप्ताह के दौरान राजिंदर सिंह धत्त को यह सम्मान दिया।

ब्रिटेन में 'अनडिवाइडेड इंडियन एक्स सर्विसमेन एसोसिएशन' के प्रयासों से राजिंदर सिंह धत्त के योगदान को पहचान मिली। बता दें कि यह एसोसिएशन भारतीय ब्रिटिश पूर्व सैनिकों को एक साथ लाने और उनके कल्याण के लिए काम करती है। राजिंदर सिंह धत्त का जन्म अविभाजित भारत में साल 1921 में हुआ था। धत्त ब्रिटेन की तरफ से द्वितीय विश्व युद्ध में लड़े और बाद में साल 1963 में परिवार समेत ब्रिटेन में बस गए।

अवार्ड मिलने पर कही ये बात

पॉइंट्स ऑफ लाइट सम्मान से सम्मानित होने पर राजिंदर सिंह धत्त ने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों अवार्ड मिलना सम्मान की बात है।

धत्त ने अनडिवाइडेड इंडियन एक्स सर्विसमेन एसोसिएशन को भी धन्यवाद दिया। बता दें कि पॉइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड उन लोगों को दिया जाता है, जो अपने कामों से समाज में बदलाव लाते हैं और जिनकी कहानी दूसरे लोगों को प्रेरित करती है।

1400 रुपये में चिकन, 800 में गोश्त, गरीब पाकिस्तानियों पर भारी पड़ा ईद का त्योहार

इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में ईद उल अजहा से पहले चिकन की कीमतें बढ़ गई हैं। यह असामान्य है क्योंकि आमतौर पर त्योहार के दौरान कम मांग के चलते इसकी कीमतें कम हो जाती हैं। पाकिस्तान पोल्ट्री एसोसिएशन (पीपीए) के सेंट्रल चेयरमैन चौधरी मोहम्मद अशरफ ने बुधवार को कहा, 'मेरे 35 साल के अनुभव में, यह पहली बार है जब ईद उल अजहा से पहले चिकन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं।' इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में पहले से खाने-पीने की चीजें के दाम आसमान छू रहे हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की खबर के अनुसार, जिंदा मुर्गे की कीमत 560 रुपये प्रति किग्रा और साफ गोश्त की कीमत 820-850 रुपये तक पहुंच गई है।

बोनलेस चिकन की कीमतें 1,400 रुपये प्रति किग्रा तक पहुंच गई हैं जो बीफ से भी महंगा है जिसकी कीमत 1,100-1,200 रुपये है। अशरफ ने कहा कि एसोसिएशन ने छह महीने पहले ही चारे की कमी और ऊंची कीमतों के कारण गंभीर पोल्ट्री संकट की चेतावनी दी थी।

कोरोना को भूल हज के लिए उमड़े लाखों मुसलमान

रियाद, 29 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर में लाखों की तादाद में दुनिया के 160 देशों से मुसलमान हज करने के लिए पहुंचे हैं। करीब 42 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी में बुधवार को शैतान को पत्थर मारने की रस्म को अदा किया गया। सऊदी अरब का दावा है कि रेकॉर्ड 25 लाख लोग हज और उमरा के लिए मक्का पहुंच सकते हैं जो हज यात्रा के इतिहास में रेकॉर्ड होगा। हालांकि अभी यह आंकड़ा 18 लाख तक ही पहुंचा है। कोरोना महामारी के बाद पहली बार बिना किसी प्रतिबंध के हज का आयोजन किया गया है। कोरोना महामारी की वजह से पिछले साल केवल 10 लाख लोगों को ही हज की अनुमति दी गई थी। वहीं साल 2020 में केवल 10 हजार और साल 2021 में 59 हजार लोगों को इसकी अनुमति दी गई थी।

सऊदी अरब में एक बार फिर से लाखों मुसलमानों के पहुंचने से प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बहुत खुश होंगे। दरअसल, तेल की खान कहे जाने वाले सऊदी अरब को भविष्य की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा डर सता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में हंगामा

भाषण दे रहे पूर्व विधायक से माइक छीना, समर्थकों ने की नारेबाजी

जोधपुर, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में उस वक्त हंगामा हो गया, जब शेरगढ़ के पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ के सामने से माइक हटा दिया गया।

दरअसल, राजनाथ सिंह बुधवार को जोधपुर के बालेसर के दौरे पर थे। बालेसर के ही मां चामुंडा मंदिर के खेल गांव में जनसभा का आयोजन किया गया था।

मंच पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का भाषण होने के बाद शेरगढ़ के पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ भाषण देने पहुंच गए। इतने में बेलवा राणाजी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि राणा प्रताप सिंह इंदा आए और बाबू सिंह को बोलने से मना करते हुए उनके आगे से माइक हटा दिया। बाबू सिंह ने बोलने का मौका देने की बात कही, लेकिन मना कर दिया गया। यह सब देखकर मंच पर बैठे नेता सकते में आ गए।

भाषण देने से रोकने पर बाबू सिंह ने कहा कि मैं राजनाथ सिंह की अनुमति लेकर आया हूं, मुझे बोलने दो। काफी देर तक मशक्कत के बाद बाबू सिंह वापस जाकर अपनी सीट पर बैठ गए। बाद में पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर उठे और बाबू सिंह को मंच पर लेकर आए। उसके बाद बाबू सिंह ने अपना भाषण दिया। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने बाबू सिंह के समर्थन में नारेबाजी करना शुरू कर दिया।

'आज जब भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है'

बाबू सिंह के भाषण के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज जिस शांति और सुरक्षा में हम जी रहे हैं। उसके लिए हमारे वीर सैनिकों ने न जाने कितनी कुर्बानियां दी हैं।

राजनाथ ने कहा- 'सौगंध है मुझे इस मिट्टी की...' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार करके दिखाया है। पहले भारत कमजोर और गरीब देश माना जाता था। आज जब भारत बोलता है तो सारी दुनिया सुनती है। केंद्र सरकार ने करिश्माई काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदीजी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया के कई देशों को पछाड़ा है। आज अर्थव्यवस्था के मामले में भारत दुनिया के पांच देशों में है और जल्द ही भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगी।

भ्रष्टाचार के मामले में कोई अंगुली तक नहीं उठा सकता

राजनाथ ने कहा- केंद्र सरकार के लिए गांव-गरीब और महिलाओं का सम्मान प्राथमिकता है। सरकार ने लोगों को आवास उपलब्ध करवाया। घर-घर शौचालय बनवाए। हर घर नल हर घर जल परियोजना के तहत हर घर तक पानी पहुंचाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के राज में भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली। 9 साल में सरकार पर कोई भी भ्रष्टाचार के मामले में अंगुली तक नहीं उठा सकता।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जनधन खाता खोला, जिससे अब शत प्रतिशत पैसा सीधा लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को भाषण से समाप्त नहीं किया जा सकता, सिस्टम में बदलाव से कम किया जा सकता है।

जेपी नड्डा बोले- मां बेटे-बेटी की पार्टी बनी कांग्रेस

भरतपुर में बीजेपी दफ्तर का उद्घाटन; नदबई में जनसभा

भरतपुर, 29 जून (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भरतपुर के दौरे पर हैं। दोपहर 12 बजे हेलिकॉप्टर से भरतपुर पहुंचे नड्डा ने काली बगीची स्थित बीजेपी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। वहीं बीजेपी नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। यहीं से जैसलमेर के कार्यालय का उद्घाटन व बाड़मेर कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया।

इस दौरान पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सहित बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। भरतपुर में कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद नड्डा ने बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं से संवाद किया और दिशा निर्देश दिए।

भाजपा का सफर याद किया, कांग्रेस पर प्रहार

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी नेताओं से संवाद किया। नड्डा ने कहा कि बीजेपी के 500 से ज्यादा कार्यालय बन चुके हैं। 15 कार्यालय बीजेपी के राजस्थान में बन चुके हैं। 5 कार्यालय में 1 साल के अंदर बन जाएंगे। बीजेपी कार्यालयों का निर्माण कर रही है, यह हमारे लिए बहुत ख़ुशी की बात है। कार्यालय के निर्माण की बात ऐसे ही एकाएक नहीं हुई है। 2014 में जब पीएम मोदी ने अपना पद संभाला, उस समय हमारा कार्यालय नई दिल्ली में होता था।

जब पीएम मोदी कार्यालय में आये तो उन्होंने कहा कि क्या हम अभी भी सरकारी भवनों में ही अपना कार्यालय चलाएंगे। हमें सोचना चाहिए कि हमारा अपना कार्यालय हो, कुछ दिनों बाद अमित शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, उन्होंने योजना बनाई, हमने तय किया कि प्रत्येक जिले में बीजेपी का अपना कार्यालय होगा। उस समय 887 कार्यालय बनाने का निर्णय लिया गया। आज 500 से ज्यादा जिला कार्यालय और प्रदेश कार्यालय बनकर तैयार हो चुके हैं। 116 कार्यालय निर्माणाधीन हैं। 122 कार्यालय की जमीन मिल गई है। अब काम शुरू होना है।

किसी वक्त कार्यालय के किराए के पैसे नहीं थे

नड्डा ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा - किसी समय में बीजेपी के पास कार्यालय के किराये के पैसे नहीं थे। पार्टी को बनाने में लोगों ने चार-चार पीढ़ियां खपा दी। किसी से दरी मांग कर लाते थे, पंखा लगाने के लिए डोनेशन लेकर आते थे, कमरे का किराए देने की स्थिति भी नहीं होती थी। उसके लिए भी कोई न कोई दाता ढूंढना पड़ता था। इन विपरीत परिस्थितियों में विचारधारा को आगे बढ़ाया। नड्डा ने कहा- आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी और विचारयुक्त पार्टी है। हमने एक नया राजनीति का आयाम शुरू किया।

कांग्रेस मां, बेटे, बेटी की पार्टी बन गई

नड्डा ने कहा कि सभी पार्टियां परिवारों की पार्टी बन गई हैं। बीजेपी अकेली ऐसी पार्टी है जहां पार्टी ही परिवार है। उमर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर में परिवार की पार्टी, फारुख अब्दुल्ला परिवार की पार्टी, मुफ़्ती मोहम्मद की बेटी महबूबा मुफ़्ती परिवार की पार्टी, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल परिवार की पार्टी, हरियाणा में परिवार की पार्टी, 24 करोड़ जनसंख्या का प्रदेश है उत्तर प्रदेश वहां भी समाजवादी पार्टी परिवार की पार्टी से लड़ रहे हैं।

खड़गे से मिले रंधावा और डोटासरा

रंधावा बोले- कांग्रेस में बड़े नेताओं में मनमुटाव-ईगो होगा, नीचे का वर्कर एकजुट है

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस को लेकर दिल्ली में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजस्थान को लेकर दिल्ली में लगातार बैठकों का दौर जारी है। दिन में बैठकों के बाद प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधवा और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान के सियासी हालात पर फीडबैक दिया है। डोटासरा ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया है लेकिन बताया जा रहा है कि कांग्रेस की खींचतान मिटाने और संगठन के लेवल पर खाली पड़े पदों पर भरने के मुद्दे पर भी खड़गे से चर्चा हुई है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने माना कि कांग्रेस में बड़े नेताओं के बीच मनमुटाव है। रंधवा ने कहा- कांग्रेस कभी डिवाइडेड नहीं है, कांग्रेस एकजुट है। नीचे के लेवल का वर्कर पूरी तरह एकजुट है। अगर किसी तरह का मनमुटाव होगा और पर्सनल ईगो होगा तो ऊपर वालों का होगा। कांग्रेस कार्यकर्ता का एक ही टारगेट है कि पार्टी के लिए काम करना है।

कांग्रेस में लड़ाई के सवाल पर रंधावा ने कहा- यह कांग्रेस का कल्चर है कि कोई लड़ लेता है लेकिन वह कांग्रेसी है । यह बीजेपी नहीं है कि कोई अपनी जुबान नहीं खोल सकता। कांग्रेस में कोई भी नेता अपनी बातें कह सकता है। शिकायत कर सकता है, उसकी बात या शिकायत हम सुनते भी हैं। हम देखते हैं कि वह बात पार्टी खिलाफ तो नहीं है। हम डिस्कशन करते हैं। अगर कांग्रेस के बारे में बोलेंगे ही नहीं तो डेमोक्रेसी कहां रहेगी। जैसे बीजेपी डेमोक्रेसी खत्म कर रही है, हम डेमोक्रेसी खत्म नहीं करना चाहते हैं। मैं कांग्रेसी हूं, जिसका डीएनए कांग्रेसी है, कांग्रेसी कभी कांग्रेस के खिलाफ काम नहीं कर सकता। कई बार पार्टी के लिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को भूलना होता है।

राजस्थान कांग्रेस में खाली पड़े पदों पर जल्द नियुक्ति होने का रास्ता साफ हो गया है। दो दिन प्रदेश प्रभारी और प्रदेशाध्यक्ष ने दिल्ली में अलग अलग बैठकें की हैं।

अरुण चतुर्वेदी बोले- भाजपा में कैडर सिस्टम

सीएम गहलोत सरकार रिपीट के सपने देख रहे

उदयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने बुधवार को उदयपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान भाजपा को एक कैडर बेस पार्टी बताया। चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा में कैडर बेस कार्यकर्ता हैं। एक कैडर ही दूसरे कैडर को रिप्लेस करता है।

इससे पार्टी में कभी कोई वैक्यूम नहीं होता है। कभी लोग कहते थे अटल बिहारी वाजपेयी के बाद कौन होगा, राजस्थान में कहते थे कि वसुंधरा राजे के बाद कौन है, नीचे तक जाएंगे तो कैडर को कैडर ही रिप्लेस करता है। हम सब मिलजुल कर सामूहिकता के आधार पर काम करते हैं।

गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुए चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने चार साल में जो घोषणाएं की वह राजस्थान में धरातल पर पूरी नहीं हुई है।

सीएम गहलोत के सरकार रिपीट वाले बयान पर उन्होंने कहा कि सपने देखने से किसी ने नहीं रोका है, उनको डर सता रहा है इसलिए रेवड़ियां बांट रहे हैं।

उन्होंने कन्हैयालाल हत्याकांड की बरसी पर कहा कि आतंकवाद को लेकर जिस प्रकार का वातावरण राजस्थान में है उसी के चलते कन्हैयालाल को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी है। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार को निशाने पर लिया।

उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा की तैयारियों पर कहा कि उनके आगमन से कार्यकर्ताओं में नया जोश आएगा।

जयपुर हेरिटेज नगर निगम मेयर-पार्षदों पर केस

एडिशनल कमिश्नर ने कहा- मुझे बंधक बनाया, अपशब्द कहे; धमकाया- तू साइन करके ही जाएगा

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। हेरिटेज नगर निगम की मेयर, उनके पति और पार्षदों के खिलाफ माणक चौक थाने में बुधवार शाम एफआईआर दर्ज कराई गई है। एडिशनल कमिश्नर राजेन्द्र कुमार वर्मा ने अपनी शिकायत में बंधक बनाने, अपशब्द कहने और धमकाने के आरोप लगाए हैं।

अपनी शिकायत में वर्मा ने कहा है कि 16 जून को वह अपने चैंबर में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके पास मैसेज आया कि मेयर बुला रही हैं। मैंने कहा- कुछ जरूरी फाइल हैं, उन्हें निपटा दूं, फिर 15 मिनट में आ रहा हूं।

5 मिनट बाद कुछ पार्षद और उनके साथ आए बाहरी लोग चैंबर में घुस आए। मुझसे कहा- टेंडर की फाइल (बीट पत्रावली) पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? वे लोग मुझे जबरन चैंबर से उठा कर मेयर के कमरे में ले गए। वहां पर मेयर मुनेश गुर्जर ने पार्षदों के सामने अपशब्द कहते हुए बोलीं- तुम ने बीट की पत्रावली पर साइन क्यों नहीं किए?

राजेन्द्र ने बताया कि उन्हें जबरन मेयर के चैंबर में शाम तक बंधक बनाकर रखा गया। शाम को जब पीएचईडी मंत्री महेश जोशी वहां आए तो उन्हें सारी बात बताई।

जोशी के जाने के बाद भी मेयर पति सुशील गुर्जर और अन्य पार्षदों ने कहा कि- तू साइन कर के ही जाएगा।

माणक चौक थाना पुलिस ने बताया कि राज कार्य में बाधा, बंधक बनाने, धमकाने, जबरन फाइलों पर साइन कराने के लिए बदसलूकी और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी माणक चौक हेमंत जाखड़ इसकी जांच कर रहे हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने खुद के साथ हुई घटना से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज भी पुलिस को दिए हैं। निगम कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी उपलब्ध कराए गए हैं।

एसीपी जाखड़ ने इस सिलसिले में वर्मा के बयान ले लिए हैं। अब पुलिस मेयर हेरिटेज, मेयर पति सुशील गुर्जर सहित एक दर्जन से अधिक पार्षदों को पूछताछ के लिए बुला सकती है।

वॉट्सऐप पर फंदे का स्टेटस लगाकर किया सुसाइड

लिखा- यह लास्ट गुडबाय ऑल फ्रेंड, जितना मैं रो रहा हूं, वो रोएगी

प्रतापगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले में 18 साल के युवक ने फेसबुक और वॉट्सऐप पर स्टेटस लगाने के 30 मिनट बाद फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। स्टेटस में फंदे के साथ फोटो डाली जिस पर लिखा था- सॉरी यह लास्ट गुडबाय ऑल फ्रेंड, जितना मैं रो रहा हूं, कसम से रोएगी।

मामला प्रतापगढ़ जिले के सुहागपुरा थाना इलाके के पाड़लिया गांव का है। सुसाइड करने वाले विजय कुमार (18) पुत्र ईश्वरलाल मीणा की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। बुधवार को सुसाइड करने से 3 दिन पहले विजय अपनी पत्नी निरदा को पीहर छोड़कर आया था।

जिस वक्त युवक ने रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड किया। उस समय पास ही के कमरे में पिता-माता और छोटा भाई खाना खा रहे थे। रात 10 बजे विजय के दोस्त ईश्वर ने स्टेटस देखते ही विजय के पिता को फोन लगाकर विजय के स्टेटस के बारे में बताया।

पिता खाना छोड़ विजय के कमरे तक पहुंचे तो बेटे को फंदे पर लटके देख गश खाकर गिर पड़े।

सुहागपुरा थाना के हेड कॉन्स्टेबल निर्मल कुमार ने बताया कि पाडलिया गांव के विजय कुमार ने बुधवार रात सुसाइड कर लिया। उसकी शादी कल्याणपुरा सेमलिया गांव की लड़की निरदा से हुई थी। जिसे वह बीएड परीक्षा की तैयारी के लिए रविवार को पीहर छोड़ आया था।

सबसे पहले पिता को मौत का पता चला। इसके बाद घर में कोहराम मच गया। आसपास के लोगों और परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को दे दिया गया।

बता दें कि विजय 11वीं पास था। वह 12वीं की पढ़ाई राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीमच नाका प्रतापगढ़ में कर रहा था। सारा खर्च पिता ईश्वर लाल ही उठाया करते थे। उसकी पत्नी निरदा बीएड परीक्षा की तैयारी कर रही है। इसीलिए तीन दिन पहले विजय पत्नी तो तैयारी के लिए पीहर छोड़कर आया था।

विजय के पिता ईश्वर लाल पोस्ट मास्टर है। विजय का छोटा भाई पढ़ाई कर रहा है। परिजनों ने बताया कि विजय का पत्नी से किसी तरह का विवाद नहीं था। विजय की हर मांग पूरी भी की जाती थी। पिता का कहना है कि विजय को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं थी, उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, समझ नहीं आ रहा।

चुनावों में फिर जिंदा होगा 'कन्हैयालाल': शुरुआत अमित शाह के

दौरे से, कांग्रेस के पास भी बीजेपी को घेरने का काउंटर प्लान

जयपुर, 29 जून(एजेंसियां)। मेवाड़ इन दिनों चर्चा में है। चर्चा के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण कन्हैयालाल की बरसी है। सालभर पहले ही उदयपुर में कन्हैयालाल के साथ हुए उस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। दूसरा कारण है दोनों राजनीतिक पार्टियों का मेवाड़ में डेरा। एक ओर जहां जून के महीने में राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत कई बार उदयपुर सहित मेवाड़ के कई दौरे कर चुके हैं। वहीं दूसरी ओर 30 जून को उदयपुर में अमित शाह का दौरा होना है। यूं तो राजस्थान में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का भी दौरा है, लेकिन बीजेपी का सबसे बड़ा फोकस उदयपुर में अमित शाह के दौरे पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कन्हैयालाल हत्याकांड की गूंज आने वाले चुनावों में भी सुनाई देगी। उदयपुर, मेवाड़ सहित पूरे राजस्थान में अगले विधानसभा चुनावों में इसका असर देखने को मिल सकता है। राजनीतिक पार्टियां इसकी तैयारी कर चुकी हैं। एक ओर बीजेपी जहां इसे सरकार के जनता को सुरक्षा मुहैया कराने में कांग्रेस सरकार के फेलियर के तौर पर प्रोजेक्ट करेगी। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस इसे पुलिस के तेज तर्रार एक्शन, अपराधियों की गिरफ्तारी और पीड़ितों की मदद के तौर पर सामने रखेगी। ध्रुवीकरण होना भी तय है।

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि इसकी शुरुआत 30 जून को अमित शाह के दौरे से हो सकती है। माना जा रहा है कि अमित शाह की सभा में कन्हैयालाल का मुद्दा गूंज सकता है। उसकी बड़ी वजह सभा का कन्हैयालाल की बरसी के आसपास ही होना भी है। हालांकि अमित शाह केंद्र में बीजेपी सरकार के 9 साल पूरे होने को लेकर उदयपुर आ रहे हैं। उनका फोकस उदयपुर लोकसभा सीट है।

उदयपुर आतंकी हमले में मारे गए कन्हैयालाल के परिवार को एक साल बाद भी न्याय नहीं मिलने का मुद्दा सीएम अशोक गहलोत ने उठाया है। बुधवार को सीएम ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जल्द न्याय की अपील की। सीएम ने कहा- यह 'ओपन एंड शट' केस है, जिसमें घटनाक्रम के स्पष्ट सबूत मौजूद हैं। ऐसे केस में भी एक साल तक सजा न मिलना दुखद है।

सीएम बोले- 'राज्य सरकार ने दुष्कर्म और हत्या के कई मामलों में फास्ट ट्रायल कर आरोपियों को एक महीने के अंदर कोर्ट से फांसी की सजा दिलवाई। लेकिन इस मामले अभी तक दोषियों को सजा नहीं हुई।' जबकि हमले के बाद राजस्थान पुलिस ने 4 घंटे में दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। पूरे राज्य में कानून व्यवस्था सामान्य बनाए रखी।

कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर पिछले कुछ समय से बीजेपी के कई नेता-मंत्री अपनी बैठकों में जिक्र करते रहे हैं। पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा ने भी इसका जिक्र किया। बीजेपी ने चुनाव नजदीक आते-आते इस मुद्दे को फिर से उठाना शुरू कर दिया है। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी अपनी बैठकों में कन्हैयालाल मुद्दे का जिक्र किया।

राजस्थानी ट्रक ड्राइवर निकला इंटरनेशनल ड्रग तस्करी का मास्टरमाइंड

म्यांमार से 10 करोड़ की अफीम चायपत्ती में छिपाकर लाया, 7 राज्यों में नेटवर्क

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के रास्ते म्यांमार से राजस्थान तक ड्रग सप्लाई करने वाले रैकेट का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हत्थे चढ़ा ये मास्टरमाइंड राजस्थान का ही है। 10वीं पास आरोपी चायपत्ती के बीच ड्रग्स छिपाकर असम, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान सहित 7 राज्यों में बड़े आराम से सप्लाई करवाता था।

म्यांमार के तस्करों से इसके डायरेक्ट लिंक हैं। एक ही बार में 10 करोड़ की ड्रग डील करता था, ताकि एक दो महीने आराम से सप्लाई कर सके। पूरी डील क्रिप्टोकरेंसी या फिर हवाला के जरिए होती थी। दरअसल, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 12 दिन पहले दिल्ली में कार्रवाई करते हुए एक ट्रक ड्राइवर को पकड़ा था। जिसने पूछताछ में मास्टरमाइंड का राज उगला। कार्रवाई करते हुए स्पेशल सेल टीम ने जालोर जिले के सरवाना गांव से उसे गिरफ्तार कर लिया है। अभी भी इस इंटरनेशनल गिरोह के कई सदस्यों की तलाश की जा रही है। एसीपी अत्तर सिंह से बात करते हुए कभी ट्रक ड्राइवरी करने वाले के ड्रग तस्करी के मास्टरमाइंड बनने और उसके पकड़े जाने की कहानी जानी। एसपी अत्तर सिंह ने बताया कि म्यांमार की सीमा से सटे राज्य मणिपुर के आसपास ड्रग तस्कर सक्रिय हैं। म्यांमार से मणिपुर के रास्ते ही अफीम की सबसे ज्यादा तस्करी होती है। स्पेशल सेल के पास ये इनपुट थे कि इंटरनेशनल स्मगलिंग गैंग ड्रग्स को मणिपुर, असम, UP, बिहार, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली में सप्लाई कर रही है।

सीएम के ओएसडी व शिक्षा मंत्री आमने-सामने

कल्ला बोले- नौकरी छोड़ टिकट मांगें शर्मा, मैं चुनाव लड़ूंगा; लोकेश- मैं सरकारी कर्मी नहीं, राजनीतिक हूं

बीकानेर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा का बार-बार बीकानेर आना और पश्चिम विधानसभा की गलियों में घूमकर डॉ. बीडी कल्ला से मार्गदर्शन की बात करने पर पहली बार कल्ला ने पलटवार किया। कल्ला बोले, पहले तो वे सरकारी नौकरी छोड़कर टिकट मांगे। रही बात मार्ग दर्शन की तो मैं खुद चुनाव लड़ूंगा मैं क्या उनको मार्गदर्शन दूं। कल्ला बुधवार को नगर निगम पट्टा वितरण समारोह में आए हुए थे। मीडिया ने उनसे सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा के यहां बार-बार आने पर सवाल पूछा।

कुछ दिन पहले शर्मा ने कहा भी था कि अगर कल्ला मार्गदर्शन करें तो चुनाव पश्चिम से लड़ सकते हैं। इस पर कल्ला ने पहली बार प्रतिक्रिया दी और बोले कि लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है। वे भी लड़ सकते हैं, लेकिन टिकट के लिए पहले वे सरकारी नौकरी छोड़कर आएं। कल्ला ने अपनी दावेदारी भी वापस रख दी। बोले- मैं खुद चुनाव लड़ूंगा, मैं कैसे मार्गदर्शन दूं। दरअसल कांग्रेस के भीतर उम्र को लेकर कशमकश चल रही कि 75 साल के ऊपर के नेताओं को टिकट दिया जाए या नहीं। इस बीच लोकेश शर्मा भी आए दिन बीकानेर पश्चिम विधानसभा में गली-गली घूम रहे हैं। इनडायरेक्ट रूप से इशारा भी किया कि वे यहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं। लोग तो सवाल ये भी उठा रहे कि सीएम के ओएसडी अगर बीकानेर बार-बार आ रहे हैं तो बिना सीएम की इच्छा के तो वे ऐसा नहीं कर सकते।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष की जयंती पर होगा कार्यक्रम

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता बोले- 13 जुलाई को बड़े नेता भी जुटेंगे

सीकर, 29 जून (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद एवं उदयपुरवाटी से विधायक रह चुके मदन लाल सैनी की जयंती समारोह पर सीकर में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जयंती समारोह में प्रदेश व केंद्र के कई बड़े नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस सैनी धर्मशाला में की गई। सीकर जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रतनलाल सैनी ने बताया की भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्वर्गीय मदन लाल सैनी के 80वें जन्मदिन पर 13 जुलाई को सीकर में सर्वसमाज की ओर से विशाल जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा।

रेलवे अस्पताल में 'निर्भय भारत सशक्त नारी' पर सेमिनार आयोजित

विजयवाड़ा, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डिवीजनल रेलवे हॉस्पिटल, विजयवाड़ा ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' जन उत्सव के तत्वावधान में न्यू ओपीडी ब्लॉक में 'निर्भय भारत–सशक्त नारी' पर सेमिनार आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एम. सोवरीबाला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, विजयवाड़ा उपस्थित थे। शुरुआत में डॉ. एम.जयदीप एसीएमएस (एच एंड एफ.डब्ल्यू) ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए चार महत्वपूर्ण पहलुओं स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, बच्चों के अधिकार और जागरूकता, महिला अधिकार और सशक्तिकरण पर जानकारी दी। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, डॉ. एम. सोरीबाला, सीएमएस/बीजेडए ने महिलाओं और बच्चों जैसी कमजोर आबादी में स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने दैनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि

कैसे पोषण और आहार महिलाओं को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.डी.सीताराम ने दर्शकों को दैनिक जीवन में बाल अधिकारों और दुर्व्यवहार की रोकथाम के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में लगभग 150 महिला रेलवे कर्मचारी और लाभार्थी शामिल हुए। निर्भय भारत सशक्त नारी के हिस्से के रूप में रेलवे अस्पताल स्टाफ द्वारा विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए गए। 27 जून को जैक एंड जिल स्कूल में स्कूली बच्चों के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। दोनों कॉलोनियों और स्टेशन पर स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा जागरूकता रैलियां निकाली गईं, जिसमें कॉलोनियों में घरेलू महिलाओं और स्टेशन पर कामकाजी महिलाओं को शिक्षित किया गया।

लाभार्थियों को 22.5 लाख रुपये के सीएमआरएफ चेक सौंपे गए

खम्मम, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को यहां बीआरएस लोकसभा पार्टी नेता और खम्मम सांसद नामा नागेश्वर राव के कैंप कार्यालय में लाभार्थियों को 22.51 लाख रुपये के सीएमआरएफ चेक सौंपे गए। वायरा विधायक रामुलु नाइक, रायथु बंधु समिति के जिला संयोजक नल्लामाला वेंकटेश्वर राव और डीसीसी बैंक के अध्यक्ष कुरकुला नागभूषणम ने सांसद की सिफारिश पर स्वीकृत 57 चेक वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए रामुलु नाइक ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में नवीन कल्याणकारी योजनाओं के साथ तेलंगाना देश का नंबर एक राज्य बनेगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के शासन में पिछले नौ वर्षों के दौरान तेलंगाना में तेजी से विकास हुआ है और चंद्रशेखर राव आगामी चुनावों में हैट्रिक जीत हासिल करने जा रहे हैं। नागभूषणम और वेंकटेश्वर राव ने भी बात की।

महबूबाबाद में पोडु भूमि पट्टों का वितरण करेंगे मंत्री केटीआर

महबूबाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पोडु भूमि पट्टों को वितरित करने की राज्य की प्रमुख पहल शुक्रवार को शुरू हो रही है, महबुबाबाद जिले में 24,972 आदिवासियों को 70,434 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। आईटी मंत्री केटी रामा राव, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव और जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ शुक्रवार को वितरण का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक लाभार्थी के पास अद्वितीय आईएफएससी कोड के साथ अपना स्वयं का बैंक खाता हो। एक बार जब जमीन का मालिकाना हक सही मालिकों को दे दिया जाएगा, तो खाते सक्रिय हो जाएंगे। यह पहल न केवल सुरक्षित वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि लाभार्थी रायथु बंधु योजना के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम की तैयारी के लिए आदिम जाति कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने गुरुवार को व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया. उन्होंने मीडिया को बताया कि तेलंगाना के गठन से पहले 2006 से 2009 के बीच 8,560 किसानों को केवल 23,000 एकड़ जमीन प्रदान की गई थी।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी में सारगर्भित चर्चा संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी हैदराबाद के तत्वावधान में 308वीं मूल्यांकन कवि गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में किया गया। इस अवसर पर देवघर (झारखंड) के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, वरिष्ठ कवि व समीक्षक अनिल कुमार झा मुख्य अतिथि थे। साउदी (जिद्दा) की साहित्यिक संस्था रूबरू आप और हम के अध्यक्ष मोहम्मद फरतउल्लाह ख़ाँ, जुहूर ज़हीराबादी और पत्रकार सबील बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे। मूल्यांकन गोष्ठी में कानपुर (उत्तर प्रदेश) से सतीश गुप्ता के संपादन में विगत 14 वर्षों से प्रकाशित होने वाली काव्य केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका अनन्तिम के अंक 55–56 जनवरी–जून, 2023 में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों द्वारा चर्चा की गयी। विवेच्य पत्रिका पर अपना मूल्यांकन प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ कवयित्री सुधा ठाकुर ने लेखक हरीलाल मिलन के लेख प्रेम अनुभूति है स्पर्श नहीं पर कहा कि इस लेख में मिलन ने प्रेम की व्याख्या बहुत विस्तारपूर्वक की है और एक आदर्श प्रेम को समझाने का प्रयत्न किया है। प्रेम एक अत्यंत गूढ़ विषय है और उस गूँगे के गुड़ के समान है जिसे जो चखेगा उसे ही उसकी अनुभूति होगी। इस अवसर पर डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवयित्री रत्नकला मिश्र, कवि प्रदीप देवीशरण भट्ट ने अपने विचार व्यक्त किये।

मुख्य अतिथि देवघर (झारखंड) के अनिल कुमार झा ने कहा कि साहित्य पटल पर ऐसी गोष्ठियों का अपना एक महत्वपूर्ण योगदान है। अनिल कुमार झा ने आगे कहा कि समीक्षा में रचना के शिल्प को विशेष रूप से रेखांकित किया है। रचना में शिल्प के द्वारा ही उसे अच्छा या बुरे रूप में देखा जाता है। अध्यक्षीय टिप्पणी में गीतकार चंपालाल बैद ने कहा कि अतिथि साहित्यकार के विचारों ने बहुत प्रभावित किया है। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसका संचालन गोविंद अक्षय ने किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में अनिल कुमार झा, मोहम्मद फरतउल्लाह ख़ाँ, जुहूर ज़हीराबादी,सबील डॉ. मुमताज सुल्ताना, सुहास भटनागर, प्रदीप देवीशरण भट्ट, रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, शिव कुमार तिवारी कोहीरी, चंपालाल बैद, संत कुमार मंडल जागृति, प्रो. नसीम ज़ैदी, शोभा देश पांडेय, प्रवीण कुमार आदि के नाम सम्मिलित हैं।

आषाढ़ एकादशी पर जंगल विठोबा मंदिर, उस्मानशाही में पूजा अर्चना करते हुए तेलंगाना बजरंग सेना के एनआर लक्ष्मण राव, सूर्या शुक्ला, पांडु यादव, रघुनंदन यादव, वेंकटेश यादव व अन्य।

बकरीद पर न्यू बोइनपल्ली में मुस्लिम भाइयों को बधाई देते हुए कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप। उपस्थित हैं शाकिब, मौला, सादिक, आज़म, नजीर, फैसल व अन्य।

लोकगायक साईचंद के निधन पर कांग्रेस नेताओं ने शोक जताया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने आज प्रसिद्ध गायक, तेलंगाना कार्यकर्ता और राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष साई चंद (साईचंद) के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं साई चंद के असामयिक निधन से बहुत दुखी हूं। साईचंद, जिन्होंने कम उम्र में अलग तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने अपने खेल और गीत से इसे मजबूत किया। साईचंद की मृत्यु तेलंगाना के लिए एक बड़ी क्षति थी। समाज। रेवतंत रेड्डी ने साईचंद के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले।

भोंगिर के सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने भी साईचंद के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि साईचंद की आकस्मिक मृत्यु दुखद थी और उन्होंने कहा कि इससे उन्हें गहरा दुख हुआ क्योंकि लोक गायक की बहुत कम उम्र में मृत्यु हो गई। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना समाज ने एक महान गायक और कलाकार खो दिया है। उन्होंने याद किया कि अलग तेलंगाना आंदोलन के दौरान जब तक वह अलग राज्य के लिए नलगोंडा में भूख हड़ताल पर बैठे थे, साईचंद उनके साथ थे और गीत गाते थे।

रेड्डी ने कहा कि राज्य की प्राप्ति के लिए आंदोलन में साईचंद की भूमिका अविस्मरणीय है और वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेगी। उन्होंने कहा कि साईचंद ने अपने गीतों से लोगों में आंदोलन की भावना जगायी थी. जब तक सांस्कृतिक क्षेत्र में गीत है, साईचंद का नाम सदैव रहेगा। उनकी आवाज़ तेलंगाना आंदोलन की प्राणवायु थी।

विठोबा भगवान की पूजा–अर्चना और रथ यात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जंगल विठोबा देवस्थान विट्ठल नगर, उस्मानशाही में अधिक श्रावण मास के अवसर पर विठोबा भगवान की पूजा अर्चना और रथ यात्रा निकली गई। इस अवसर पर विठोबा देवस्थान कमिटी के द्वारा दिए गए निमंत्रण पर तेलंगाना के मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और बीआरएस पार्टी के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल ने विठोबा देवस्थान पहुंच कर विठोबा भगवान की पूजा–अर्चना की और रथ यात्रा में भाग लिया। इस के अलावा मत्स्य पालन मंत्री ने विठोबा भगवान को वस्त्र भी चढ़ाया और पूजा की। इस मौके पर विठोबा देवस्थान के प्रांगण में बड़ी संख्या में विठोबा भगवान के भक्तों के साथ बीआरएस के नेता आनंद कुमार गौड़, पार्षद शंकर यादव के अलावा कई भक्तों की भीड़ रही।

गोशामहल मंडल में शक्ति केंद्र की बैठक की गई

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ज्ञानबाग कॉलोनी गोशामहल मंडल में केरल से आए विस्तारक सुष्मिता बैजू की उपस्थिति में शक्ति केंद्र की बैठक की गई। इसमें गोशामहल मंडल के पार्षद लाल सिंह, मंडल भाजपा अध्यक्ष नटराज नामधारी की विशेष उपस्थिति रही। इनके अलावा गोपाल, प्रदेश कार्यालय संयोजक डी. नरहरि, कमल सिंह, बेनी नरसिम्हा, गुणवंत राव बिरादर, सम्राट सिंह, नरेश सिंह, मुकेश सिंह, विद्या शिंदे, नवीन अग्रवाल, मुरली कृष्ण, जी. रामू, विजय कुमार, विनोद प्रजापति आदि भी उपस्थित रहे।

संयुक्त अभियान में 11 बाल मजदूरों को बचाया गया, 5 तस्कर पकड़े गए

हनमकोंडा, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), चाइल्डलाइन 1098 और शेयर एनजीओ की सोशल मोबिलाइज़र टीम के सदस्यों द्वारा गुरुवार को ट्रेन पर मानव तस्करी के खिलाफ चलाए गए एक संयुक्त अभियान में। रक्सल से सिकंदराबाद तक चलने वाली नंबर 07052 स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में 11 बाल मजदूरों को बचाया गया और तस्कर होने के संदेह में पांच लोगों को पकड़ा गया। अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई से बच्चों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हुई, जिन्हें बाद में हनमकोंडा में बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया।

सीडब्ल्यूसी ने बच्चों को हनमकोंडा में लड़कों के लिए ओएसिस ओपन शेल्टर होम में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। कथित तस्करों को काजीपेट में सरकारी रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया, जहां उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 374 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महिला से बलात्कार और हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ दिन पहले भिक्षा मांगकर आजीविका कमाने वाली इंदरवेल्ली मंडल की एक आदिवासी महिला की हत्या के आरोप में गुरुवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उटनूर के डीएसपी नागेंदर ने कहा कि आरोपी–सुमुखराव संतोष, पसारे संतोष और शेख खादीर, सभी इंदरवेल्ली के धनोरा–बी गांव के रहने वाले हैं – ने 20 जून को नेराडीगोंडा मंडल के रहने वाले पीड़ित की हत्या कर दी थी और शव को बाहरी इलाके में एक खेत के कुएं में फेंक दिया था। वह गाँव, जहाँ यह चार दिन बाद पाया गया था।

पूछताछ करने पर, तीनों ने 35 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार करने के बाद उसे पीट–पीटकर मार डालने की बात कबूल कर ली। पसारा संतोष और खादीर ने खुलासा किया कि शुरुआत में उन्होंने एक गौशाला में उसकी लाज रखी, जिसके बाद 20 जून को सुमुखराव संतोष ने भी उसका यौन उत्पीड़न किया। महिला धनोरा–बी गांव में अपनी बहन के घर गई थी और घर लौटने के लिए बस स्टैंड पर इंतजार कर रही थी।

महिलाओं के कल्याण को सर्वोपरि महत्व दे रहे हैं केसीआर : बलका सुमन

मंचेरियल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक बाल्का सुमन ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव महिलाओं के कल्याण को सर्वोपरि महत्व दे रहे हैं। उन्होंने बुधवार को चेन्नूर में कल्याण लक्ष्मी योजना के 357 लाभार्थियों को 1,00,116 रुपये के चेक सौंपे। सुमन ने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर माता–पिता के लिए वरदान है और इससे उन्हें अपनी बेटियों की शादी करने में राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पहल से चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र में 11,000 माता–पिता लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की 12,259 एकल महिलाओं और 789 विधवाओं को आसरा पेंशन मिल रही है। जबकि चेन्नूर में 10 करोड़ रुपये का मातृ एवं शिशु अस्पताल स्थापित किया जा रहा था, मंदमरी, रामकृष्णपुर और चेन्नूर में महिला भवन बनाए जा रहे थे, प्रत्येक की लागत 2 करोड़ रुपये थी। खंड में चार आरोग्य महिला केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर जी. के. द्विवेदी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की।

महाप्रबंधक ने कहा कि इस रेलवे के सभी स्टेशन संचालन नियमों तथा फाटक संचालन नियमों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक/त्रिभाषिक रूप में जारी करवाया जाए क्योंकि यह राजभाषा नियम के अनुपालन के साथ–साथ संरक्षा की दृष्टि से भी अनिवार्य है। इस रेलवे पर रेल संरक्षा के संबंध में जारी किए जानेवाले सभी प्रलेखों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक/त्रिभाषिक रूप में जारी करवाना सुनिश्चित किया जाए. वेबसाइट पर सामग्री अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाया जाए. ई–ऑफिस में हिंदी में काम बढाया जाए।

इससे पहले बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर ने महाप्रबंधक तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि स्टेशन संचालन नियमों का अनुवाद प्राथमिकता के तौर पर करवाया जा रहा है। उन्होंने सदस्यों से कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में राजभाषा विभाग से प्राप्त अनुदेशों का अनुपालन किया जाए। दैनंदिन कार्यालयीन कार्य में कर्मचारियों की झिझक को दूर करते हुए हिंदी कार्य को बढावा दिया जाए।

डॉ. श्याम सुंदर साहू, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी–अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

पीएम मोदी के 8 जुलाई को तेलंगाना आने की संभावना

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 जुलाई को राज्य का दौरा करने की संभावना है। वह वारंगल शहर का दौरा करेंगे और काजीपेट में एक रेलवे वैगन ओवरहालिंग कारखाने की आधारशिला रखेंगे। वह एक मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की आधारशिला भी रखेंगे। भाजपा सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री वारंगल में एक सार्वजनिक बैठक को भी संबोधित करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने पार्टी नेताओं से जनसभा के सफल आयोजन के लिए सभी इंतजाम करने को कहा है. पार्टी नेता हनमाकोंडा के आर्ट्स कॉलेज मैदान में सार्वजनिक बैठक आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

अचानक गोली चलने से पुलिस कांस्टेबल की मौत

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिंट कंपाउंड प्रिंटिंग प्रेस में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले 46 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल रमैया की आज सुबह अपनी राइफल साफ करते समय गोली लगने से मौत हो गई। प्रिंटिंग प्रेस के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा गार्ड को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उनके शव को उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की।

देवशयनी एकादशी पर गौलीगुड़ा चमन स्थित श्री विट्ठलेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना करते हुए ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र, गजानंद चौधरी व अन्य।

आषाढ़ी एकादशी के उपलक्ष्य में सोमानी, तिलक नगर के निवास पर मधुरवाणी भजन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मोनिका सोमानी, अर्पणा सोमानी, रमा काबरा, अनुराधा बजाज, नीता काबरा, पुष्पा बियानी, ज्योति माहेश्वरी, अलका माहेश्वरी, रेखा काबरा, अर्चना लोया, मीनाक्षी सारडा, माधुरी बजाज, सुनंदा लाहोटी, सरला सोनी, ललिता मालानी, भारती हुरकट, सुधा लाहोटी, मीना तोष्णीवाल, विजयश्री बल्दवा, शीला नांवदर, पुष्पा पल्लोड, मनीषा राठी ने भाग लिया।

श्री जंगल विठोबा देवस्थानम्, गौलीगुड़ा में एकादशी पर पूजा–अर्चना करते हुए पार्षद राकेश जायसवाल, शंकर यादव, लाल सिंह, पांडु यादव, सुधीर, मयूर, अनिल, सुष्मिता व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब भारत से ही ...

बता दें कि कैलाश यात्रा 3 अलग–अलग राजमार्ग से होती है। पहला– लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड), दूसरा– नाथूला दर्रा (सिक्किम) और तीसरा– काठमांडू। इन तीनों रास्तों पर कम से कम 14 और अधिकतम 21 दिन का समय लगता है। 2019 में 31 हजार भारतीय यात्रा पर गए थे, उसके बाद चार साल यात्रा बंद रही थी।

भारत का हिस्सा, लेकिन अब चीन का कब्जा

1962 में जब भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ तो चीन ने भारत के कैलाश और मानसरोवर पर कब्जा कर लिया। अब यहां पहुंचने के लिए चीनी पर्यटक वीजा प्राप्त करना होता है। इसके चलते अब कैलाश जाना आसान नहीं रहा। आईटीबीटी के जवान और चीनी सैनिकों के पचासों तरह की चेकिंग के बाद मानसरोवर पहुंचा जाता है। भारत सरकार ने इस यात्रा को आसान बनाने के लिए 'लिपुलेख मार्ग' बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई 2020 को इस मार्ग का उद्घाटन किया था।

9 शहरों में 9 मैच-इंडिया को भारी न पड़ जाए

वर्ल्ड कप में 10 हजार किमी सफर करेगी टीम, जाने वजह और क्या मुश्किलें आएंगी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पहली बार पूरी तरह भारत की मेजबानी में आयोजित हो रहे वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी हो चुका है। भारतीय टीम को अपने 9 लीग मैच 9 अलग-अलग शहरों में खेलने हैं।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली किसी भी अन्य टीम को अपने लीग मैच इतने ज्यादा शहरों में नहीं खेलने होंगे। वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया 34 दिन में करीब 10 हजार किमी का सफर तय करेगी।

इस स्टोरी में हम 9 मैच 9 अलग ग्राउंड पर खेलने की वजह, क्या मुश्किलें आएंगी और इन ग्राउंड्स पर टीम इंडिया का रिकॉर्ड जानेंगे...

इतने ज्यादा शहरों में मैच की वजह

आईसीसी का कहना है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खुद अपनी टीम के लिए इन शहरों का चुनाव किया है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने यह कदम ज्यादा से ज्यादा राज्यों के क्रिकेट बोर्ड को खुश करने के लिए उठाया है।

भारतीय टीम को इन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है...

1. ट्रैवलिंग में ज्यादा समय बिताना पड़ेगा

वर्तमान शेड्यूल के अनुसार टीम को लीग मुकाबलों के दौरान 34 दिनों में करीब 10 हजार किलोमीटर का सफर करना होगा, जो थकावट भरा हो सकता है। टीम भले ही चार्टर्ड प्लेन से सफर करे, लेकिन ये प्लेन भी जेट लैग (विमान यात्रा से होने वाली थकान) से नहीं बचा सकते।

2. होम एडवांटेज सीमित होगा

वेन्यू ज्यादा होने से टीम का होम एडवांटेज सीमित हो जाता है, क्योंकि खिलाड़ियों को अलग-अलग मैदानों पर मैच खेलना होता है। ऐसे में उन्हें अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना होता है।

3. अलग-अलग कंडीशन के हिसाब से लगातार बदलाव करने पड़ेंगे

वेन्यू ज्यादा होने से टीम मैनेजमेंट का वर्क लोड बढ़ जाता है। कोच और कैप्टन को अलग-अलग वेन्यू और प्रतिद्वंद्वी के लिहाज से टीम कॉम्बिनेशन में बदलाव करने होते हैं।

सभी 9 वेन्यू पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड...

1. चेन्नई: 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से सामना

टीम इंडिया चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 8 अक्टूबर को 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान का आगाज करेगी।

2. दिल्ली: यहां अफगानिस्तान से पहली भिड़ंत

अरुण जेटली स्टेडियम में भारत-अफगानिस्तान मुकाबला 11 अक्टूबर को खेला जाएगा।

दिल्ली के मैदान पर भारतीय टीम पहली बार अफगानिस्तान का सामना करेगी। दोनों टीमें वर्ल्ड कप में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। 2019 में भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बहुत मशक्कत के बाद महज 11 रन से जीत हासिल कर पाई थी। ओवरऑल रिकॉर्ड देखें तो भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली मैदान पर 21 मैचों में से 13 जीते हैं और 7 गंवाए हैं।

3. अहमदाबाद : यहां वर्ल्ड कप का कोई मैच नहीं हारे, इस बार सामना पाकिस्तान से

दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम का ओहदा रखने वाले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत अब तक कोई वर्ल्ड कप मैच नहीं हारा है। टीम यहां 15 अक्टूबर को अपने सबसे बड़े राइवल पाकिस्तान का सामना करेगी। इस मैदान पर भारत ने वर्ल्ड कप के 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों में ही जीत हासिल की है।

4. पुणे : पहली बार वर्ल्ड कप की मेजबानी, यहां भारत ने 4 मैच जीते

पुणे स्थित महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत का मुकाबला 19 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। टीम इंडिया ने यहां 57.14 फीसदी मुकाबले जीते हैं। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 7 मुकाबलों में से 4 जीते हैं। इस मैदान पर पहली बार वर्ल्ड कप मैच हो रहा है।

5. धर्मशाला : पिछले मैच में कीवियों को 6 विकेट से हराया

धर्मशाला में भारतीय टीम 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना करेगी। इस मैदान पर पिछले मुकाबले में टीम इंडिया ने कीवियों को 6 विकेट से हराया था। यह मुकाबला 16 अक्टूबर 2016 को खेला गया था।

इस मैदान पर भारतीय टीम की जीत-हार का ओवरऑल रिकॉर्ड बराबर है। टीम ने यहां 50 फीसदी मुकाबले जीते हैं। धर्मशाला का मैदान पहली बार वर्ल्ड कप मैच की मेजबानी करने जा रहा है।

6. लखनऊ: यहां पहली जीत का इंतजार

लखनऊ का भारत रत्न अटल बिहारी इकाना स्टेडियम पहली बार वर्ल्ड कप मैच की मेजबानी करने जा रहा है। यहां भारतीय टीम 29 अक्टूबर को डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड का सामना करेगी।टीम इंडिया ने इस मैदान पर महज एक वनडे मैच खेला है। टीम को पिछले साल साउथ अफ्रीका ने 9 रन से हराया था।

7. मुंबई : वानखेड़े में क्वालिफायर टीम का सामना करेगी टीम इंडिया

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टीम इंडिया क्वालिफायर-2 का सामना करेगी। यह टीम कौन सी होगी इसका फैसला इस समय जिम्बाब्वे में चल रहे वर्ल्ड कप क्वालिफायर से होगा। इस टूर्नामेंट में जो टीम फाइनल मैच हारेगी वह क्वालिफायर-2 बनेगी।

इस मैदान पर भारत ने 20 मुकाबले खेले हैं। इनमें से टीम को 11 में जीत मिली है, जबकि 9 में पराजय का सामना करना पड़ा है।

8. कोलकाता : यहां साउथ अफ्रीका को 30 साल से नहीं हरा पाई भारतीय टीम

कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर 5 नवंबर को रोहित आर्मी का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। यह वही मैदान है, जहां 1996 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार मिली थी।

इस मैदान पर भारतीय टीम साउथ अफ्रीका को पिछले 30 साल से नहीं हरा पाई है। यहां दोनों टीमों के बीच 4 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से एक रद्द हुआ है। शेष 3 में से 2 भारत ने जीते हैं। भारतीय टीम को ईडन गार्डन्स के मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी जीत 24 नवंबर 1993 को मिली थी। तब भारत ने अफ्रीका को 2 रन से हराया था। उसके बाद 2005 में खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका ने हमें 10 विकेट से हराया था।

9. बेंगलुरु : क्वालिफायर-1 से खेलेगी टीम इंडिया

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा है। टीम यहां 11 नवंबर को क्वालिफायर-1 के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी।भारतीय टीम ने यहां 21 मैच खेले हैं। इनमें से 14 जीते हैं, जबकि 5 में पराजय का सामना करना पड़ा है। एक मैच नो रिजल्ट रहा है।

एसएएफएफ चैंपियनशिप: सेमीफाइनल में लेबनान से भिड़ेगा भारत, चार बार भिड़ीं दोनों टीमें

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने हाल ही में हुए इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में लेबनान को ही हराया था और ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब तक दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं। इसमें से भारत ने दो और लेबनान ने तीन मैच जीते हैं।

सैफ चैंपियनशिप में चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। ग्रुप-ए से जहां कुवैत और भारत ने अंतिम चार में जगह बनाई, वहीं ग्रुप-बी से लेबनान और बांग्लादेश की टीम सेमीफाइनल में पहुंची। अब अंतिम चार के मुकाबले में ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप-ए की दूसरी टीम से भिड़ेगी। यानी कुवैत का मुकाबला बांग्लादेश से और लेबनान का सामना भारत से होगा। दोनों सेमीफाइनल एक जुलाई को खेले जाएंगे। कुवैत-बांग्लादेश मुकाबला दोपहर तीन बजे से और भारत-लेबनान मैच शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा।

लेबनान ने ग्रुप (बी) स्टेज के अपने आखिरी मैच में बुधवार को मालदीव को 1-0 से हरा दिया। टीम के लिए कप्तान हसन माटूक ने 24वें मिनट में फ्री-किक पर महत्वपूर्ण गोल दागा। इस टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने तीनों मैच जीते और शीर्ष स्थान पर रही। वहीं, भारतीय टीम ग्रुप (ए) स्टेज में अपने तीन में से दो मैच जीतने में सफल रही थी। उसने पाकिस्तान को 4-0 और नेपाल को 2-0 से हराया था। कुवैत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। ऐसे में दोनों टीमों के बीच दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है। भारत ने हाल ही में हुए इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में लेबनान को ही हराया था और ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब तक दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं। इसमें से भारत ने दो और लेबनान ने तीन मैच जीते हैं। वहीं, तीन मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। हालांकि, यह एक नॉकआउट मैच होगा, इसलिए इसमें ड्रॉ की कोई गुंजाइश नहीं होगी। 90 मिनट तक मैच ड्रॉ रहने पर मैच 30 मिनट के एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा। इसे भी दो हाफ में खेला जाएगा। वहीं, एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर बराबर रहने पर मैच पेनल्टी शूटआउट में जाएगा।

दोनों टीमों का पहली बार सामना 1977 में प्रेसिडेंट कप में हुआ था। तब भारत ने लेबनान को 4-2 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद दोनों टीमें 1993 में दो बार फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भिड़ी थीं। एक मैच 2-2 से ड्रॉ रहा था, जबकि दूसरे मैच में लेबनान ने भारत को 2-1 से हराया था। इसके बाद 2007 में भी इन दोनों टीमों के बीच फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भिड़त हुई। आठ अक्टूबर 2007 को हुए मैच में लेबनान ने भारत को 4-1 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद 30 अक्टूबर 2007 को दोनों टीमों के बीच खेला गया मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। 19 अगस्त 2009 को दोनों टीमें दोस्ताना मैच में एक बार आमने-सामने आईं। तब लेबनान ने भारत को 1-0 से हरा दिया था। इसके बाद 2023 इंटरकॉन्टिनेंटल कप में दोनों का आमना-सामना हुआ। इस टूर्नामेंट में एक मैच 0-0 से ड्रॉ रहा, वहीं फाइनल में भारत ने लेबनान को 2-0 से हराया। 1977 के बाद टीम इंडिया ने लेबनान पर पहली जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम इस जीत के लय को सैफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी बरकरार रखना चाहेगी।

महिला क्रिकेट टीम को आज मिल सकता है नया हेड कोच

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जल्द से जल्द मुख्य कोच का पद भरने की कोशिश में है। इस पद के लिए हाल में आवेदन मांगे गए थे। अब खबर है कि 30 जुलाई को नए कोच का ऐलान किया जा सकता है। रोमेश पोवर के इस्तीफे के बाद से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है। पोवार को पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में शिफ्ट कर दिया गया था।

हेड कोच रेस में शामिल ये 2 नाम सबसे आगे हैं

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच पद के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि शार्टलिस्ट किये गये उम्मीदवारों में अमोल मजूमदार और तुषार अरोठे शामिल हैं, जिनका 30 जून को साक्षात्कार लिया जाएगा। अरोठे पिछले समय में टीम इंडिया को कोचिंग दे चुके हैं, जबकि अमोल मजूमदार इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम के कोच रह चुके हैं।

30 जून को इंटरव्यू

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ,इंग्लैंड के जॉन लुईस ने भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के पद के लिये आवेदन दिया है, जो डरहम के पूर्व कोच रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नायक की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) मुंबई में इस पद के लिए 30 जून शुक्रवार को साक्षात्कार लेगी।

फिलहाल बिना कोच के है टीम इंडिया

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस वक्त बिना कोच के है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली इस टीम ने इसी साल साउथ अफ्रीका में हुए टी20 विश्वकप में बिना कोच के खेला। रमेश पोवार के एनसीए में शिफ्ट होने के बाद ये पद खाली है। हालांकि विश्व कप के समय बीसीसीआई ने ऋषिकेश कानिटकर को महिला टीम की जिम्मेदारी दी थी।

पीसीबी डिमांड पर भड़के वसीम अकरम, खूब सुनाई खरी-खोटी

इस्लामाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने 2023 विश्व कप के वेन्यू के रूप में अहमदाबाद के चयन पर अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आलोचना की है। भारत-पाकिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद में खेला जाएगा। अकरम ने कराची में एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा- पाकिस्तान को अनावश्यक तनाव से बचना चाहिए और उन स्थानों पर

मैच खेलना चाहिए जहां वे निर्धारित हैं। हम अहमदाबाद में नहीं खेलेंगे जैसे अनावश्यक बयान मुझे समझ नहीं आते। पाकिस्तान के खिलाड़ियों से पूछो, उन्हें कोई परवाह नहीं है, वे वहीं खेलेंगे जहां उनका खेलना तय है। इन बातों से आगे बढ़ना चाहिए

अकरम ने आगे एशिया कप के लिए भारत के पाकिस्तान न आने और पाकिस्तान के वर्ल्ड कप के लिए इंडिया जाने वाले सवाल पर कहा- मैं ईगो के पक्ष में हूं। यदि आपके पास ईगो है और आपको लगता है कि आप अपने रुख पर कायम रह सकते हैं तो आपको बोलना चाहिए। लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि इससे आगे बढ़ना चाहिए। कुछ भी कहने से पहले हमेशा सोचें, लेकिन अगर आप नहीं कर सकते तो इसके बारे में बात न करें, हर कोई अपने देश के लिए देशभक्त है।

विश्वकप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले 5 खिलाड़ी, एक भी भारतीय शामिल नहीं

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। वनडे विश्वकप 2023 का आगाज 5 अक्टूबर से होना है। इस दिन का सभी क्रिकेट प्रेमियो को इंतजार है। भारत में होने वाले इस विश्वकप में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिलेगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वर्ल्ड कप के इतिहास में कौन से खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि टॉप पांच में एक भी भारतीय बल्लेबाज शामिल नहीं हैं।

वनडे विश्वकप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 35 मैचों में कुल 49 छक्के लगाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1186 रन निकले। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका के तूफानी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप में 31 छक्के लगाए हैं। नीचे देखिए टॉप पांच बल्लेबाजों की लिस्ट...

वनडे विश्वकप में सबसे ज्यादा छक्केलगाने वाले टॉप 5 खिलाड़ी

1. क्रिस गेल : मैच- 35, रन- 1186, छक्के- 49, हाई स्कोर- 215

2. एबी डिविलियर्स : मैच- 23, रन- 1207, छक्के- 31, हाई स्कोर- 162*

3. रिकी पोंटिंग : मैच-46, रन- 1753, छक्के- 31, हाई स्कोर- 140*

4. ब्रेंडन मैक्कुलम : मैच- 34, रन- 742, छक्के- 29

5. हर्षल गिब्स : मैच-25, रन- 1067, छक्के- 28, हाई स्कोर 143

सचिन तेंदुलकर छठवें नंबर पर हैं

सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में टॉप पांच में एक भी भारतीय प्लेयर शामिल नहीं हैं। छठवें नंबर पर महान बल्लेबाज रहे सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने विश्वकप के 45 मैचों में 27 छक्के लगाए हैं। उन्होंने इस दौरान 2278 रन बनाए और उनका हाई स्कोर 152 रन रहा।

विंबलडन 2023: जोकोविच नहीं, अल्काराज होंगे विंबलडन में शीर्ष वरीय

लंदन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। विंबलडन में इस बार 23 बार के ग्रैंड स्लैम और गत विजेता विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच नहीं बल्कि स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज शीर्ष वरीय होंगे। जोकोविच को दूसरी वरीयता प्रदान की गई है। विंबलडन के आयोजक ऑल इंग्लैंड क्लब ने इस बार पेशेवर टेनिस संघ (एटीपी) महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) की रैंकिंग को वरीयता दी है, जिसके अनुसार विश्व नंबर एक अल्काराज और महिलाओं में चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता 22 वर्षीय पोलैंड की इगा स्वियातेक को शीर्ष वरीयता प्रदान की गई है।

सोमवार को विश्व नंबर एक बने

हैं अल्काराज

11 जून को पेरिस में फ्रेंच ओपन के रूप में रिकॉर्ड 23वां ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच उसके बाद से कोई टूर्नामेंट नहीं खेले हैं, जबकि अल्काराज हाल ही में क्वींस क्लब टूर्नामेंट जीतकर विश्व नंबर एक बन बैठे। उन्होंने सोमवार को नंबर एक की गद्दी से जोकोविच को उतार दिया।

जोकोविच नंबर दो स्थान पर खिसक गए। विंबलडन में पिछली बार रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित करने के चलते एटीपी और डब्ल्यूटीए ने रैंकिंग अंक नहीं दिए थे, जिसका गत विजेता जोकोविच को फायदा नहीं मिल पाया था। जोकोविच पिछले चार बार से विंबलडन जीतते आ रहे हैं। वह यह खिताब सात बार जीत चुके हैं।

मेदवेदेव, सबालेंका इस बार खेलेंगे

आयोजकों ने इस बार रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति प्रदान की है, जिसके चलते रूस के दानिल मेदवेदेव को नंबर तीन और महिला वर्ग में बेलारूसी की आर्यना सबालेंका को तीसरी वरीयता प्रदान की गई है। एकल मुकाबलों का ड्रॉ शुक्रवार को निकाला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट सोमवार यानि तीन जुलाई से शुरू हो रहा है।

दो बार के विजेता और विश्व नंबर 39 इंग्लैंड के एंडी मरे को कोई वरीयता नहीं दी गई है। 2002 से 2019 तक ऑल इंग्लैंड क्लब विंबलडन और ग्रास कोर्ट टूर्नामेंटों में दिखाए गए प्रदर्शन के हिसाब से रैंकिंग प्रदान करता था, लेकिन उसके बाद से उसने एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग को प्राथमिकता देनी शुरू कर दी। महिलाओं में गत विजेता कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना नंबर तीन वरीय होंगी।

दूसरा एशेज टेस्ट: पहले दिन ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 339/5

लंदन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। द एशेज सीरीज का दूसरे टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर खेला जा रहा है। बुधवार को पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट पर 339 रन बना लिए। स्टंप्स के बाद स्टीव स्मिथ 85 रन और विकेट कीपर एलेक्स कैरी 11 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स ने पहले दिन का फायदा उठाया। स्मिथ के अलावा ओपनर डेविड वार्नर ने 66 और ट्रेविस हेड ने 77 रन बनाए। दूसरे दिन का गुरुवार दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा।

वार्नर-ख्वाजा की अर्धशतकीय साझेदारी

ओपनर डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 73 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। उस्मान ख्वाजा 17 रन बना कर पवेलियन लौटे। उनके बाद वार्नर 66 रन बनाकर आउट हो गए। 2 विकेट गिरने के बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने 102 रन की पार्टनरशिप कर की। लाबुशेन 47 रन बनाकर आउट हुए।

मार्नस के बाद ट्रेविस हेड आए और उन्होंने भी स्मिथ के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 118 रन जोड़े। हेड ने 77 रन की पारी खेली, वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन खाता भी नहीं खोल सके।

तेलंगाना के विकास के लिए सीएम केसीआर के पास हैं कई योजनाएं : केटीआर

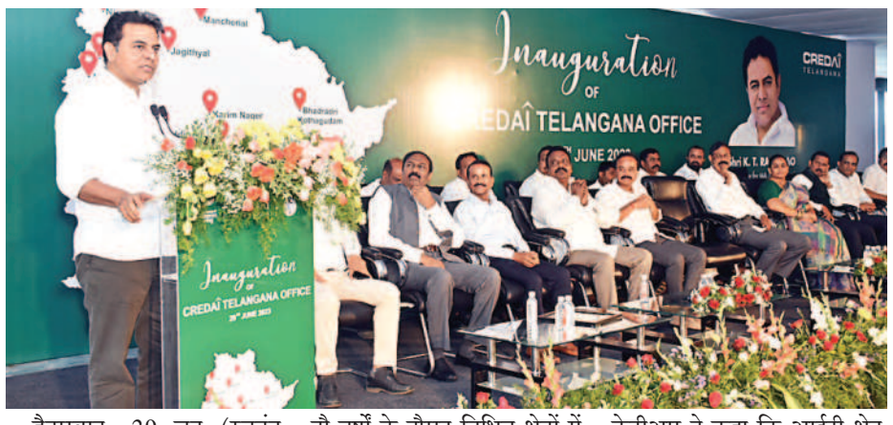

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यह दोहराते हुए कि बीआरएस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में 99 सीटें जीतेगी और लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि पिछले नौ साल में तेलंगाना की जनता ने विकास के मामले में सिर्फ ट्रेलर देखा है और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के मन में तेलंगाना में सर्वांगीण विकास करने के लिए कई योजनाएं हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि पार्टी अन्य राज्यों में भी अपने अधिकार की मुहर लगाएगी और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गुरुवार को यहां वित्तीय जिले में क्रेडाई तेलंगाना के नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगति हासिल की है और मुद्दों का समाधान किया है। पेयजल और बिजली की आपूर्ति, जो संयुक्त आंध्र प्रदेश में पिछली सरकारों द्वारा नहीं किया गया है। यह कहते हुए कि राज्य की राजधानी, हैदराबाद, वैश्विक शहर में तब्दील हो गई है, मंत्री केटी रामाराव ने फिल्म अभिनेता और सुपरस्टार रजनीकांत के बयान को याद दिलाया, जिन्होंने हैदराबाद की प्रगति की सराहना की थी और कहा था जैसे कि वह एक विदेशी शहर में है।

हैदराबाद के विकास के लिए राज्य सरकार की कार्ययोजना के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि भविष्य में मेट्रो रेल कनेक्टिविटी को 250 किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा और चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। इसके अलावा हैदराबाद इस साल सितंबर तक 100 फीसदी सीवरेज ट्रीटमेंट सुनिश्चित करने वाला देश का पहला शहर बनने जा रहा है। केटीआर ने कहा कि आईटी क्षेत्र का विस्तार द्वितीय श्रेणी के शहरों में किया जा रहा है और लक्ष्य द्वितीय श्रेणी के शहरों में 50,000 आईटी नौकरियां पेश करने का है, जिनमें से 12000 नौकरियां पहले ही पेश की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास तेलंगाना के विकास के लिए कई और योजनाएं हैं और लोगों को राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए अपना समर्थन देना चाहिए। रामा राव ने विपक्षी दलों को तेलंगाना से बेहतर प्रदर्शन करने वाला राज्य दिखाने की चुनौती देते हुए कहा कि हम अपनी ताकत दिखाएंगे कि न केवल गुजरात के नेता फैसले ले सकते हैं बल्कि बीआरएस राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

मंत्री ने कहा कि 2014 में, जब बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) ने 63 सीटें जीती थीं, तो लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को पद से हटाने और तेलंगाना को एक असफल के रूप में पेश करने की साजिश रची गई है। हालांकि विपक्षी दलों के पास स्पष्टता नहीं है, लेकिन लोगों के पास है और वे अपने वादों को पूरा करने वाली एक अच्छी सरकार को खोना नहीं चाहेंगे, उन्होंने कहा कि कई लोग सत्ता में आने के लिए बेताब हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि सुशासन की निरंतरता महत्वपूर्ण है, मंत्री ने सभी वर्गों के लोगों से तेलंगाना की उपलब्धियों को हल्के में न लेने का आग्रह किया। कई लोग सोचते हैं कि सत्ता में कोई भी पार्टी हो, विकास होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने पूछा कि अगर ऐसा होता तो पिछली सरकारें राज्य में बिजली, पीने और सिंचाई के पानी के मुद्दों को संबोधित करने में कैसे विफल रहीं। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने चार वर्षों में दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण किया।

तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है। जब लोग महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में कदम रखेंगे तो उन्हें तेलंगाना की उपलब्धियों का एहसास होगा। भविष्य की कुछ योजनाओं को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हैदराबाद इस साल सितंबर तक 100 प्रतिशत सीवरेज उपचार सुनिश्चित करने वाला देश का पहला शहर बनने की ओर अग्रसर है।

सड़क पर कुत्तों के हमले दो बच्चे घायल

वारंगल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) सीमा में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। ताजा घटना बुधवार को हुई जब एलबी नगर इलाके के इस्लामपुरा इलाके में लगभग दो साल की एक लड़की स्ट्रीट डॉग के हमले का शिकार हो गई। पीड़िता की पहचान सुनया सुल्ताना के रूप में हुई, उसे तत्काल चिकित्सा उपचार के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। जांच और आवश्यक देखभाल के बाद, उसे उस शाम घर लौटने की अनुमति दी गई।

बमुश्किल कुछ घंटों बाद, एक सड़क कुत्ते ने हनमकोंडा के पास हसनपर्थी मंडल के सीतानगरम गांव के निवासी जी शिवसाई (8) पर हमला कर दिया। बुधवार की देर रात एमजीएम अस्पताल में उन्हें रेबीज रोधी टीका दिया गया और उनकी चोटों का इलाज किया गया। सड़क पर कुत्तों के हमलों की संख्या में वृद्धि के साथ, जनता जीडब्ल्यूएमसी द्वारा प्रभावी उपायों के कार्यान्वयन की प्रतीक्षा कर रही है।

टीएस बीसी आयोग अध्यक्ष ने की हंसराज गंगाराम अहीर से मुलाकात

सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना की मांग दोहराई

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव, जिन्होंने गुरुवार को हैदराबाद के दौरे पर आये राष्ट्रीय बीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर से मुलाकात की, ने ओबीसी वर्ग की प्रगति के लिए सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) करने की तात्कालिकता को दोहराया, जो इसमें योगदान देगा।

उन्होंने एनसीबीसी अध्यक्ष से इस मुद्दे को तत्काल कार्यान्वयन के लिए केंद्र के समक्ष ले जाने का आग्रह किया। कृष्ण मोहन राव ने अहीर के ध्यान में यह भी लाया कि हर तीन साल में गैर-क्रीमी लेयर आय सीमा की समीक्षा के लिए डीओपीटी दिशानिर्देशों पर विचार नहीं किया गया, और बताया कि केंद्र द्वारा नियम का उल्लंघन अनुचित है।

राष्ट्रीय आयोग से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने की मांग करते हुए उन्होंने बताया कि हालांकि पिछले 30 वर्षों के दौरान ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण था, लेकिन विभिन्न कारणों से विभिन्न श्रेणियों के तहत पद नहीं भरे जा सके, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी रिक्तियां हुईं। इन ओबीसी वर्गों के साथ न्याय करने के लिए बैकलॉग पद्धति के माध्यम से रिक्तियों को भरने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बीसी आयोग को इसमें अहम भूमिका निभानी होगी। राज्य बीसी आयोग के अध्यक्ष ने एनसीबीसी अध्यक्ष से इन वर्गों को होने वाले और नुकसान को रोकने के लिए उपजाति के मुद्दों के वर्गीकरण पर रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करने का भी आग्रह किया।

टीएसआईसेट-2023 के परिणाम घोषित नुकला सरनकुमार ने पहली रैंक हासिल की

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआईसीईटी-2023 के परिणाम गुरुवार को यहां काकतीय विश्वविद्यालय में तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद (टीएससीएचई) के अध्यक्ष, प्रोफेसर आर लिंबाद्री के साथ केयू वीसी प्रोफेसर थाटीकोंडा रमेश द्वारा घोषित किए गए।

नुकला सरनकुमार टीएसआईसेट-2023 में पहली रैंक हासिल कर टॉपर बने। साई नवीन और रवितेजा ने क्रमशः दूसरी और तीसरी रैंक हासिल की। टीएससीएचई ने केयू को तेलंगाना में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए एमबीए/एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए टीएसआईसेट-2023 आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। प्रोफेसर लिंबाद्री ने कहा कि अधिसूचना 28 फरवरी को जारी की गई थी और पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन जमा करना 6 मार्च से शुरू हुआ था।

26 और 27 मई को कुल 70,900 उम्मीदवार परीक्षा के लिए उपस्थित हुए, जिनमें 34,396 पुरुष उम्मीदवार, 36,503 महिला उम्मीदवार और एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल थे। उपस्थित होने वाले कुल उम्मीदवारों में से, 61,092 उम्मीदवार (86.1% प्रतिशत) सफलतापूर्वक परीक्षा के लिए योग्य हुए। योग्य उम्मीदवारों में 29,618 पुरुष (86.11 प्रतिशत), 31,473 महिला (86.22 प्रतिशत) और एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार हैं। क्वालीफायर में 57,711 उम्मीदवार स्थानीय श्रेणी के हैं, जबकि 3,381 उम्मीदवार गैर-स्थानीय श्रेणी के हैं।

सीपी ने बकरीद पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने बकरीद का त्योहार मना रहे मुस्लिम भाइयों को बधाई दी। इसके बाद बच्चों को चॉकलेट वितरित की गई। सीपी ने गुरूवार को शाही नगर, सरूरनगर टैंक बंड और उप्पल वीटी कमान मस्जिद के पास सुरक्षा व्यवस्था का स्वयं निरीक्षण किया। अधिकारियों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय करने का निर्देश दिया गया। राचकोंडा आयुक्तालय में कई संवेदनशील स्थान हैं और अधिकारियों को बकरीद समारोह के दौरान किसी भी शांति और सुरक्षा समस्याओं से बचने के लिए सख्त कदम उठाने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि लोग बकरीद का त्योहार शांतिपूर्वक और खुशी से मनाएं और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस का सहयोग करें।

विभिन्न पुलिस भवनों के निर्माण पर 704.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए : कोलेटी

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष कोलेटी दामोदर ने कहा कि पुलिस स्टेशनों, पुलिस आयुक्तालय भवनों और जिला पुलिस मुख्यालय भवनों सहित विभिन्न पुलिस भवनों के निर्माण पर कुल 704.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के विचारों के अनुरूप, इन इमारतों का निर्माण कॉर्पोरेट कार्यालयों के समान अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ किया गया है।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, दामोदर ने कहा कि सिद्दीपेट, कामारेड्डी, रामागुंडम सहित 23 नए जिला पुलिस मुख्यालय भवन बनाए गए और राज्य भर में 90 पुलिस स्टेशनों पर फ्रंट ऑफिस बनाए गए। जिला पुलिस भवनों का निर्माण 38.5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर किया गया है। सरकार के निर्देशों के अनुसार कि हर मंडल में एक पुलिस स्टेशन होना चाहिए, निगम ने 137 पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया है, जिनमें से प्रत्येक की लागत 2.7 करोड़ रुपये से 4.25 करोड़ रुपये के बीच है। उनमें से 109 इमारतें पूरी हो चुकी हैं और अन्य पर काम प्रगति पर है। जिला पुलिस मुख्यालय का निर्माण इस प्रकार किया जा रहा है कि कुल क्षेत्रफल लगभग 51,411 वर्ग फुट है। सभी पुलिस भवन नवीनतम तकनीक और डिजाइन से सुसज्जित हैं। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में, निज़ाम युग के दौरान निर्मित सहित कुल 67 पुलिस स्टेशन भवनों को 175.68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर या तो पुनर्निर्मित किया गया या फिर से बनाया गया। दामोदर ने कहा कि आसिफाबाद, निर्मल, आदिलाबाद, भद्राचलम और नल्लामल्ला जैसे वन क्षेत्र से आच्छादित स्थानों पर विशेष डिजाइन के साथ पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया गया है।

तिम्मापुर में 9वीं कक्षा का छात्र फंदे से लटका मिला

करीमनगर, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कक्षा 9 का छात्र, बुसामल्ला डैनियल पॉल (14), तिम्मापुर मंडल के अलुगुनूर में अपने घर में लटका हुआ पाया गया। संदेह है कि डेनियल पॉल ने दोपहर करीब दो बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। एलएमडी पुलिस के अनुसार, लड़के की मां मर्सी एक निजी स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं। बताया जा रहा है कि दोनों पिछले छह महीने से अलग-अलग रह रहे थे और उनके सहपाठियों के मुताबिक, डेनियल पॉल इस शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से कक्षाओं में भाग नहीं ले रहा था। मर्सी की शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया।

जोड़े का अपहरण करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

विशाखापट्टणम, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस ने गुरुवार को घटना के कुछ घंटों के भीतर एक जोड़े का अपहरण करने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े विजयवाड़ा के श्रीनिवास और लक्ष्मी चार महीने पहले शहर आए थे और फोर्थ टाउन पुलिस स्टेशन की सीमा में रह रहे थे। बुधवार को उनका अपहरण कर लिया गया और उनके रिश्तेदारों ने पुलिस से शिकायत की कि उन्हें छोड़ने के लिए 60 लाख रुपये की फिरौती मांगी गयी थी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और तलाशी शुरू की। इस प्रक्रिया में अन्नवरम मंडल के कट्टीपुड़ी जंक्शन के पास एक कार में जा रहे पांच लोगों को देखा और उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कहा कि अपहरणकर्ता विजयवाड़ा के हैं और श्रीनिवास और लक्ष्मी सुरक्षित हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

विदेशी पर्यटन स्थलों का अध्ययन करेगी राज्य की टीम : गंगुला

करीमनगर, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का दौरा कर वहां के पर्यटन स्थलों का अध्ययन करेगा।

गुरुवार को पांच दिवसीय दौरे के लिए रवाना हुई छह सदस्यीय टीम में कमलाकर, पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ और टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार और सिंचाई विशेष मुख्य सचिव रजत कुमार, पर्यटन एमडी सहित सरकारी अधिकारी मनोहर और करीमनगर कलेक्टर आरवी कर्णन शामिल होंगे।

गुरुवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मनेयर रिवर फ्रंट परियोजना 410 करोड़ रुपये से शुरू की गयी है, जबकि 310 करोड़ रुपये सिंचाई विभाग द्वारा स्वीकृत किए गए थे, शेष 100 करोड़ रुपये का योगदान पर्यटन विभाग द्वारा किया गया है। 72 करोड़ रुपये से फाउंटेन का काम शुरू किया गया। परियोजना को दो चरणों में विभाजित किया गया था और पहला चरण अगस्त तक पूरा किया जाना था। 250 करोड़ रुपये से विकसित की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं का अध्ययन करने के लिए, वे मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देशों के आधार पर विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का दौरा करने की योजना बना रहे थे। टीम दक्षिण कोरिया के सियोल और सिंगापुर के अन्य पर्यटक स्थलों के अलावा प्रसिद्ध यूनिवर्सल स्टूडियो का दौरा करेगी।

प्रदेश में बकरीद का त्योहार मनाया गया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार गुरुवार को राज्य के मुसलमानों ने पूरी श्रद्धा के साथ मनाया। चूंकि पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है, इसलिए नमाज अदा करने वालों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए राज्य भर की सभी मस्जिदों और ईदगाहों में व्यवस्था की गई थी। नए कपड़े पहनकर छोटे बच्चे अपने पिता और भाइयों के साथ ईदगाहों और मस्जिदों में सामूहिक नमाज में शामिल हुए। उन्होंने अपने पूर्वजों की कब्रों पर भी जाकर उन्हें याद किया। पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष सावधानी बरती है कि सभी प्रार्थना क्षेत्रों में कोई अप्रिय घटना न हो।

सभी कार्यालयों को अनिवार्य रूप से तिमाही प्रगति रिपोर्ट भेजें : अरुण जैन

दमरे में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में अध्यक्ष, नराकास तथा महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक ऑन लाइन तथा ऑफ लाइन माध्यम से महाप्रबंधक सभागृह, रेल निलयम में आयोजित की गई। कुछ सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधि महाप्रबंधक सभागृह में उपस्थित थे तथा कुछ कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से इस बैठक में सहभागिता की। अध्यक्ष ने नराकास की पत्रिका अक्षर भारती के ई-प्रकाशन व विमोचन के लिए सभी को बधाई दी तथा उन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने अपनी लेखनी से इसे सुसज्जित किया। उन्होंने सभी कार्यालयों को अनिवार्य रूप से तिमाही प्रगति रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है। रिपोर्ट में कमियां पाई जाती हैं तो उन्हें सुधारा जा सकता है, परंतु रिपोर्ट प्राप्त न होना बहुत गंभीर बात है।

उहोंने आश्वासन दिया कि अध्यक्ष कार्यालय के रूप में हम आपकी हर संभव सहायता करेंगे और आपसी सहयोग व भागीदारी से अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देते रहेंगे। इससे पहले बैठक के आरंभ में उपाध्यक्ष, नराकास व मुख्य राजभाषा अधिकारी, द.म.रे. ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उहोंने बताया कि नराकास के तत्वावधान में नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा जिन कार्यालयों का निरीक्षण किया गया, वे समिति के सुझावों पर कार्रवाई करते हुए समय पर अनुपालन रिपोर्ट भेज दें। हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से आमंत्रित श्रीमती बेला, उप निदेशक ने हिंदी भाषा/टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण कक्षाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा सहयोग के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को धन्यवाद दिया। अनिर्बान विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), बेंगलूर ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता करते हुए नराकास की गतिविधियों की प्रशंसा की और कहा कि सभी कार्यालय से तिमाही रिपोर्ट प्राप्त होना अनिवार्य है।

डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा तिमाही प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी।

तेलंगाना ने एपी परियोजनाओं के खिलाफ 77 पत्र भेजे, बहुत कम प्रतिक्रिया मिली

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्वतंत्र राज्य का दर्जा प्राप्त करने के बाद से, आंध्र प्रदेश के साथ नदी जल बंटवारे में आने वाली चुनौतीपूर्ण स्थितियों से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मुख्य रूप से कृष्णा बेसिन में पानी का सही हिस्सा न मिलना एक बड़ा मुद्दा रहा है। इसने उन परियोजनाओं का एक मजबूत मामला बनाया है जिन्हें आंध्र प्रदेश उचित मंजूरी के बिना आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अवैध परियोजनाओं पर वांछित कार्रवाई की तो बात ही दूर, उसे अपनी आवाज सुनाने में भी कठिनाई हो रही है। राज्य ने जनवरी 2020 से मई 2023 तक बिना मंजूरी के एपी परियोजनाओं का विरोध करते हुए कम से कम 77 पत्र भेजे हैं। उनमें से कुछ केंद्रीय जल आयोग, जल शक्ति मंत्रालय, पर्यावरण और वन मंत्रालय और यहां तक कि कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को भी संबोधित थे। लेकिन संबंधित एजेंसियों को एक्शन मोड में लाने में यह कमोबेश खाली रहा है। अधिकांश पत्रों का उद्देश्य केआरएमबी का ध्यान आकर्षित करना था।

दुर्भाग्य से, इतने सारे पत्रों के बावजूद, केआरएमबी आंध्र प्रदेश को उक्त कार्यों के निष्पादन से नहीं रोक सका। बड़े पैमाने पर विचलन से जुड़े ये सभी कार्य श्रीशैलम और नागार्जुन सागर जलाशयों से तेलंगाना राज्य के कृष्णा बेसिन क्षेत्रों की जरूरतों को गंभीर रूप से प्रभावित करेंगे, सी मुलरिधर, इंजीनियर-इन-चीफ (जनरल), ने केआरएमबी के अध्यक्ष को संबोधित अपने एक पत्र में खेद व्यक्त किया।

आंध्र प्रदेश द्वारा 47,776 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले इस प्रकृति के नए कार्य शुरू किए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन सभी का इरादा या तो बिना मंजूरी के मौजूदा परियोजनाओं का विस्तार करना या उनमें एक उन्नत घटक जोड़ना है और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 का उल्लंघन करते हुए कृष्णा बेसिन के बाहर की परियोजनाओं में पानी को मोड़ना है। जिस तरह से एपी पोतीरेड्डीपाडु हेड रेगुलेटर के माध्यम से श्रीशैलम परियोजनाओं से अपनी निकासी बढ़ा रहा है, उससे राज्य चिंतित है। पोतिरेड्डीपाडु नियामक और इसकी नहर प्रणाली का उपयोग कृष्णा बेसिन से परे पानी को मोड़ने के लिए किया जा रहा था, जो कि कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-I पुरस्कार प्रावधानों के खिलाफ आंध्र प्रदेश द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के लिए थी।

एपी ने अपने निकासी को 15000 क्यूसेक से बढ़ाकर 44,000 क्यूसेक करने के लिए हेड रेगुलेटर, इसकी नहर प्रणाली और बनाकाचार्ला क्रॉस रेगुलेटर कांप्लेक्स में वृद्धि की है। बाद में इसे बढ़ाकर 88000 क्यूसेक कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि एपी मानसून अवधि के दौरान भी श्रीशैलम परियोजना में जल स्तर 854 फीट से नीचे होने पर 2250 क्यूसेक से अधिक पानी निकालने का हकदार नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.